# HRA ani Usalandia The Gazette of India

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 38]

नइं बिल्ली, शनिवार, सितम्बर 22, 1979 (भावपद 31, 1901)

.No. 38 ]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 22, 1979 (BHADRA 31, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था दो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में एखा जा लंह (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# थाग III-खण्ड 1

#### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रकं और महालेखापरीक्षक, संव सोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संसक्त और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा श्रायोग नई दिल्ली-110011, दिसांक 18 श्रगस्त, 1979

सं० ए० 32013/3/79-प्रशा०-1--संघ लोक सेवा प्रायोग के केन्द्रीय मिनवालय सेवा संवर्ग के स्थायो ग्रेड I ग्रिधिकारी श्री एम० ग्रार० भागवत को राष्ट्रपति द्वारा 11-7-79 से दो मास की ग्रविध के लिए ग्रयवा श्रागामी भाषेण तक, जो भी पहले हो, संघ शोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तद्दर्थ भाषार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

> एम० बालचन्द्रन प्रवर मचिव संघ लोक सेवा आयोग

गृह महालय कार्य एवं प्रशासन विभाग केन्द्रीय धन्वेषण ब्यूरी नई दिल्ली, दिनांक 27 श्रगस्स 1979

सं ० पी-23/65-प्रशासन-V---राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री पी ० वी ० रामकृष्ण, वरिष्ठ लोक श्रीभयोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को प्रोन्नति पर दिनांक 31-7-79 के पूर्वाह्न से भगले आदेश 1-245GI/79 तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में सदर्थ आधार पर उप-विधि सलाहकार नियुक्त करते हैं।

उन्होंने दिनांक 24-7-79 के अपराह्म में वरिष्ठ लोक-भिभोजक केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, हैदराबाद के पद का कार्यभार त्याग दिया ।

#### दिनांक 30 श्रगस्त 1979

मं० ए-19014/1/79-प्रशा०-5---राष्ट्रपति प्रपने प्रसाद से गृह मंद्रालय के केन्द्रीय सचिवालय प्राशृतिपिक सेवा के स्थायी ग्रेड 'ए' ग्राधिकारी श्री क्यू० एल० ग्रोबर को दिसांक 1 श्रगस्त, 1979 के पूर्वाह्म से तदर्थ श्राधार पर केन्द्रीय श्रन्थेपण ब्यूरो में स्थानापन्न प्रशासनिक श्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

> सतीश कुमार झा उप-निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ती, पिनांक 29 प्रगस्त 1979

सं० ए०-19021/3/75-प्रणा०-5--श्री ए.स० सी० विपाठी, भारतीय पुलिस सेवा (1963-मध्य प्रदेण) ने दिनांक 20 जुलाई, 1979 के श्रपणाह्म में पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशोष पुलिस स्थापना के पद का कार्यभार त्याग दिया। उनकी सेवाएं राज्य सरकार को वापस सौंप दी गई।

सं० ए-19021/2/79-प्रणा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रमाद से श्री एन० ग्रार० देव, भारतीय पुलिस सेवा (मध्य प्रदेश-1965) को दिनांक 20-7-79 के ग्रपराह्म से ग्रगले ग्रादेश तक के लिए केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस ग्रधीक्षक नियुक्त करते हैं।

> क्यू० एल० ग्रोवर प्रशासनिक ग्रिधकारी (स्था०)

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110001, दिनांक 1 मितम्बर 1979

सं० भ्रो० दो० 1045/76-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर वी० दलीप मूर्ती, तदर्थ रूप में नियुक्त विकित्सा श्रिधिकारी 19वीं बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल का त्यागपत्र दिनांक 16-8-79 पूर्वाह्न से स्वीकृत कर लिया।

सं० ओ० दो० 284/69 स्थापना—श्री के० एम० सुब्बा उप पुलिस ब्रश्चीक्षक पुप केन्द्र केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली 92 दिन का सेवा निवृत्ति श्रवकाण 1-8-79 से 31-10-79 तक के समाप्त होने पर इस दल से 31-10-79 (श्रपराह्न) को सेवा निवृत्ति हो जाएंगे।

सं० ग्रो० दो० 1234/75—स्थापना—श्री सी० के० भास्कर करूप ने उनके सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप उप-पुलिस ग्रधीक्षक, 3 सिगनल वाहिनी, के० रि० पु० बल के पद का कार्यभार 31-7-79 (श्रपराह्म) को त्याग दिया।

> ए० के० बन्धोपाध्याय सहायक निदेशक (प्रणासन)

भारतीय लेखा परीक्षा, लेखा विभाग कार्यालय महालेखाकार, कर्नाटका बंगलोर, दिनांक 9 श्रगस्त 1979

सं० स्था I/ए 4/79-80/431—महालेखाकार, इस कार्यालय के निम्न लिखित स्थायी/स्थानापन्न, प्रनुभाग प्रधिकारियों को उसके वरिष्ठों के बिना प्रतिकृल प्रभाव डाले, प्रगले प्रादेश जारी होने तक, लेखा प्रधिकारी के पद में, उस पद का कार्यभार ग्रहण करने का दिनांक से केवल श्रस्थायी रूप में पदोन्नत करते हैं।

सर्वश्री,

- 1 एफ० एस० गणेशन्,
- 2. एल० सीताराम ।

ये पदोक्षत सन् 1978 के सर्वोच्च न्यायालय के लेख याचिका नं० 4367 के म्रंतिम नतीजों के म्रधीन रहते हैं।

> एम० के० सौन्दररावन् वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश, ग्वालियर, दिनांक 22 श्रगस्त 1979

सं० स्थापना-1/238—महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश ने निम्न लिखित स्थाई श्रनुभाग श्रधिकारियों को, स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी के पद पर बेतनमान रूपये 840—40—1000—द० श्र०— 40—1200 में उनके नाम के श्रागे दर्शाये गये दिनांक से पदोन्नत किया है:——

#### सर्वश्री≔–

- बी० एल० सुदेले (02/0251) 28-7-79 पूर्वाह्न
- 2. म्रार० पी० परमाई (02/0252) 27-7-79 पूर्वाह्म
- जवाहर लाल पुत्र (02/0253) 27-7-79 पूर्वाह्न श्री रामस्यरूप

झु० च० साहू, वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

कार्यालय: निदेणक लेखापरीक्षा वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध नई दिल्ली, दिनांक 1 सितम्बर 1979

सं० प्र० I/105—हस संगठन के निम्नलिखित लेखापरीक्षा प्रधिकारियों की 2/6/79 से लेखापरीक्षा प्रधिकारियों के संवर्ग में मूल पद पर स्थायी रूप से नियुक्ति की जाती है :—

ऋम सं०

नाम

मर्वश्री

- ा जी० सी० गुप्ता, लखा परीक्षा ऋधिकारी।
- 2. एम० आर० सहगल, लेखा परीक्षा श्रधिकारी।
- एस० पी० तलवाड़, लेखा परीक्षा भ्राधिकारी ।
- 4. एम० एम० राय, लेखा परीक्षा श्रिधकारी ।

ह० मपठनीय निदेशक लेखा परीक्षा

सरकारी व्यय भाषोग नई दिन्ली, दिनांक 17 भ्रगस्त, 1979

सं० 1(4)-ए/सी० पी० ई०/79—वित्त मंत्रालय, क्ष्यय विभाग (रक्षा प्रभाग) से स्थानांतरण होने पर रक्षा लेखा विभाग के लेखा प्रधिकारी, श्री प्रार० एल० बग्गा को, जो रक्षा प्रभाग में प्रमुभाग अधिकारी (संवर्ग बाह्य) के रूप में कार्य कर रहे थे, 30 जृत 1979 के दोपहरबाद से श्रगले श्रादेण होने तक, मरकारी व्यय श्रायोग में मामान्य प्रतिनियुक्ति की शर्तों के श्राधार पर 700—1300 रुपये के वेतनमान में श्रनुसंधान श्रिधकारी नियुक्त किया गया है।

यू०एस०टेकचन्दानी अवर सचिव (प्रशा०) सरकारी ध्यय आयोग

# कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा

#### रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-110001, दिनांक 1 सितम्बर 1979

मं० 2722/ए प्रशासन/139/79--- निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं, ग्रधीनस्थ लेखा सेवा के स्थाई श्री पी० पी० सेठी की लेखा परीक्षा ग्रधिकारी, रक्षा सेवाएं जलन्धर के कार्यालय में दिनांक 21-8-79 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न लेखा परीक्षा ग्रधिकारी के रूप में, श्रगले श्रादेण पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करने हैं।

> के० बी० दाम भीमिक, संयुक्त निदेणक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाए

#### रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक नई दिल्ली-22, दिनांक 16 श्रगस्त, 1979

सं० 44016(1)/73-प्रणा-I---राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के निम्नलिखित मधिकारी को, उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रणासनिक ग्रेड के प्रवरण ग्रेड (६० 2000-125/2-2250) में, भ्रन्तरिम उपाय के रूप में, भ्रागामी भ्रादेण पर्यन्त, उनके नाम के समक्ष लिखी तारीख से स्थानापम के रूप में कार्य करने के लिए, तदर्थ ग्राधार पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं:---

नाम

पदोन्नति की तारीख

श्री एस० एस० शुक्ला

20-12-1978 (पूर्वाह्न)

#### दिनांक 22 भगस्त 1979

सं० 86016(16)/78-प्रशा० I → राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित श्रिधिकारियों को उक्त सेवा के किनष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (२० 1500 – 60 – 1800 – 100 – 2000) में, श्रागामी श्रादेण पर्यन्त, उनके नाम के समक्ष लिखी तारीख से स्थानापन्न के रूप में कार्य करने के लिए, सहर्ष नियुक्त करते हैं :-

(1) श्री विश्वजीत बनर्जी 20-7-79 (पूर्वाह्न)

(2) श्री जी०सी० भण्डारी 23-7-79 (पूर्वाह्न)

(3) श्री मलकीत सिंह 25-7-79 (पूर्वाह्न)

(4) कुमारो सोमी टंडन 5-7-79 (पूर्वाह्न)

म्रार० एल० वक्ष्मी रक्षा लेखा भ्रपर महानियंत्रक (प्रशासन)

वाणिज्य, नागरिक भ्रापूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय (वाणिज्य विभाग)

> मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 27 श्रगस्त 1979 श्रायात-निर्यात ध्यापार नियंत्रण

# (स्थापना)

सं० 1/2/79-प्रशासन (राज)/6466-राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग के स्थायी अधिकारी, श्री जे० पी० सिंघल को दिनांक 30-4-79 से 5-7-79 तक की मुश्रीध के लिए इसी सेवा के वर्ग I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए निमुक्त करते हैं।

2. राष्ट्रपति, श्री सिंघल को पूर्वोक्त ग्रविध के लिए मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात के कार्यालय में उप-मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 31 ग्रगस्त 1979

सं० 6/644/61-प्रशासन (राज)/6593-संयुक्त मुख्य नियंत्रक, भायात-निर्यात के कार्यालय बम्बई में नियंत्रक, भायात-निर्यात श्री एम० डी० नदकरणी का विनांक 24-7-79 को निश्चन हो गया।

> सी० एस० श्रार्य, उप-मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात, **कृते** मुख्य नियंत्रक

#### उद्योग मंत्रालय

# श्रीद्योगिक विकास विभाग

विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 9 ग्रगस्त, 1979

सं० ए-19018(53)/73--प्रशासन (राजपन्नित)--कुमारी एस० रोहिणी ने दिनांक 17 जुलाई, 1979 (प्रपराह्न) से लबु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास के सहायक निदेशक, ग्रेड-<sup>I</sup> (ग्रार्थिक ग्रन्वेषण) (भारतीय श्रर्थ सेवा, ग्रेड IV), पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए-19018(389)/79-प्रशासन (राजपित्रत)—-राष्ट्रपति जी, श्री एम० बी० जयकुमार को दिनांक 13 जुलाई, 1979 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेश तक, अधु उद्योग सेवा संस्थान, कटक में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (यांत्रिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19018(412)/79-प्रशासन (राजपित्रत)—-राष्ट्रपित जी, श्री केशव राम शर्मा को दिनांक 12 जुलाई, 1979, (पूर्वाह्न) से ग्रगले ग्रावेश तक, लबु उद्योग सेवा संस्थान इंदौर में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (यांत्रिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 17 भगस्त 1979

सं० ए-19018/439/79-प्रणासन (राजपन्नित)—राष्ट्र-पति जी, श्रा रिव प्रकाण सिह्ना, भारतीय प्रणासनिक सेवा (ए० एम० 1965) को दिनांक 1 ध्रगस्त, 1979 (पूर्वाह्न) से विकास ध्रायुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय, नई दिल्ली में संयुक्त विकास भ्रायुक्त के रूप में नियुक्त करते हैं।

# दिनांक 18 श्रगस्त 1979

सं० ए-19018(403)/79-प्रणामन (राजपन्नित)-राष्ट्र-पति जी, श्री श्रार० एन० दास को दिनांक 6 जुलाई, 1979 (पूर्वाक्ष) से झगले झादेश तक लघु उद्योग सेवा संस्थान, मुजफ्करपुर में सहायक निदेशक, ग्रेड I (धातुकर्म) के रूप में नियुक्त करते हैं। सं० 12(444)/64-प्रशासन (राजपित्रत्त)—-राष्ट्रपित जी, श्री बी० एस० चड्डा, स्थाई लघु उद्योग संवर्द्धन ग्रधिकारी तथा विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग), नई विल्लो के कार्यालय में स्थाना-प्रभ उप निदेशक (श्रीद्योगिक प्रबन्ध एवं प्रशिक्षण) को निवर्तन की श्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31 जुलाई, 1979 (श्र्यराह्न) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त होने की श्रनुमित प्रदान करते हैं। महेन्द्र पाल गुप्त, उप-निदेशक (प्रशासन)

# पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन ध्रनुभाग-1) नई दिल्ली, दिनांक 24 ध्रगस्त 1979

सं० प्र-I/(991)—पूर्ति तथा निपटान निर्देशक बस्बई के कार्यालय में स्थायो सहायक निदेशक ग्रेड II, श्री एस० के० देसाई निवर्तमान धागु होने पर दिनांक 31-7-79 (प्रपराह्म) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

कृष्ण किशोप उप-निदेशक (प्रणासन) कृते महानिदेशक

# (प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 1 सितम्बर 1979

स० ए-17011/154/79-प्र-6---महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने जमसेदपुर निरीक्षणालय में भण्डार परीक्षक (ऐसेइंग) श्री पी० एन० मिश्रा को 9 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्म से तथा आगामी श्रादेशों के जारी होने तक गणेपुर निरीक्षणालय में सहायक निरीक्षण श्रधिकारी (धातु-रमायन) के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० ए-17011/155/79-प्र०-6— महानिवेणक, पूर्ति तथा निपटान में जमशेदपुर निरीक्षणालय में भंडार परीक्षक (ऐसेइंग) श्रीमती जे०पी० ऐलनंचरी को दिनांक 5-7-79 के श्रपराह्न से ग्रीर ग्रागामी ग्रादेशों के जारी होने तक उसी निरीक्षणालय में सहायक निरीक्षण ग्रधिकारी (धातु-रसायन) के रूप में स्थानापन्न रूप से तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया है।

> पीं० डी० संठ, उप निदेशक (प्रशासन) जुते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात ग्रीर खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कशकता-700016, दिनांक 27 ग्रगस्त 1979

सं० 5285 बी ए-32014(1-सहायक भूवैज्ञानिक)/78-19 ए---भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक श्री बी० सुन्दरम की सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के वेतदमान में, स्थानापन्न क्षमता में, ग्रागामी भादेश होने तक 27 जनवरी, 1979 के पूर्वाह्म से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

> र्बाः एस० क्रुडणस्वार्माः महानिदेशक

#### भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 23 ग्रगस्त 1979

सं० सी० 5544/707--निम्निलिखित ग्रधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से भारतीय सर्वेक्षण विभाग में ग्रधि-कारी सर्वेक्षक (ग्रुप 'बी') के पद पर 650-30-740-35-810 -द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के वेतनमान में पूर्णतः तदर्भ ग्राधार पर ग्रनंतिम रूप से नियुक्त किया जाता है:--

क्रमांक	नाम तथा पव	यूनिट/कार्यालय	तारीख
ङ्	ो ए० बी० राय ाफ्टसमैन डिवि० सिले० ग्रेड	सं० 66 (ए० सी० सी० एम०) पार्टी (सर्वे० हवाई) नई दिल्सी	
	िश्रो०पी० गुप्ता विक्षकसिले० ग्रेड न		3 मार्घ, 1978 (पूर्वीह्म)
	ी एस० बरोभेया विक्षक सिले० ग्रेड		19 जून, 1979 (झपराह्म)

के० एल० खोसला मेजर-जनरल, भारत के महासर्वेक्षक (नियुक्ति प्राधिकारी)

# राष्ट्रीय **ग्रभिसेखा**गार

नई विस्सी-1 पिनांक 4 सितम्बर 1979

सं० एफ० 15-8/78-ए-I---प्रभिलेख निदेशक, भारत सरकार एतद् द्वारा निम्नलिखित (श्रेणी-2 राजपद्वित) नियमित मस्थार्य

प्रधिकारियों को उनके नाम के सामने दिखाई गई तारीखों से मूल हैसियत पर नियुक्त करते हैं।				
हम नाम हे०	पदनाम	मूल नियुक्ति की तारीख		
1. श्री सी०पी० मेहरा	वैज्ञानिक ग्रिधिकारी	श्री पी० सी० मजूमदार स्थायी वैज्ञानिक श्रीध- कारी के सेवा निवृक्ष होने पर उनके स्थान पर दिनांक 14-3-74 से		
2. कु० शोभा बसु	माइक्रोफोटो- ग्राफिस्ट	श्री एन० श्रार० श्रार० चारी, स्थायी भाइको-फोटोग्राफिस्ट के पृष्टि-करण होने पर श्रीभ-लेख सहायक निदेशक (परि०) के स्थान पर दिनाक 31-12-75 से।		
3. श्री झोम प्रकाण भूगरा	-तदेव-	संस्कृति विभाग सं० एफ० 5-69/76-सी० ए० ग्राई०(2) विनांक 23-9-77 द्वारा पव परिवर्तित होने के स्थान पर विनांक 23-9-77 से ।		
4. श्री सैयद मो० रजा बांकर,	श्रभिलेखा- धिकारी (थ्रोरियन्टल रिकार्डस)	श्री ए० डी० खान, स्थायी ध्रभिलेखाधि- कारी (ध्रोरियन्टल रिकार्डम) सेवा निवृत्त होने पर उनके स्थान पर दिनांक 1-6~76 से।		
5. भी जे० ए० चिश्ति	भ्रभिलेखा- धिकारी, (भ्रो० रि०)	श्री जें श्वार गुप्ता, स्थायी श्वभिलेखा- धिकारी (श्वो रि०) सेवा निवृत्त होने पर उनके स्थान पर दिनांक 1-6-1976 से ।		
e. डा∘ सरवत ग्रन्ती	<b>⊢्सवैष</b>	श्री के० एस० घरोड़ा (स्थायी ग्रभिसेखा- धिकारी (ग्रो० रि०) के पुष्टिकरण होने पर धिमसेख सहायक निदेशक (ग्रो० रि०) के स्थान पर दिनांक 7-7-77 से।		

ऋ∘ सं∘	नाम	पदनाम	मूल नियुक्ति की तारोख
7.	श्री कबीर कौसर		श्री ग्रार० ग्रार० ग्रग्न- वाल, स्थायो श्रभि- लेखाधिकारी (ग्रो० रि०) के सेवा निवृत्त होने पर उनके स्थान पर दिनांक 21-10-78 में।
			भोम सेन कालड़ा प्रशासन ग्रिधिकारी राष्ट्रीय ग्रिभिलेखागार कृते ग्रिभिलेख निदेशक

# स्वास्ध्य सेवा महानिष्रेशालय

नई विल्ली दिनांक 29 ग्रगस्त, 79

सं० ए० 31013/5/77-(एच० क्यू०) प्रभासन--I-राष्ट्रपति ने श्री जे० एस० मंजुल को 29 जून, 1976
से केन्द्रीय स्वास्थ्य शिजा बर्गें, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय
में उप सहायक महानिदेशक (स्कूल स्वास्थ्य शिक्षा) के स्थाई
पद पर स्थाई ग्राधार पर नियुक्त किया है।

# दिनांक 1 सितम्बर, 79

सं॰ ए॰/12026/20/79-प्रशासन-I-- राष्ट्रपति ने शा॰ नरेश चन्द्र संगल की 1 भगस्त, 1979 के पूर्वाह्न् से भगामी मादेणों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में कनिष्ठ स्टाफ मर्जन (दन्त) के पद पर तदर्थ शाधार पर नियुक्त किया है।

केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नई दिल्ली में कनिष्ठ स्टाफ सर्जन (दन्त ) के पद पर भगनी नियुक्ति होने के फलस्वरुप डा० नरेश चन्द्र संगल ने 1 भ्रगस्त, 1979 के पूर्वीहन से डा० राम मनोहर लॉहिया ग्रस्पताल, नई दिल्ली से बन्स सर्जन के पद का कार्य भार छोड़ दिया है।

शाम लाल कुठियाला, उप निदेशक

कृषि भौर सिचाई मंत्रालय (ग्राम विकास विभाग) विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीवाबाद, विनांक 30 श्रगस्त 1979

सर्व ए० 19025/65/78-प्रवाध--- सहायक विपणन प्रधि-कारी (वर्षा) के पदों पर निम्नलिखित प्रधिकारियों की ग्रस्पकासीन नियुक्ति को 31 प्रगस्त, 79 तक बढाया गया है:--

सर्वश्री

- प्रार० एस० सिंह
- 2. बी० एन० के० सिन्हा

सर्वश्री

- 3. ए० एन० राव
- 4. श्रार० वी० एस० यादव
- 5. एम० पी० सिंह
- 6. एच० एन० राय
- 7. डी० एन० राव
- 8. एस० पी० शिन्दे
- 9. श्रा<sup>ए</sup>० सी० मुंशी
- 10. कं० के० तिवारी
- 11. एस० के० मिलक
- 12. एस० डी० काथलकर
- 13. श्रार० के० पांडे
- 14. एम० जे० मोहन राय
- 15. के० के० सिरोही
- 16. श्रीमती भ्रनुसूया शिवराजन
- 17. वी० ई० इडविन
- 18. एस० पी० सक्सैना
- 19. एन० जी० शुक्ल
- 20. ग्रार० सी० सिंघल
- 21. एच० एन० शुक्ल
- 22. कें० जी० वाघ
- 23. एस० सूर्यनारायण मूर्ति
- 24. वी० एल० वैराघर
- 25. एस० ग्रार० गुक्ल
- 26. एम० सी० बजाज
- 27. एन• एम० येलापति राव
- 28. के० जयनन्दन
- 29. सी० एम० गिरधर
- 30. एस० ए० शमसी
- 31. एस० एस० म्नार० शर्मा

बी० एल० मनिहार, निदेशक प्रशासन कृते कृषि विपणन सलाहकार

# परमाणु उर्जी विभाग

नरौरा परमाणु विश्वुत परियोजना नरौरा, दिनांक 1 सितम्बर 1979

सं० न० प० वि० प० | प्रशासन | 1 (149) | 79-एस | 10060--- नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परि-योजना ग्राभियन्ता, सिविल ग्राभियन्तण समूह, कलपक्कम के स्थानापन्न वैज्ञानिक ग्राधिकारी | इंजीनियर ग्रेड एस० बी०, श्री एच० गनेशन को नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में वैज्ञानिक ग्राधिकारी | इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पद पर 16 ग्रामस्त, 1979 के पूर्वान्ह से स्थानापन्न रूप में, ग्राग्रिम ग्राधेशों तक के लिए नियुक्त करते हैं।

योजना में वैज्ञानिक श्रिधकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पद पर 16 श्रगस्त, 1979 के पूर्वाह्व से स्थानापन्न रूप में, श्राग्रम श्रादेशों तक के लिये नियुक्त करते हैं।

> एस० कृष्णन, प्रणासन ग्रधिकारी कृते मुख्य परियोजना **ग्रभि**यन्ता

# कय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 3 अगस्त 1979

सं० डी० पी० एस०/23/9/77~—स्थापन निदेशक, क्रय एवं भंडार निदेशालय परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री पी० नाराणन् कुट्टी को श्रवकाण स्वीकृत होने के कारण इस निदेशालय के श्रस्थायी क्रय सहायक/श्री श्रार० के० व्यास को स्थानापन्न रूप से सहायक क्रय श्रधिकारी पद पर रूपये 650-30-740-35-810 द० रो० 35-1000 द० रो० 40-1200 के वेतन क्रम में दिनांक 11 जून, 1979 से 28 जुलाई, 1979 तक तदर्थ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

सं० डी० पी० एस० 23/9/77—स्थापन निदेशक, ऋय एवं भंडार निदेशालय परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री एस० पी० आनन्द को श्रवकाश स्वीकृत होने के कारण इस निदेशालय के श्रस्थायी भंडारी श्री एन० सी० भटनागर को स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार श्रीधकारी पद पर रुपये 650—30—740—35—810 द० रो० 35—1000 द० रो० 40—1200 के वेतन ऋम में दिनांक 4 जून 1979 से 7 जुलाई, 1979 तक तदर्थ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

सी०बी० गोपालकृष्णन, सहायक कार्मिक अधिकारी

# (परमाणु खनिज प्रभाग)

हैंदराबाद-500016, दिनांक 27 ध्रगस्त 1979

सं० प० ख० प्र-1/29/78-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्बारा श्री राम शुमार शर्मा को 13 जुलाई, 1979 की पूर्वाहन से लेकर ग्रगले ग्रादेश होने तक परमाणु खनिज प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक श्रीधकारी/ग्राभियन्ता ग्रेड 'एस, बी' नियुक्त करते हैं।

> ए० एस० राव,-वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

#### तारापुर परमाण् बिजलीघर

टी॰ ए॰ पी॰ पी॰ 401504, दिनांक 29 भ्रगस्त 1979

सं० टी० ए० पी० एस०/1/19/(3)/76-प्रार—-मुख्य प्रधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री बाई० ग्रार० वेलणकर की सहायक लेखा ग्रधिकारी के रूप में तदर्थ नियुक्ति को विनांक 1--8-79 से 16--8-79 तक की श्रवधि के लिये बढ़ाते हैं।

ए० डी० देसाई मुख्य प्रशासनिक ग्रधिकारी पर्यटन एवं नागर विमानन मंत्रालय (भारत मौसम विज्ञान विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 30 श्रगस्त 79

सं० स्थापना (1) 00954—मौसम विज्ञान के महा-निदेशक डा० तुफैल ग्रहमदखां को भारतीय मौसम विज्ञान सेवा समूह 'ख' (केन्द्रीय मिविल सेवा समूह (ख) में दिनांक 14 जून, 1979 से ग्रागामी ग्रादेशों तक ग्रस्थाई महायक मौसम विज्ञानी के रूप में नियुक्त करते है।

> गुरुमुखराम गुप्ता (निदेशक) कृते मौसम विज्ञान के महा निदेशक

महानिवेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 3 सितम्बर 1979

सं० ए० 32013/2/79-ईसी----महानिदेशक नागर वि-मानन ने श्री पी० एन० शर्मा, संचार सहायक, वैमानिक संचार स्टेशन पालम को दिनांक 30-7--79 (पूर्वाह्नन) से तदर्थ ग्राधार पर सहायक संचार ग्रधिकारी के रूप में नियुक्त किया है हूँ और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है। यह नियुक्ति श्री सी० एल० खेरा, सहायक संचार अधिकारी के स्थान पर की गई है जिन्हें हिन्दी प्रशिक्षण के लिए नामजद किया गया है।

> एस० एन० मोतवानी विशेष कार्य ग्रधिकारी (ई०)

30 जून, 1979 को समाप्त होने बाली तिमाही।

# समाहर्तालय, केन्द्रीय उत्पाद शुरुक बम्बई-400020 दिनांक 27 श्रगस्त, 1979

सं० एस० टी०-1/1979-80—दिनांक 21-2-1976 से प्रवृत्त होने वाले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (सातवां संशोधन) नियम 1976 के नियम 232 ए के उप नियम (1) द्वारा मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषित किया जाता है कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा नमक ग्रिधिनियम 1944 की धारा 9 के प्रधीन न्यायालय द्वारा दोषी पाये गये व्यक्ति प्रथवा जिन पर ग्रिधिनियम की धारा 33 के अंतर्गत 10,000/-रुपये या इससे ग्रिधिक का ग्रर्थ-धंड दिया गया है, ऐसे व्यक्तियों के नाम, पते एवं भ्रन्य विवरण जो उप नियम (2) में निर्धारित हैं, निम्न प्रकार से हैं:—

I-कोर्ट के मामले

ध्रधिनियम के किन प्रावधानों का उल्लंधन किया गया पता वण्ड राशि कम संख्या व्यक्तिकानाम 1 शून्य-II-विभागीय न्यायनिर्णय ग्रधिनियम के प्रावधान दण्ड राशि धारा 33 के श्रंतर्गत श्रधिनियम क्रम उस व्यक्ति का नाम पता की ग्रथवा उसके ग्रंतर्गत न्यामनिर्णित शुल्केय सं० जिस पर प्रधिनियम की के धारा 34 बने नियमों का उल्लं-धारा 33 के भ्रंतर्गत माल का मूल्य जो जब्त श्रंतर्गत जब्ती के घन किया गया। श्रधिकारी द्वारा 10,000/-किया जाना है। स्थान पर ग्रर्थ दण्ड की राशि रुपये का इससे ग्रधिक का ध्रर्थ-दण्ड दिया गया है। 5 7 बेर्स्टन इंडिया सर्वभी स्प्रिंग एण्ड मैन्य् कं० दत्ताराम लाड् पर्था, नियम 173एफ, 173 र०1,00,000∤- र०7,\$1,299.00 लि० काला चौकी, बी के साथ पठित नियम बम्बई-4000331 9(1),9ए खेतान इंडस्ट्रियल नियम 9 (1) के साथ 2. सर्वश्री सुवर्ण प्रोसेसर्स कंपाउन्ड पठित नियम 173, 173जी (1), नियम 52ए के साथ पठित रू**01,000/**-**▼**○1,22,849.38 ₹020,500.00 173जी (2), नियम 53 रु० 10,000/-व 226 के साथ पठित

नियम 173 जी (4)

कु० श्री विलीप सिंह्य जी समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद मुल्क, बम्बाई-1 पुणें, दिनांक 30 अगस्त, 1979

सं० १के० उ० गुल्क पुणें/79—दिनांक 31-12-78 को समाप्त तिमाही के लिए, केन्द्रीय उत्पादगुरूक तथा लवण मिधिनियम 1944 की धारा 33 में उल्लिखित मिधिकारी द्वारा पता लगाए गए निर्धारित, जिन्होंने केन्द्रीय उत्पादगुरूक नियमों की व्यव-स्थाम्रों का उल्लंघन किया है और जिन पर उपरिनिदिष्ट मिधिकारी द्वारा रुपये दस हजार भणवा उस से ज्यादा दंड लगाया गया है, ऐसे निर्धारितयों के नाम, पने तथा मन्य व्योरे दिखलाने वाला विवरण:—

क्रम निर्धारितियों संख्या	के नाम तथा पते	साक्षेदारो	ांके नाम	नियमों की व्यवस्थाएं जिनका उल्लेशन हुमा
1	2		3	4
	कं 5 यत्न एरिया पुणें-41 कजिंग इंडस्ट्री 185	(2) % 1926 (3) %	ो चंडिराम छोट्रमल ग्रस् ग्री ग्रानील चंडीराम ग्रस्ता राजू चंडीराम ग्रसता ग्री विजय बाबासाहेब प	तानी नियम 9 (1) के साथ पठित नियम नी 173म (1) (2) नियम 173भ, नियम 52 के साथ पठित 173छ(1) 173(छ) (2) तथा नियम 53 के साथ पठित नियम 173छ-4 उपर्युक्त केन्द्रीय उत्पादशुल्क नियमों का उल्लंखन कर के 1974-75 तथा 1975-76 में कमशः रुपए 4,09,425-11 और रुपये माल की निकासी की तथा रुपये माल की निकासी की तथा रुपये 1,90,824-84 के उत्पादशुल्क की उपवंचना की। टील केन्द्रीय उत्पादशुल्क नियम1944 के नियम 9
लगाए गए दंड की	जब्स किए गए	जब्सी के संबंध में		भ्रभ्युक्तियां
राशि	माल का उत्पाद- श्रुल्क योग्य मूल्य	यदि कोई वंश स- गाया गया तो वह राशि		
5	6	7		8
रुपये	<b>स्प</b> मे	इपये		
40,000/-	1905/-	5 0 <b>0/-</b>		था सीमामुल्क पुणें के समाहर्ता द्वारा दिनांक 30-5 रावेश सं० (53) 15-28/न्याय निर्णयन/76 पास
20,000/-	3565-/	1909/-		तथा सीमाणुल्क पुणें के समाहर्ता द्वारा दिनांक 26− प्रादेश सं∘ (68)15−221/न्याय निर्णयन/76 पास एच०एम०सिक्व

एच० एम० सिक्ष् भमाहर्ता, केण्ड्रीय उत्पादशुरुक तथा सीमाशुरुक पुणें

#### नारकोटिक्स विभाग

ग्वालियर, दिनांक 31 श्रगस्त 1979

कम० संख्या 1 ---स्टोर्ग आफिसर नियुक्ति होने पर श्रीनुन्ना वेन्कटाचरुलू ने 20 जूँन को पूर्वाहन में 650-30-740-35-810-द० ग्र० -35-880-40-1000 द० ग्र०-40 1200 के स्केल में शासकीय भफीम एवं भएकालाईड वर्क्स ग्रन्डर टेकिंग, नीमच में स्टोर्स श्राफीसर ग्रुप 'ब' के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

कम संख्या 2 — रिमर्च प्राफीसर की नियुक्ति होने पर श्री मिन्तला वेंकटा रामाराम ने 22 जून के पूर्वाहन में ६० 650-30-740-35-810-द० ग्र०-35-880-40-1000- द० ग्र०-40 1200 के स्केल में शासकीय ग्रफीम एवं ग्रस्कालाईड वर्क्स ग्रन्डरटेंकिंग, नीमच में रिसर्च ग्राफीसर ग्रुप 'ब' के पद का कार्यभारसंभाल लिया है।

> बी० टी० काले, मुख्य नियम्ब्रक

# केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110022 दिनांक 27 भ्रगस्त 1979

सं० 6/5/78-प्रशा० 2— प्रष्ठपक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिक्ष करण एतव्वारा निम्नलिखित तकनीकी सहायक पर्यवेक्षकों को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (श्रेणी-2) सेवा में अतिरिक्त सहायक निदेशक सहायक श्रीभयंता के ग्रेड में उनके नामों के सामने दी गई तिथियों के श्रन्य श्रादेश होने तक स्थानापन्न तौर पर नियुक्त करते हैं —

1. श्री नवीन सेठ, तकनीकी सहायक

3-5-79

2. श्री विजय पाल, पर्यवेक्षक

23-7-79

3. श्री कें ० एल ० भूगडा, पर्यंबेक्षक

7-8-79

दिनांक, 30 भ्रगस्त 1979

सं० 6/2/79-प्रशा-2—प्राध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधि-करण एतद्द्वारा श्री जी० सी० ढौडियाल, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय इंजीनियरी (श्रेणी-2) सेवा में ध्रतिरिक्त सहायक निदेशक/ सहायक अभियंता ग्रेड में 20-7-79 से श्रन्य श्रादेश होने तक स्थानापन्न तौर पर नियुक्त करते हैं।

> मंतोष विश्वास, श्रवर सचिव

#### उत्तर रेलवे

#### प्रधान कार्यालय बड़ौदा हाउस

नई दिल्ली दिनांक 30 श्रगस्त 1979

संख्या-15—श्री डी० के० टंडन, भारतीय रेलवे सेवा यान्त्रिक इंजीनियरिंग विभाग के एक ग्रधिकारी ने दिनांक 30-4-79 उपराह्न से रेल सेवा से स्याग पत्न दे दिया हैं। ग्रार० के ० नटेसन, महाप्रबन्धक विधि, न्याय श्रीर कम्पनी कार्य मन्त्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बालाजी कारगा मूबरस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

बंगलोर, दिनांक 6 श्रगस्त 1979

सं० 3184/560/79—कम्पनी श्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती हैं कि इन तारीख से तीन मास के अवसान पर बालाजी कारगौ मूचरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उकत कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और कावेरी चिट फल्ड्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

#### बंगलीर, दिनौंक 27 अगस्त 1979

सं० 1779/560/79—कस्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख में तीन मास के श्रव-सान पर कावेरी चिट फन्डूम श्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशांत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० टी० गजवानी कम्पनियों का रजिस्ट्रार कर्नीटक

कम्पनी अधिनियम 1956 और केजरीवाल कामर्शियल लिमिटेड के विषय में।

#### कानपूर, दिनांक 25 ग्रगस्त 1979

सं० 9734/2945 एल० सी०—- प्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के भवमान पर केजरीबाल कामाणियल कारपोरेशन प्रा० िक का नाम इसके प्रतिकृल का कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

एस० नारायण, रजिस्ट्रार ऑफ कम्पनीज यू० पी० कानपुर

कम्पनी अधिनियम 1956 दी प्रौग्रैसिव कॉम रन्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

हैदराबाद दिनांक 29 ग्रगस्त 1979

मं० 407/टी/560---कम्पनी ग्रिधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के भ्रवसान पर प्रोग्ने-सिव कांसरन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इस का प्रतिकृत कारण दिणत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा भ्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 दी ग्लोब एक्सपोर्ट प्रमोटर्स लिमि-टेड के विषय में ।

है दराबाद, दिनांक 29 श्रगस्त 1979

सं० 2425टी 560 (5)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतव्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि ग्लोध एक्सपोर्ट प्रमोटसें लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट विया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

वी० एस० राजु, कम्पनियों का रजिस्ट्रार आन्ध्र प्रदेश

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में एवं मैसर्स विलास-पुर पेपर एन्ड बोर्ड मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के मामले में।

ग्वालियर, दिनांक 31 श्रगस्त 1979

सं०/1075/वी० एस० वाय०/2906--कम्पनी स्रधि-नियम, 1956 की उपधारा (3) के म्रंतर्गत एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाणन के दिनांक से तीन माह की समाप्ति पर मैसर्स विलासपुर पेपर एन्ड बोर्ड मिल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम यदि इसके विषद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रजिस्टर में काट दिया जायेगा एवं कम्पनी समाप्त हो जायेगी।

> सुरेन्द्रफुमार सक्सेना, कम्पनी रजिस्ट्रार मध्य प्रवेश, ग्वालियर

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले और जनता वर्क्स प्राईवेट लिमिटेड के मामले में।

बम्बई, दिनांक 31 श्रगस्त 1979

सं० 10956/219—सिविल श्रंजी सं० — से से से स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 29-11-78 के धावेश द्वारा अनता वक्सं प्राइवेट लिमिटेड का परिमापन करने का आदेश दिया गया है। (ह०) अपठनीय कस्पिनयों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और विशाल कील्ड स्टोरेज लि० के विश्वय में।

कानपुर, दिनांक 1 सिप्तम्बर 1979

सं० 10155/4095 एल०सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि विशाल कोल्ड स्टोरेज का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित कर दी गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कमल टाकीज प्रा० लि० के विषय में ।

कानपुर, दिनांक 3 सितम्बर 1979

सं० 10153/3705 एल० सी०--कम्पनी श्रिधिनियम
1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में
एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कमल टाकीज प्राइवेट
लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और
उक्त कम्पनी विषटित कर दी गयी है।

बी० डी० गुप्ता, रिजस्ट्रार आफ कम्पनीज यू० पी०, कानपुर प्रकृष भाई हो। एन । एस • ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के मधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सद्वायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज,

पूना, दिनांक 25 जुलाई 1979

निदेश सं० सी० ए० 5/एस० आर० जलगांब/अप्रैल-79/455 ——यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी ,

जायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'चक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-द॰ से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 2679/46 है तथा जो जलगांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जलगांव में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 27-4-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए धन्तिरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है भीर धन्तरिक (अन्तरिकों) भीर धन्तिरिती (धन्तिरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तक खप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसो माय या किसी धन या मन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए बा, जिनाचे में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त मिश्रिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त मिश्रिनियम की घारा 269-म की उप-धारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों अर्थात्।-- (1) श्री दगडूलाल लक्ष्मनदास पारेख, बालाजी पो०, जलगांव।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री तुकाराम हरी भोले, जिला पो०, जलगांव, 2. श्री लक्ष्मन हरि भोले, वरनगांव, तालुका भुसावल। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यश्राहियाँ करता हूं।

उन्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी प्राधीप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से
  45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर भूचमा
  की क्षामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि
  बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
  में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, घडोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर उक्त पर्दों का, को प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भने होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

खुली जगह ग्रौर उरुवो उपर का मकान जो सी० टी० एस० 2679/46 जलगांव में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल---214-09 स्ववे० मिटर है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रिमांक 913 दिनांक 27-4-79 को सब रजिस्ट्रार, जलगांव के दफ्तर में लिखा है)।

> श्रीमतो पी० ललवानी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूना

तारी**ख :** 25-7-1979. मो**ह**र : प्ररूप भाई० टी• एन० एस०---

ग्रायकर ग्रम्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के ग्रम्थीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर, 1979

भौर जिसकी सं० बी०-1/44 है तथा जो हीज खास, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29-12-1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरित (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखत में वास्तविक अप से कृषित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों का, 'अन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के सिए;

धतः, सब, उक्त समिनियम की धारा 269-ग के प्रनृतरण में, मैं, उक्त समिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के मधीन जिम्लिनियत व्यक्तियों ग्रावीत्:---  श्री राजिन्त्र कुमार कायस्था, पुत्र खाब्दया ग्रेकर, निवासी बी-1/44, होज खास, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री लिलत कुमार परख पुत्र श्री कान्तो कुमार परख, निवासी 944, मालीवाड़ा, स्ट्रीट, देहली।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्भन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब स किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्राधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक मंजला सकान नंश्बी-1/44, हौजखास, नई दिल्ली जिस का क्षेत्रफल 270 वर्ग गज है श्रौर जिसकी बौंडरी निम्नलिखित है:---

उत्तर : **ब**ी−1/31, 32 और 33

दक्षिण : रोड

पूर्व : प्लाट नं० बी-1/43-ए

पश्चिम : रोड़

कु० ग्रंजनी श्रौजा, मक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), ग्रर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्लो-1

तारीख: 4-9-1979.

भारत सरकार

कायां स्वयं, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज I, दिल्ली—1

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू०/I/एस० श्रार० III/
12-78/882:---श्रतः, मुझे, कु० श्रंजनी श्रीजा,
धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त धिविनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के धिवीन सक्तम शिक्षिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/६० से धिक है

श्रीर जिसकी सं ० डब्ल्यू ०/92 है तथा जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 19-12-1978 की

पूर्वोक्त सम्पति के उवित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है खौर धन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरितों (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धम्मरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में यास्त्रिक इन्त से काश्वत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई कियो आय की बाबत. उबत अधिनियम, के प्रवीन कर दैने के मन्तरक के दायिस्थ में कमी करन या उगा बबन में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी कियाय आय या किसी धन या बन्य धास्तियों का, जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रश्निनियम, 1922 (1923 का 11) या उक्त सिंधनियम, या धन-एए अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

अता भेज, उड़त अधिनियम, की धारा 269 व के अनुसरण में, में, उबत मधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के मधीन निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री रोशन लाल कवातरा पुत्न श्री भगत राम कवातरा निवासी 15---पू० बी०, जवाहर नगर, देहली। जरिये सी० ए० श्री प्रेम प्रकाश कवातरा।

(भ्रन्तरक)

2. श्री बाबा हरशरन सिंह भल्ला, पुन्न श्री हरबंस सिंह भल्ला केयर श्राफ मेंसरज बाबा हरबंस सिंह भल्ला एण्ड सन्ज, टिम्बर मरचंट, कोटला मुबारकपुर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांसा नमान के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचमा के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी धबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपल में अकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दोकरथः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पद्मों का, भी उक्त धिवियम, के भ्रष्टपाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा को उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ़ीहोल्ड जमीन का प्लाट जिस का नम्बर डब्ल्यू-92, स्थित ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्लो जिमको बौंडरी निम्नलिखित है:--

पूर्व : सरविस लेन

पश्चिम : रोड़

उत्तर : प्लाट नं० डब्स्यू - 88 दक्षिण : प्लाट नं० डब्स्यू ० ~ 94

> कु० श्रंजनी औजा, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज <sup>I</sup>, दिल्ली, नई दिल्ली⊷1,

तारीखा: 4-9-1979।

प्रकृप साईव टी • एन • एन • -----

आय तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प(1) के प्रधीन मुखना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज I, दिल्लो∽1

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यु०/I/एस० भ्रार्० III/12-78/855:--अतः मुझे, कु० भ्रंजनी श्रोजा,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खके अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सभ्यांस, जिसका उचित वाकार मूख्य 25,000/- द॰ से अधिक है

श्रीर जिसको सं० काश्ती भूमि है तथा जो गांव सतबड़ी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्लो में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 8-12-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम बृष्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्डह्व प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (भग्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िक्षि धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के धधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य मास्तियों, को जिन्हें भारतीय भाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, मा धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिर्तित हारा प्रकट नहीं किया क्या या या किया जाना चाहिए वा, डिपाने में सुविधा के लिए;

भतः प्रव, उक्ष्तः प्रधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, में, उक्ष्तं प्रधिनियम ही धारा 269-च की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्पिक्तमों, अर्थात् :---

 श्रीमती सुभन्ना ग्रामी चन्द पत्ति ग्रार० एस० श्रमी-चन्द निवासी शिमला, मारफत मुखत्यार श्रीमती विद्या सटोकस पत्ति श्री एल० सी० सटोकस, निवासी शिमला।

(अन्तरक)

 श्री ठाकर दास, पुत्र श्री किशन जन्द जरीये परवेश रिवन्द्र क० दरबारी लाल मारकीट, देहली।

(अन्सरिती)

को यह भूजना अधिकरक पूर्वाक्त सम्मात के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (प्र) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुवत शब्दों और पर्वोक्ता, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणिठ हैं, वहीं मंगे होना जो उस मध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

20 विद्या 12 बिसवा काण्तकारी भूमि स्थित गांव सतबड़ी, तेहसील मेहरौली, नई दिल्ली।

> कु० श्रंजनी औजा, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज <sup>I</sup>, दिल्ली, नई दिल्ली ⊢1

तारीखा: 4⊢9⊢1979.

प्ररूप भाई० टी० एन∙ एसः--

अराकर र्यावनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2699 (1) रु बधीत मुचना

भारत सरकार

कार्यों गा, उद्यान प्रायक्तर घापुणत (निरोक्षण) अर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक रोहतक, विनांक 31 प्रगस्त 1979

निदेश सं० एच० एन० एस०/3/78-79: अतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानियां,

भायकर प्रधिनियम, 1981 (1931 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाधर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मूह्य 25,000/- रु० से अधिक है

ष्मीर जिसकी सं० भूमि रकवा 3 कनाल 8 मरले हैं तथा जो भेरी प्रकबरपुर, तहसील हांसी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुभ्या में ग्रीर पूर्ण का से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रीधकारो के कार्यालय, हांसी में, रजिस्ट्रोकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त संगत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के निष्प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्ति से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिक्त में अधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियो) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए ध्य पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से बक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक छन से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बावत जकत खिलियम, के भ्रधीन कर देने के धन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उच्छे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किथी जाय या किथी घर वा अस्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, पाधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्लों में सुविधा के लिए;

यतः शव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269 म की उपचारा (1) के प्रधीन, निश्निशिक्त व्यक्तियों, यथात् :--

- सर्वश्रा बजरंग मोहन, रतांश मोहन, पुतान श्री राम स्वरूप, श्रहन कुमार, सतीश कुमार अलियास मुरेण कुमार, राजेब कुमार, अशोक कुमार पुतान श्री शाम सुन्दर निवासी हिमारमा बाजार, सिरसा (ग्रन्तरक)
- (1) श्रीमती कौशल्या देवी परिंन श्री जमना वास निवासी निकट प्रताप टाकीज, रोहतक।
  - (2) श्रीमती यशोदा रानी पत्नि श्री बलवन्त सिंह निकट डाकखाना, टोहाना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वॉक्त सम्मित के मर्जन के चिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त मंत्रति के प्रार्वन के संबंध में कोई भी धाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की भवधि या तस्त्रमंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (आ) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबद्ध किसी मन्य अपनित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास जिखित में किए जा सकेंगे।

श्यब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रिवित्यम के प्रध्याय 20-क मे परिभाषा है, वहीं मर्थ होगा, जो उस अध्यान वें दिना गरा

#### अनुसूची

सम्पत्ति भूमि रकबा 3 कनाल 8 मरले स्थित भेरी भ्रकबरपुर तहसील हांसी तथा जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता हांसी के कार्यालय में रजिस्ट्री कमांक 2030 निथि 18-12-1978 पर दर्ज हैं।

> रवीन्द्र कुमार पठानियां, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 31-8-1979.

प्रकृप आई० टी० एन० एस०--

मायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 क (1) के अधीन मूचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 31 धगस्त 1979

निदेश सं० एव० एन० एस०/2/78-79—-भ्रतः मुभ्रे, रवीन्त्र कुमार पठानियां,

आयकर यधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रश्चिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण

कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मृह्य 25,000/-ध्यये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि रकबा 3 कनाल 8 मरले है तथा जो भेरी श्रकबरपुर, तहसील हांसी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, हांसी में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908

का 16) के प्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को
पूर्वोकत समाति के उचित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान
पतिक ने निए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने
का कारण है कि प्रवापूर्वातत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकत्त से ऐसे दृश्यमान प्रतिकत्त का पश्चह
प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती
(अ तरितियों) के बीज ऐसे यन्तरण के लिए तय बाया गया
प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य में उस्त घम्तरण निव्यत में
बास्तिक का य तिवन नहीं किया गया है:—

- (क) प्रतारण से हुई किया प्राप्त की बार्गा, उक्त प्रिवित्त के प्रवीत कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमो करने या उपने बचन में सुविधा के लिए। ग्रीराया
- (ख) ऐसी किसी पाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारताय आपकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिषिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किथा जाना चाहिए या खिपाने में मुविधा किया;

अतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम, की बारा 268-ग के भनुसरक में; में, उक्त ग्रधिनियम, की बारा 269-च की उपबारा (1) के ग्राग्नीन निस्तीनिवत व्यक्तियों अर्थात्:—  सर्वश्री जगदीण मोहन तथा राजेन्द्र मोहन पुत्रान श्री बृज भूषन लाल निवासी शंकर निवास, तहसील रोड, हिसार।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सुदेश कुमार पुत्र श्री बलवन्त सिंह मरिया श्री करनैल सिंह पुत्र श्री लक्ष्मन सिंह मरिया नजदीक डाकखाना, टोहाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के मर्जा के लिए कार्यवाहियाँ करता हैं।

उनत संपत्ति के अर्तन के संबंध में कोई भी भाक्षीय :--

- (क) इस सूचना के राजप्य में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की खबछि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की प्रविष्ठ, जो मो अविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति शारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की वारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

ल्पकरिकरण:--इसमें प्रयुक्त गड़्यों छौर नदीं का जो उकत प्रधितियम के प्रध्याय 20-क में परिमाषित हैं, तहीं धर्च होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जन्सूची

घैर मुमिकन भूमि रकबा 3 कनाल 8 मरले जोिक भेरी ग्रकबरपुर, तहसील हांसी तथा जैसे कि रजिस्ट्रीकर्त्ता हांसी के कार्यालय में रजिस्ट्री ऋमांक 2029 तिथि 18-12-1978 पर दर्ज है।

> रवीन्द्र कुमार पठानियां, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 31-8-1979.

मोहरः

प्रात्प शाई• टी• एन• एस०———— आयकर प्रश्वितियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269थ(1) के भ्रधीत सूचना मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 31 मगस्त 1979

निदेश सं० एन० एच० एस०/4/78-79—ग्रतः मुक्ते, रवीन्द्र कुमार पठानिया,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पिस, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है-

श्रीर जिसकी संव सिनेमा बिल्डिंग "राज लक्ष्मी थियेटर" है तथा जो भेरी श्रकबरपुर (उकलाना) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हांसी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख विसम्बर, 1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिष्ठल के लिए धरतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिष्ठल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिष्ठल का पत्थह प्रनिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरितों (भन्तरितों) के बीत ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल निम्नलिखित उद्देश्य म उन्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण संहुई किसी बाय की बावत उनत प्रिधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे वचन में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी बन या भ्रग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, वा धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा धकट नहीं किया क्या या या किया जाना चाहिए का, छिपाने में सविभा के निए;

अतः अब, उक्त ग्रधिनियम की श्वारा 269म के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269म की उपग्रारा (1) के मजीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) 1. सर्वश्री जगदीश मोह्रन व राजेन्द्र मोह्रन, पुतान श्री क्रज भूषन लाल, श्रीमती लिलनी जगदीश मोहन, पत्नी श्री जगदीश मोह्रन श्रीमती सुशीला मोहन पत्नी श्री राजेन्द्र मोह्रन, निवासी शंकर निवास, तहसील रोड, हिंसार । 2. श्री राम स्वरूप वंसल पुत्र श्री राम कंवर श्रीमित सावित्री देवी पत्नी श्री राम स्वरूप श्री शाम सुन्दर, पुत्र श्री राम लाल श्रीमित सूरज देवी पत्नी श्री शाम सुन्दर निवामी हिमारिया बाजार, सिरसा।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. सर्वश्री रतन कुमार व राज कुमार पुन्नान श्री बलवन्त सिंह, मंजु ग्रोवर पत्नी श्री ईश्वर चन्दर धर्म ग्रोवर पत्नी श्री लाजपत राय हंस राज पुन्न श्री साधुराम नजदीक डाकखाना, टोहना।

2. श्री कुपाल णाह पुत्र श्री संत सिंह, ग्राम कादल कलां (कपूरथला) ।

 श्री रामजी दास पुत्र श्री मोहरी राम, डाकखाना टोहना ।

4. श्रीमती राज रानी पत्नी श्री सुन्दर कुमार ग्रहन मरिया पुत्र श्री विनोद कुमार मरिया निकट डाकखाना, टोहाना।

(भ्रन्तरिती)

की पर्युचना जारी करक पूर्वीशा सन्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त मंपत्तिके अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजरत में प्रकाणन की तारी स से 45 दिन की भवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचमा की तामील से 30 दिन की भवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकींगे।

हपब्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पड़ों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रब्याय 20-क में परि-भावित हैं, वहीं धर्ष होगा, को उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अमुसुची

सम्पत्ति सिनेमा बिलिंडिंग "राज लक्ष्मी थियेटर" स्थित भेरी अकबरपुर (उकलाना) तथा जैसे कि रजिस्ट्रीकर्त्ता हांसी के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2031 तिथि 18-12-1978 पर दर्ज हैं।

> रवीन्द्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, रोहतक

तारीख: 31-8-1979

मोहरः

3-246GI/79

प्रकप बाई॰ टी॰ एन॰ एत॰---

भार कार मियाम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के असीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, बहायक मायकर मायुक्त (निरीकण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 31 ग्रगस्त 1979

निदेश सं० एच० एन० एस०/ 2 से 4/78-79---श्रतः मुझे, रबीन्द्र कुमार पठानियां,

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ककीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है । इस्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 25000/- क्पए से शिक है

श्रीर जिसकी सं० सिनेमा बिलर्डिंग तथा भूमि रक्षबा 6 कनाल 16 मरले हैं तथा जो मेरी श्रकबरपुर (उकलाना) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हांसी में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रति-कस के लिये प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत प्रक्षिक है भीर प्रन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया क्यां प्रतिकत्न, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में बाहाबिक क्य से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई निसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के धन्तरक के रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविका के लिए; धौर/या
- (क) ऐसी किसी शाव का किसी धन या भन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क प्रश्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आता चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब उक्त मधिनियम की बारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निक्तिसिंकत व्यक्तियों, धर्मातः ---

(1) सर्वश्री राजेन्द्र मोहन, जगदीण मोहन पुतान कृज भूषन लाल ; परस राम पुत्र जोत राम ; बजरंग मोहन सतीण मोहन पुत्रान राम स्वरूप ; राम कुमार, ग्ररुण कुमार, सतीण कुमार पुतान णाम सुन्दर ; राजेन्द्र कुमार, ग्रणोक कुमार पुत्रान णाम सुन्दर, निवासी सिरसा ; श्रीमति सवित्री देवी पत्नी राम स्वरूप बन्सल ; णाम सुन्दर बन्सल पुत्र राम लास ; श्रीमती सूरज देवी पत्नी णाम सुन्दर निवासी सिरसा ; श्रीमती सुशीला मोहन तथा श्रीमती निलनी जगवीश मोहन पत्नी जगदीश मोहन निवासी हिसार।

(भ्रन्तरक)

(2) सर्वश्री सुदेश कुमार पुत्न बलवन्त सिंह ; करनैल सिंह पुत्न लखमन सिंह निवासी टोहाना ; श्रीमती कौशल्या देवी पत्नी जमना दास निवासी रोहतक ; यशोदा रानी पत्नी बलवन्त सिंह, निवासी टोहाना ; रतन कुमार, राज कुमार, पुत्नान बलवन्त सिंह निवासी टोहाना ; मंजु ग्रोवर पत्नी ईश्वर चन्द निवासी टोहाना ; मंजु ग्रोवर पत्नी ईश्वर चन्द निवासी हिसार ; धर्म ग्रोवर पत्नी लाजपत रामे निवासी रोहतक ; हंस राज पुत्न साधु राम, निवासी टोहाना राज रानी पत्नी सुन्वर कुमार ग्ररुण मिडिया पत्नी विनोद कुमार रामजी लाल पुत्न मोहरी राम, निवासी टोहाना, कृपाल शाह पुत्न सन्त सिंह निवासी करल कलां (कपूरथला) इत्यादि । (ग्रन्तरिती)

को यह अवना नारो करते पूर्वोका समाति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्वित्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, थो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (अ) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबड़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरणा--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त सिक् नियम के शब्याय 20क में परिभाषित है, वहीं सर्व होगा, की उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनुसूची

सम्पत्ति सिनेमा बिलर्डिंग नाम "राज लक्ष्मी थियेटर" सिहत भूमि रकबा 6 कनाल 16 मरले जोकि मेरी श्रकबरपुर (छक्तलाना) में स्थित है तथा जो कि रिजस्ट्रीकर्ता हांसी के कार्यालय में रिजस्ट्री कमांक 2029, 2030 तथा 2031 तिथि 18-12-1978 पर दर्ज है।

रवीन्त्र कुमार पठानियां सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 31-8-1979

#### प्रकृप भाई • ही • एन • एस • ---

आयकर अधिनियम, 1981 (1981का 43) की घारा 289-ए (1) के मधीन सूचना भारत परकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 11 जून 1979

फा० सं० थ्राय० ए० सी०/श्चर्जन/91/79—80:—यतः मुझे, एम० थी० थ्रार० प्रसाद,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिनियम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- द॰ से मिनिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 8 का 57405 स्क्वेयर फीट जगह तथा जो कैम्प श्रमरावती में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रमरावती में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 7-12-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की वर्ष है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान श्रतिफल को पृत्य उसके दृश्यमान श्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान श्रतिफल का पृत्य उसके दृश्यमान श्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान श्रतिफल का पृत्य उसके दृश्यमान श्रीतिफल से, ऐसे प्रमुरकों) भीर मम्हरिती (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तम पामा गया प्रक्षित्स, निम्नलिखित उद्देश्य से खन्त भन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित वहीं किया गया है .---

- (क) अध्यारम में हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि-नियम के ग्रधीन कर देने के भ्रश्यारक के दालित्व में कमी करने या उससे बचने में श्रृविधा के लिए। और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1937 (1957 का 27) के प्रयोजनाय धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, फिपान में सुविधा के लिये;

मतः, चन, उन्त अधिनियम की धारा 269-व के बनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के बधीन निम्नमिकित व्यक्तियों, प्रवीतः—

- (1) श्री सुरेण वासुदेव चिमोटे केंम्प श्रमरावती। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रप्रतीम सहकारी गृह निर्माण संस्था, मर्यादीत, श्रमरावती।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी आ से 45 विन की घर्याध्या तत्संबंधी क्य क्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की घर्याध, ओ भी घर्याध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्य कि यों में से किसी क्य कित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर अक्त स्भावर सम्पत्ति में हिलक्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, सझोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- ५समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वही अर्थ होना, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

#### प्रनुसन्नो

प्लाट नं० 8 का 57405 स्क्वेअर फीट जगह जिसका भीट नं० 12, जेल रोड़, कैम्प श्रमरावती में स्थित है।

> एम० बी० ग्रार० प्रसाव, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 11 जून, 1979।

प्रकृष साई० टी∙ एत० एस०-----

ग्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के मधीन मुचना

#### नारत तरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 11 जून 1979

फा० सं० भ्राय० ए० सी०/श्रर्जन/92/79-80:--यत: मुझे, एम० बी० भ्रार० प्रसाद, भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की भ्रारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, भ्रिसका उचित बाजार

मृत्य 25,000/- रू० से मधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 549/0+, प्लाट नं० 143 तथा 145 है तथा जो सिताबर्डी, नागपुर में स्थित है '(श्रीर इससे उपलब्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्ष्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नागपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 29-12-78 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य से उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से भ्रधिक है, भीर यह कि भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरक के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नसिकत उद्देश्य से उपल अन्तरण लिखत में बारलिक क्ष्य मे कथित नहीं किया गया है :--

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त मधि-नियम, के मधीन कर देने के मन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/णा
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी अन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर भिष्टियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया का या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

भता, धर चन्त प्रिधिनियम की धारा 269म के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन निम्निविवित व्यक्तियों, अर्थात् !---

- (1) श्री महादेवराव किसनजी छोटे तर्फें : बसंत फाईन ग्रार्ट लिथो वर्कज, गोंदीया जि० भंडार।। (श्रन्तरक)
- (2) श्री प्रकाश महादेव छोटे तर्फे : वसंत फाईन मार्ट लियो वर्कन, गोंसीया, जि० भंडारा । (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के धर्जन के लिए कार्यवादियां करता हुं।

जनत सम्पति के गर्मन के सम्बन्ध में कोई भा भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, ओ भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य स्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास निकात में किए जा सकेंगे।

स्पक्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों झीर पर्वो का, जी उक्त श्रधिनयम, के सम्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी सर्वे होगा जो उस सम्याय में दिया गया है।

#### धनुसूची

मकान नं 549/0 + 1, प्लाट नं 143 तथा 145 जो वार्ड नं 2, तेलीपूरा मालविया रोड़, सिताबर्जी नागपूर में स्थित है।

एम० वी० द्यार० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, नागपुर

ता**रीख:** 11-6-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

26 9 (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 श्रगरत, 1979

निदेश मं० पटियाला/196/78-79:--श्रतः मुझे, भार० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 28,000/- ४० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट जिसका क्षेत्रफल 2 विधा (1672 वर्ग मीटर/0-16-44 हैक्टर) है तथा जो न्निपड़ी सैयदां, पिटयाला में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विज्ञात है), राजस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, पिटयाला में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीभीन, तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी फ्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन व भ्रन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

ग्रशः श्रव, उक्त श्रविनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रविनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रवीन श्रवि:— (1) श्रीमती हरबन्स कौर पत्नी हरदेव सिंह, त्निपड़ी मैयदां, पटियाला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमिति प्रकाश कौर पत्नी श्री श्रकाल सेवक सिंह, वासी धर्मपुरा, बाजार, पटियाला । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त ध्रिष्ठ-नियम, के ध्रष्ठयाय 20क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 2 बिघा (1672 वर्ग मीटर/०-16 -44 हैक्टर) है श्रीर जो त्रिपड़ी सैयदां, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, परियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 4679 दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)।

ग्नार० के० भलहोस्ना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखाः २ ग्रगस्त, 1979।

्मोद्वर:

# प्रकप आई • टी • एन • एस •----

आयकर **अधिनियम,** 1961 (1961 का 43) की खारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यात्रय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 श्रगस्त 1979

निदेश सं० लुधियाना/147/78-79:——प्रतः, मुझे, श्रार० के० मलहोस्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत मिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाखार मृख्य 25,000/-क से मिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० बी०-1-630/12 का भाग, जिसके प्लाट का क्षेत्रफल 44.4/9 वर्ग गज है तथा जो कुन्दन पुरी, सीवील लाईन, लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजिल बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का चन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) को बोच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित चहुंग्य से उन्त प्रन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित चहुंग्य से उन्त प्रन्तरण निम्लिखित में वास्तिक कप से किवत नहीं किया गया है :---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, अक्त अधि-नियम के मधीन कर देने के अक्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी जाय था किसी अन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें बारतीय घायकर प्रश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्षिनियम, या धनकर प्रक्षि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः सब, उक्त भविनियम की धारा 269न के सनुसरण में; में, उक्त धिवनियम की धारा 269व की उपधारा (1)के सधीन, निर रिलिखित व्यक्तियों क्योंत् :-- (1) श्री जगजीत सिंह पुत्र श्री श्रमरिक सिंह, वासी बी-1-630/12, कुच्चा नं० 8, फुन्दन पुरी, सीवील लाईन, लुधियाना।

(श्रन्तरक)

- (2) श्री हरि वास पुत्र श्री तुलसा सिंह वासी बी-1-630/ 12, कुन्दन पुरी, सीवील लाईन, लुधियाना । (श्रन्तरिती)
- (3) श्री बाबू राम मैंसर्ज बाबू राम साईकल वर्क्स, श्री सवरन सिंह, वासी बी-1-630/12, कुन्दन पुरी, सीवील लाईन, लुधियाना।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पक्ति है)।

को यह सूचना जारी लरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की मबिध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाथर सम्पत्ति में हितबक्क किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त गन्दों भीर पदों का, जो उक्त भवि-नियम के भन्याय 20क में परिभाषित हैं, बही भर्ष होगा, जो उस भन्याय में विथा गया है।

# अनुसूची}

मकान नं० बी-1-630/12 का भाग जो कुन्दन पुरी, सीवील लाईन, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैना कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 3484, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)।

> ग्रार० के० मलहोत्ना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रोंज, लुधियाना

तारीख: 10 अगस्त, 1979 ।

प्रकृप आई. हो। एन० एस०---

भायकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 अगस्त, 1979

निदेश सं० लुधियाना/151/78-79--अतः मुझे, आर० के॰ मलहोक्षा,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सदाम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- द के स्थिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० बी०—1—630/12 का भाग, जिसके प्लाट का क्षेत्रफल 44.4/9 वर्ग गज है तथा जो कुन्दन पुरी, सीजील लाईन, लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृह्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित वहेंच्य से उक्त अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित वहेंच्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित वहेंच्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित वहेंच्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित वहेंच्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित वहेंच्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित वहेंच्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित वहेंच्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित वहेंच्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित वहेंच्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिका कर से कथित नहीं

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी घाय की वाबत, उक्त घष्टिनियम के अधीत कर देने के घन्तरक के वाबिस्व में कभी करने भा उससे वचने में भृतिधा के जिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाप या किसी घन या अभ्य घास्तियों की जिन्हें भारतीय भाय-कर भिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें घांधितियम, या घन-कर भिधितियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में चन्त अधिनियम की घारा 269म की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात '--- (1) श्री जगजीत सिंह पुत्त श्री श्रमरिक मिंह, वासी बी-1-630/12, बुच्चा नं० 8, कुन्दन पुरी, सीवील लाईन, लुधियाना।

(भ्रन्सरक)

(2) श्रीमती जय कौर पत्नी श्री तुलमा सिंह, वासी बी-1-630/12, कुन्दन पुरी, सीवील लाईन, लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

(3) 1. श्री बाबू राम, मैंसर्ज बाबू राम माईकल वर्क्स, 2. श्री सवरन सिंह, वासी बी-1-630/12, कुन्दन पुरी, सीवील लाईन, लुधियाना।

> (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ब्राघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाधीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के घडनाय 20-क में परिमा-चित है, बड़ी धर्म होगा जो उस घध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

मकान सं० बी-1-630/12 का भाग, जो कुन्दन पुरी, सीबील लाईन, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 3508, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)।

> श्रार० के० मलहोत्ना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, सुधियाना,

तारीख: 10 भ्रगस्त, 1978

प्ररूप प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर प्रिवितयम, 1981 (1981 का 43) की घारा 269-व(1) के भ्राप्तीन स्वना

भारत सरकार

कार्यानय, सद्दायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, ल्धियाना

लुधियाना, दिनांक 10 **ध्रग**स्त, 1979

निदेश सं० लुधियाना/153/78--79:---- प्रतः मुझे, ग्रार० के० मलहोता,

भायकर भिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० हिस्सा मकान नं० बी-1-630/12 जिसके प्लाट-का क्षेत्रफल 66.2/3 वर्ग गज है तथ जो कुन्दन पुरी, सोवील लाईन, लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे छगाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय लुधियाना,में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिकन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृहय, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरितों (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकन निम्नतिश्वित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण विश्वित में बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बावत उक्त भ्रिष्ठित्यम के भ्रष्ठीत कर देने के भ्रम्तरक के रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; भौर/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य भारितमों की, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रव, उनत ग्रीविनियम की बारा 269-ग के प्रमुखरण में, में, उन्त ग्रीविनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के भुग्नीन निकासिकत व्यक्तियों, ग्रांत्:-- (I) श्री जगजीत सिंह, पुत्र श्रमरीक सिंह, वासी बी-1-630/12, कुच्चा नं $\circ$   $^{\circ}8$ , कुन्दन पुरी, सीबील लाईन, लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री रोशन दास पुत्र श्री नुलसा सिंह, वासी बी-1-630/12, शुन्दन पुरी, सीवील लाईन, लुधियाना। (श्रन्तरिती)
- (3) (1) श्री बाबू राम, मैसर्ज बाबू राम साईकल वन्सं, (2) श्री सवरन सिंह, वासी बी-1-630/12, कुन्दन पुरी, मीबील लाईन, लुधियाना। (वह ब्यक्ति जिसके प्रधिभोग, में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप पूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद किसी मन्य व्यक्ति दारा, मधोहस्ताकरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोक्तरण:--द्वसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो जक्त भिवितियन के प्रध्याय 20-क में परिमाणित हैं, बही जब होगा जी उस प्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मकान नं० बी-1-630/12 का भाग जिसके प्लाट का क्षेत्रफल 66.2/3 वर्ग गज है और जो कुन्दन पुरी, सीवील लाईन, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि राजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 3515, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)।

> श्रार० के० मलहोत्ना, सक्षम प्राधिकारी, सद्यायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजैन रेंज, लुधियाना

तारी**ब** : 10 म्रगस्त, 1979 .

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 श्रगस्त, 1979

निदेश सं० लुधियाना/146/78-79:—श्रतः मुझे, श्रार० के० मलहोत्रा,

प्रायकर भिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269—ख के भिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इपए ने भिष्ठक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० बी-1-630/12 का भाग, जिसके प्लाट का क्षेत्रफल 44.4/9 वर्ग गज है तथा जो कुन्दन पुरी, सीबील लाईन, लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) घोर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निविदान में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उकत प्रधिनियम के धन्नीन कर देने के प्रश्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिष्; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या धन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर धिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीविनयम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रभीत् -----4---246GI/79 (1) श्री जगजीत सिंह पुत्र श्री श्रमरिक सिंह, वासी बी-1-630/12, कुच्चा नं० 8, कुन्दन पुरी, सीवील लाईन, लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री तेज पाल पुत्र श्री तूलसा सिंह वासी बी-1-630/12, कुन्दन पुरी, सीवील लाईन, लुधियाना । (अन्तरिती)
- (3) (1) श्री बाबू राम, मैसर्ज बाबू राम साईकल वर्क्स, (1) श्री सवरन सिंह, वासी बी-1-630/12 कुन्दन पुरी, सीवील लाईन, लुधियाना । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्राजेंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी
  भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भ्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बन्सूची

मकान नं० बी--1-630/12 का भाग, जो कुन्दन पुरी, सीवील लाईन, लुधियाना में स्थित हैं।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 3480, दिसम्बर, 1978 में दर्ज हैं)।

> श्रार० के० मलहोत्ना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10 श्रगस्त, 1979

प्रकार पश्चित्रथमः 1931 (1961 का 43) की धारा 369 प (1) के मसीन मुख्या

शास्त सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 ग्रगस्त, 1979

निदेश सं० पटियाला,/241/78-79 :—श्रत:, सुझे, ग्रार०के० मलहोत्ना,

धावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रश्चात् 'छक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से मधिक है

श्रीर जिसकी सं० भ्मि जिसका क्षेत्रफल 6 कनाल है श्रीर जो त्रिपड़ी साईदां (हकमन कालोनी), पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पटियाला में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उलित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के िये धन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित वाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से धिक्षक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया थया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण जिखित में दास्तियक कप से किन्तर नहीं किया गया है:----

- (क) प्रश्तरण ने हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त व्यक्षिनियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐमी जिसी आय या किसी बन या अन्य मास्तियों को किस्ट्रें भारकीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 ा 11) या उक्त मधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए का या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, अन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में अन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री गुरिन्दर सिंह गरेवाल पुत्र हरदेव सिंह गरेवाल वासी विवरियां रोड़, लौहरी गेट, पटियाला।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बलिन्दर सिंह पुत्र श्री सुखिन्दर सिंह वासी 27-डी, माडल टाऊन, पटियाला श्री कराल सिंह पुत्र पूरन सिंह वासी उभावाल तहसील सुनाम, जिला संगरूर तथा श्रीमित कमलेण कुमारी पत्नी सुरिन्दर कुमार, वासी 27-डी माडल टाऊन, पटियाला।

(भ्रन्तरिती)

को यह प्रता बारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं ।

बनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपश्च में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में दिसवद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोबुस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त घिवियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित है, बही बर्ष होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 6 कनाल है जो त्निपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता म्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5457, फरवरी, 1979 में वर्ज है)।

> भ्रार० के० मलहोता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 10 ग्रगस्त, 1979।

मोहरः

प्रकप बाई • टी • एन • एस • ----

भायकर मिश्रितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आमग्रर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 श्रगस्त, 1979

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वासकरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपये से अधिक है

भौर जिसकी सं० 46, है तथा जो भदौड़ हाउस, लुधियाना में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को

16) के ग्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिफल घिषक है घौर धन्तरक (धन्तरकों) घौर धन्तरिती (धन्तरितीयों) के बीच ऐसे धन्तरक ने लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उपत धन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भीर/या
- (क) ऐसे किसी प्राय या किसी धन या प्रस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः ग्रब, उनत अधिनियम की घारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उन्त मिनियम की धारा 269-म की उपवारा (1) के मधीन निम्ननिवित व्यक्तियों, मर्गात् :— (1) श्री किंदार नाथ श्रोहरी सपुत्र श्री विद्या शंकर, 43, हौसपिटल रोड़, करनाल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती राज रानी पत्नी श्री ग्रयोध्या प्रमाद बी/ 2/1397, दीपक सिनेमा रोड़, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह भूचना अशी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उका संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी मार्रेष: --

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की भारांच से 45 दिन की श्रविद्य मां तत्सम्बन्धी क्यक्तिया पर भूवना की तामील से 30 दिन की श्रविद्य जो भी श्रविद्य साद में मनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा ।
- (व) इन सुवना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन्दद्ध किसी अन्य व्यक्ति हारा, भक्षीहरूनाक्षरी के नास निवित में किये जा किये।

श्यक्तीकरण :---इपर्व प्रमुक्त अन्दी योग पक्षी का, जो उक्त प्रधिनियम के भस्याय 20-क में यथा परिसाषित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस भस्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

46, भदौड़ हाउस जिसका क्षेत्रफल 136.28 वर्ण गज है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के विलेख नं० 3682 में वर्ज है)

> श्रार० के० मलहोत्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, लुधियाना

तारीखा: 10 ग्रगस्त, 1979।

# प्रक्ष भाई । टी० एन० एस ----

# धायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 श्रगस्त, 1979

निदेश सं० चण्डीगढ़, 260/78-79:--ग्रतः सुन, ग्रार्० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 50 सेक्टर 8-ए है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) घीर अन्तरिती (घन्तरितियों) के वीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उकत प्रधिनियम के घंधीन कर देने के घन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत मिश्रिनियम, या धनकर भ्रिधनियम, या धनकर भ्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किसी जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :-- (1) श्रीमित सुमिता देवी विधवा स्वर्गीय श्री शंकर लाल ।
2. श्री सम्रोध कुमार पुत स्वर्गीय शंकर लाल निवासी
38, स्पैरशलर रोड़, इसलिंगटन लंडन ।
3. श्रीमित ग्राशा बडीला पितन कमाडर सुरेन्द्र बडीला नौसेना बेस, विशाखापटनम ।

(ग्रन्तरक)

(1) 1. श्री जगजीत सिंह पुत्र श्री गुरनाम सिंह 2. श्रीमित धनवन्त कौर पित श्री जगजीत है, 3. श्री कंवल नैन सिंह, 4. श्री नैतइन्द्र सिंह, 5. श्री मान इन्द्र सिंह द्वारा श्री जगजीत सिंह नियासी मकान नं० 50 सेक्टर 228-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

(3) श्री जी० के० जैन निवासी 50/8-ए, चण्डीगढ़। (वह सम्पत्ति, जिसके श्रीधभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

हराष्ट्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदीं का, जी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मकान नं ० 50 सेक्टर 8-ए, चण्डीगढ़ में स्थित हैं। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय के विलेख नं ० 785 दिसम्बर, 1978 में दर्ज हैं।

> ग्रार० के० मलहोत्ना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

नारीख : 10 ग्रगस्त, 1979 ।

भाई • टी • एन • एस • —

मायकर मिर्घिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मिन्नित सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) लुधियाना, ग्रजेंग रेंज

लुधियाना, दिनांक 10 ग्रगस्त, 1979

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसक पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ० दुकान नं ० 1 एवं 2 सिंहत प्लाट क्षेत्रफल 51.25 वर्ग गज है तथा जो हीरा महल नाभा में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नाभा में, र्राजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से भविक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है :—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के सिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या ग्रन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर धिंचित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धत-कर धिंचियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

भतः भव. उक्त प्रधिनियम की घारा 269-म के अनुगरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के सभीन निष्ननिधित व्यक्तियों, प्रयत् :-- (1) श्रीमित गुधां देवी पित्त श्री राम स्वरूप शर्मा निवासी 3320 सैक्टर 27—डी, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमति लाजवन्ती पत्नि श्री परपोत्तम दास मुहल्ला बटावाला (बटो स्ट्रीट) नाभा ।

(भ्रन्तरिती)

(3) 1. श्री बलबीर सिंह, 2. श्री गांधी पेन्टर, 3. श्री हरिचन्द निवासी हुकान नं० 1-2, पटियाला रोड़, हीरा महल कालोनी, नाभा।

(वह व्यक्ति, जिसके क्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से ' 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवीं का, जो उक्त अधि-नियम, के भ्रष्याय 20क में परिभाषित है, वहीं भ्रयं होगा, जो उस भ्रष्याय में विया गया है।

# अनुसूची

दुकान सहित प्लाट का क्षेत्रफल 51.25 वर्ग गज जो कि पटियाला रोड़, हीरा महल कालीनी नाभा में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी नाभा के कार्यालय विलेख सं० 1930 दिसम्बर में दर्ज है)।

> श्चार० के० मलहोक्षा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रज, लुधियाना

नानीखा : 10—8—1979।

कार्यालय, सहायक ग्रायकर <mark>भ्रायुक्त (निरीक्षण</mark>) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 ग्रगस्त 1979

निदेश सं० नाभा/85/78–79:—-ग्रतः मुझ, श्रार० के० मन्द्रोता

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारम है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कु से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० दुकान नं० 3 एवं 4 है तथा जो पटियाला रोड़, हीरा महल कालौनी, नाभा में स्थित हैं (श्रीर इसमे ज्याबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधयनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कप के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार नृत्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) आर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निवित में वास्तिक कर से कथिन नहीं किया गया है उन्न

- (स्) अन्तरग ये हुई किसी मांग की शास्त, उक्त मधिनियम के मधीन कर देने के भन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी अन वा ग्रन्थ भास्तियों की जिम्हें भारतीय भाय-कर मिलियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मिलियम, या धन-कर भिलियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धव, उक्त धिमित्यम की धारा 269-ग के समुसरण में, मैं उक्त धिमितियम की झारा 269-म की उपचारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रीमित गुहां देवी पित्त श्री राम स्वरूप शर्मा निवासी मकान नं० 3320 सैक्टर 27-डी चण्डी-गढ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री परषोत्तम दास पुत्र श्री सैलिंग राम निवासी मुहल्ला बटावला (बटा स्ट्रीट) नाभा।

(ग्रन्तरिती)

(3) 1. श्री पवन सिंह, 2. श्री वेद प्रकाश, निवासी दुकान नं 3 एवं 4 , हीरा महल कालौनी पर्टियाला रोड़, नाभा ।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

को यह मूचना गारी करहे पूर्वीशा नग्यांन के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

ब्रश्त सम्पत्ति हे ब्राबेन हैं। सम्बन्ध में की भा भाक्षी :---

- (क) इस सुबना के राजका में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की घवित भा तत्त्वम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की लामील से 30 दिन की धवित, जो भी सबित बाद में सभाग्त होती हो, के बीजर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किमी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इर भूनना के शक्षपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के भित्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के मिसी ग्रन्थ स्थक्ति द्वारा, धंधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंथे।

स्पढ्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त तज्दों श्रीर पदों हा, जो उश्त अधि-नियम के घड्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी यर्थ होगा जो उस जड़याय में दिया गया है।

# ग्रनुसूची

दुकान नं० 3 एवं 4 जो कि पटियाला रोड़, हीरा महल कालोनी नाभा में स्थित हैं।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी नाभा के कार्यालय के विलेख नं० 1931 दिसम्बर, 1978 में दर्ज हैं।)

> ग्रार० के० मलहोता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीखः : 10 ग्रगस्त, 1979 ।

मोहरः

प्रक्षप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहारक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 ग्रगस्त 1979

निदेश सं० चण्डीगढ़/ 251/78-79:---श्रतः मुझे, श्रार० के० मलहोत्रा,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रियिनयम' कहा गया है), की धारा 269 ध के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थात्रर सम्यत्ति जिसका उजित बाजार मून्य 25,000/-६० से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं प्लाट जिसका क्षेत्रफल 652.17 है तथा जो सैक्टर 23-ए चण्डीगढ़, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ूं और मुझे यह विश्वाम करमे का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिवास से प्रविक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बाहतिक कृष से कृषित नहीं किया। गया है :---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय को बाबत उक्त प्रकि-नियम के ग्राधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कभी करले या उससे कवने में सुविद्या के लिए; भौर/या
- (बा) ऐभी किसी प्रश्य या किसी अन या प्रन्य मास्तियों को जिल्हों भारतीय स्नामकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जावा काहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

ग्रत: अब, उन्त प्रक्षिनियम की घारा 269 व के ग्रमु-सरम में, में, उक्त प्रक्षितियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के ब्राचीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत क्रि (1) श्रीमती स्वर्ण कपूर श्रीमती दुर्गा देवी, श्री सुनी ल, कपूर (द्वारा स्पेणल अटार्नी श्रीमित स्वर्णा कपूर) श्रीनल कपूर, राजीव कपूर, विमल कपूर, मिस मधु कपूर, संजीव कपूर, मिस नीरु कपूर, जो कि सभी स्वर्गीय श्री एस० एल० कपूर की पत्नि, पुत पुतियां हैं। सभी मकान नं० 410 सैक्टर 22-ए चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित शान्ति देवी पत्नि श्री जगढीश राए गोयल निवासी मकान नं० 3945/2, पलंग बाजार, पिटयाला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तस्त्रवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों सें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सक्तेंगे।

स्पक्ष्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत प्रिप्तियम के प्रथमण 20-क में परिभाषित है, बही धर्म होगा, जो उस स्थमाय में बिया गया है।

#### अनुसूची

ण्लाट क्षेत्रफल 652.17 वर्ग गज नं० 111 जोिक सैंक्टर 23-ए चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी भण्डीगढ़ के कार्यालय की विलेख सं० 723 दिसम्बर, 1978 में दर्जा है)।

> भ्रार० के० मलहोस्ना, सक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लिधयाना

तारीख: 10 भ्रगस्त, 1979

प्रकृष पाई० शै० एए० प्राच----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन नुभरा

भारत सरकार

कार्याना, पहापक आवकर अयुक्त (निरोक्षण) ऋर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 भ्रगस्त, 1979

निदेश सं० खन्ना/54/78-79:---श्रतः मझे, श्रार० के० मलहोत्रा,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम आधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-व के से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन 20 कनाल 16 मरला है तथा जो गांव रहीन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, खन्ना में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृब्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृब्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशास से प्रिष्ठ है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तिप्ति तियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्श्य से उचन भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किमी धाय की बाबत उक्त धिवित्यम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी झन या ग्रन्य ब्राह्मियमें की, जिस्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिश्चित्यमें, 1922 (1922 का 11) या उस्त ग्रिश्चियम, या झन-कर ग्रिश्चियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं गन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विया जाना चाहिए, चा, छिपाने में सुविधा के निए।

सतः प्रव, उन्त सिवितियम की बारा 269-ग के सनुसरण में, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) सर्वश्री ज्ञान सिंह, हरवन्स सिंह व सन्तीख सिंह, गांव रहीन (खन्ना) ।

(अन्तरक)

(2) अमर सिंह पुत्र श्री निहाल सिंह पुराना सिनेमा रोड़, खन्ना।

(भ्रन्तरिती)

की यह पूजा। बारो करके पूर्वोक्त मंत्रति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त मंपति के अर्जन के नंदंव में की है से जाती :--

- (क) इस मूचना के राजपत ने प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, ओ भी ध्रविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उनत स्थायर संपत्ति में हितसद किसी सन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
  में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरक: --इमर्से अयुक्त अन्वों भीर पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्य होगा जो उस अध्याय में दिया नथा है।

# **अनु**सूची

जमीन 20 कनाल 16 मरला गांव रहौन । जायदाद जैसा कि राजिस्ट्री नं० 1642/12/87 में दर्ज है ।

श्रार० के० मलहोत्ना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10 ग्रगस्त, 1979।

मारत सरकार

कार्यालय, महायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लिधियाना, दिनांक 10 श्रगस्त 1979

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्ने इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिन्नीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से भिन्न है

भौर जिसकी सं० 18 कनाल जमीन व बाग है तथा जो गांव रहौन में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, खन्ना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख विसम्बर 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिलत बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पल्चह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक ज्या में क्षित नहीं किया गया है:——

- (ह) अन्तरण से दृई कियो आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के धग्तरक के दायिस्त्र में कमी करने या उसमे सकने में मुविधा के लिए; भौर/वा
- (ब) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रम्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

भतः भव, उक्त भवितियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त भिधितियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अश्रीन निम्नलिकित व्यक्तियों, भर्थात्स--- 5---246GI/79

(1) सर्वश्री ज्ञान सिंह, हरबन्स सिंह व सन्तोख सिंह गांव रहीन (खन्ना) !

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती गुरचरण कौर पुराना सिनेमा रोड़, खन्ता।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मति क प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप--

- (क) इस मूचना के राजपंत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबिध या तरसम्बन्धी स्थक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की संबंधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
- (ख) इस सूबना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताकरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

 शब्दीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जकत मिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो भयं होगा जो उस मध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

जमीन 18 कनाल व बाग गांव रहौत (खन्ना) में जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के विलेख नं 1602/12/78 में दर्ज है।

ग्नार० के० मलहोद्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारी**ज**: 10 भ्रगस्त, 1979।

मोहर 🏥

# प्रकप माई•टी•एन•एस०-----

धायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ध (1) के <mark>घधीन सूचना</mark> भारत स**र**कार

कार्यालय, सत्राथक भायकर भायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 16 ग्रगस्त, 1979

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इवके पश्वात 'उन्त प्रतिनियम' हुन गया है), की घारा 269-ख के अवीन सक्षम प्राधि हारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसहा उजित बाजार मूख्य 25,000/- क्पए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० कीठी नं० 1658/5 संत निवास, फरैन्डस कालौनी पटियाला, है तथा जो पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से धणित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार सर्च्य से कम के दूष्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उने है दूष्यमान प्रतिकत का स्थित के प्रविक्त सम्पत्ति का उचित वाचार मृत्य, उने है दूष्यमान प्रतिकत का स्थित है भीर भन्तरक (अन्तरकां) थार प्रनितिनों (जन्तरितिनों) के सोव ऐसे अन्तरक का लिए तय पाया परा प्रतिकत निम्तलियत उद्देश्य के उचन परन्तरम लियिन वें बास्तिक कर से किया नहीं किया गया है:-----

- (क) धन्तरण से हुई जिमी भाय की बाबत, उक्ट धिन्नियम के अधीत कर देने के भ्रष्टारक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिमिनियम, पर धन-कर अविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किए ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपारे मंम् विधा के लिए।

ग्रत: ग्रन, उन्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की **धारा 269-य की उपधारा** (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्री गुरिन्द्र सिंह सेखों पुत्र श्री गुरबख्श सिंह सेबों निवासी 2032 सैक्टर 15—सी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)
  - (2) श्री ज्ञान चन्द भर्मा, पुत्र श्री राम रत्तन भर्मा, निवासी 1680/3 रघुमाजरा, पटियाला । (श्रन्तरिती)

(3) रीमांड उबजखेशन हाउस सोशल वैलफेयर डीपारटमेंट, पंजाब गोरमेंट संत निवास फरैन्डस कालौनी, पिटयाला ।

> (वह व्यक्ति, जिसके मधिभोगग में सम्पत्ति है)।

की यह मुचना जारी करके पूर्वीकन सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्वत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्मम्बर्ग्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकड़ किसी प्रम्थ व्यक्ति द्वारा श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्वस्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त शास-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सबं हाणा जो उस शब्दाय में विया गया है।

#### धनुसूची

कोठी सं० 1658/8, जिसका क्षेत्रफल 856 वर्ग गज है तथा जो फरेन्डस कालौनी संत निवास पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी, पटियाला के कार्यात्रय के तिनेख संख्या 4502 दिसम्बर, 1978 में दर्ज है।

> म्नार० के० मलहोक्षा सक्षम म्रघिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 16 श्रगस्त, 1979।

प्ररूप माई० टी० एन० एस० ---

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 ग्रगस्त, 1979

निदेश सं० पटियाला/305/78-79:---ग्रतः मुझे, ग्रार० के० मलहोता,

भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त म्रधिनियम) कहा गया है, की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 67 कनाल 7 मरले है तथा जो गांव लंग, तहसील पटियाला, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिशिनयम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुमरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) प्रधीन, के निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयीत्ः--- (1) सर्वश्री नीमंल कुमार व वेद प्रकाश पुत्र श्री सरूप चन्द बासी मक्षान सं० 1873/3, निम्न वाला चौक, राधोमाजरा, पटियाला ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रच्चन सिंह पुत्र श्री किशन सिंह व श्री तीरा सिंह पुत्र श्री विशना राम, वासी गांव -लंग, तहसीज पटियाला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां गूरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 67 कनाल 7 मरले है और जो गांव लंग, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 4618 दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)।

ग्नार० के० मलहोता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लिधयाना

तारीख: 16 भगस्त, 1979।

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

# भावकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म(1) के घडीन सुचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरोक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 ग्रगस्त 1979

निवेश सं० पटियाला/219/79-80/124:--यतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

धायकर घिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-स्पष्ट से घिधक है

भ्रोर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 38 कनाल है तथा जो गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण, निस्तिखित में वास्तविह का सक्तरण,

- (क) अस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधितियम के प्रधीन कर देने के प्रकारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; धौर/या
- (आ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

पत: पन, उन्त प्रधिनियम की बारा 269-ग के बनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-क की उपधारा (1) के ब्राप्तीन निक्निलिखित व्यक्तियों, प्रचीतृ:—

- (1) महारानी वलीप कौर विधवास्व० महाराजा भूपिन्द्र सिंह वासी कोठी लाल बाग, पटियाला। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री हरबन्स सिंह पुत्र श्री बच्धन सिंह पुत्र हरनाम सिंह, नाभा गेट, 5-ग्रीन, न्यू पटियाला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवादियों करता है।

उन्त सम्पत्ति के प्रचंत के अन्बन्ध में कोई भी धाक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
  प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य श्यक्ति द्वारा, भ्रजोहस्ताकारी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो समत श्रष्टिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा जो उस घड्याय में दिया गमा है

#### धनुसुधी

भूमि जिसका क्षेत्रंफल 38 कनाल है श्रौर जो गांव घलोड़ी तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5163, जनवरी, 1979 में दर्ज है)।

> ग्रार० के० मलहोता, सहायक ग्रायकर **ग्रायुक्त (निरीक्षण)** सक्षम प्राधिकारी, ग्रजैन रेंज, सुधियाना

तारीख: 16 श्रगस्त, 1979।

प्रकप आई० टी० एन० एस•---

भ्रायकर श्रिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 अगस्त 1979

निदेश सं० पटियाला/184/78--79:----ग्रतः मुझे. श्रार० के० मलहोत्राः,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) )जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम कहा गया है), की धारा 269 ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-द∙ से भिधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 24 कनाल है तथा जो गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वांगत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मन्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पण्डह प्रतिशत से अधिक है बीर अन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के धस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के आए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्व अन्तरिती झारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जतः जन, उन्त अधिनियम की घारा 269म के अनुसरण में, मैं उन्त अधिनियम की घारा 269म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) महारानी दलीप कौर विध्वा स्व० महाराजा भूषिन्दर सिंह वासी पिटयाला द्वारा जनरल ग्रटारनी श्री सोमराज सिंह पुत्र श्री पृथ्वीराज सिंह वासी कोठी लाल बाग, पिटयाला ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरबन्स सिंह पुत्र बच्चन सिंह वासी 5-ग्रीन व्यु,पटियाला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वीकत सम्यक्ति के खर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस मूचना के राजपत्र पें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्राब्दोक्तरण:-- इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों आर पदों का, उक्त ग्रिधि-नियम, के ग्रम्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं मर्थ होगा जो उस आयकर में दिया गया है।

# पनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 24 कनाल है श्रौर जो गांव घलोड़ी, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी, पटियाला के विलेख संख्या 4472, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)।

> भ्रार० के० मलहोत्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 16 ग्रगस्त, 1979।

प्ररूप, प्राई० टी॰ एन० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 ग्रगस्त, 1979

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की भ्रारा 269-ख क श्रिशीन मञ्जम श्रिथिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर समाति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिथिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 बिघा 1 विश्वा है तथा जो गांव जातीवाल, तहसील नाभा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कत्ती श्रधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य में कम के दृश्यमान मितिक के तिए प्रतिरित्त की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समानि का उचित बाजार पूर्व, उनके दृश्यमान प्रतिकल का पन्तर प्रतिगत से ग्रीविक है ग्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) भोर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तिक इप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रक्षितियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या श्रन्य ब्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ब्रायकर ब्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनियम, या धन-कर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ शन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नत: जब, उब्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उब्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्री गुरवियाल सिंह पुत्र सेवा सिंह वासी गांव धली नंगल तहसील व जिला गरदासपुर।

(ग्रन्सरक)

(2) सर्वेश्री गुरचरन सिंह व जोरा सिंह पुत्र श्री गुरबक्स सिंह, गांव रायमल माजरी, तहसील नाभा ।

(श्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के **अर्जन के** लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्यत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इतम प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त ग्रीधिनयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, तही अर्थ होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 बिधा 1 विश्वा है घौर जो गांव जातीवाल, तहसील नाभा में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 1977, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है।)

> भार० के० मलहोता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण), भर्जन रज, लुधियाना ।

तारीख: 16 धगस्त 1979 ।

# प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

# धायकर प्रधितियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के ग्राजीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 ग्रगस्त 1979

शायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के सधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से भ्रिधिक है

स्रोर जिसकी सं० मकान नं० 2039, सैक्टर 21—सी, है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्नम्सूची में स्रोर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखिन में वास्त बिक इप से काबत नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्राध-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (अ) ऐसो किसी प्राप या किसी घन व प्रत्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए।

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत् :---

- (1) श्री स्वदेश कुमार गुप्ता पुत्र स्व० श्री चिरन्जी लाल गुप्ता. चिरन्जीव भवन, ग्रमरिक सिंह रोड़, भटिंडा। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ध्रमृत लाल चोपड़ा पुत्र श्री निरन्जन दास चोपड़ा, बासी 2039, सैक्टर 21-सी, चण्डीगढ़। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के <mark>मर्जन के लिए</mark> कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाण्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितवह किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताकारी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त धिंध-नियम के ध्रष्ट्याय 20क में परिभाषित है, वही ध्रयं होगा जो उस घरुयाय में दिया गया है।

# अनुसूची

मकान नं० 2039, सैक्टर 21-सी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 778, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)।

> श्चार० के० मलहोत्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्चर्जन रेंज, लृधियाना

तारीख: 16 श्रगस्त 1979।

प्रकप माई॰ टी• एत॰ एस• मायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भ्राधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 16 ध्रगस्त 1979

निदेश सं० चण्डीगढ़/256/78—79:—-ग्रतः मुझे, ग्रार० के० मलक्षेत्रः,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिष्ठिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से भिष्ठिक है

म्रौर जिसकी सं० घर नं० 1265 सैक्टर 8-सी चण्डीगढ़ है तथा जो, चण्डीगढ़ में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार महत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से मधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक का में किया नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत उक्त प्रधिनियम के भ्रष्ठीन कर देने के भन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/मा
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उन्त, ग्रिविनियम की धारा 269-न के अनुसरण में. मैं, उन्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-च की उपक्षारा (1) के अधीन निम्नलखित व्यक्तियों अर्चातः

- (1) श्रीमती सुमित्रा देवी पितन श्री ए ए० ग्नार० सहिगल बासी बी-79, निया रिजन्द्रा नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती कैलाश ऐबट पत्नि श्री रमेश चन्द्र ऐबट. राजधानी मोटर, शो कम नं० 42 सैक्टर 7-सी, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्री एस० के० कपूर, धर नं० 1265, सैक्टर 8—सी, चण्डीगढ ।

> (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना तारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख '
  45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
  भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास शिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः —इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पर्यो का, जो उक्त ग्रीधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित नैं, वहीं अर्च होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

घर जिसका नं० 1265 है सथा जो सैक्टर 8 सी चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख नं० 752 दिसम्बर, 1978 में दर्ज है।

> श्रार० के० मल**होता,** सक्षम श्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 16 प्रगस्त 1979 ।

प्ररूप भ्राई० टी• एन• एस•⊸~

**धायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा** 269-**व** (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लिधयाना, दिनांक 16 ग्रगस्त 1979

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रु से अधिक है

भौर जिसकी सं० भृमि जिसका क्षेत्रफल 27 बिघा 4 विश्वा है सथा जो गांव जख्लां, सब-तहसील धरी, में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, धूरी में, रिजस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से धिक है भौर घन्तरक (अग्तरकों) घौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत धन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कवित नहीं बिया गया है:—

- (फ) धन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन, कर देने के प्रश्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे दबने में सुविधा के बिष; घोर/या
- (आ) ऐसी किसी भाष या किसी धन या प्रम्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाष-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर भिंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के जिए;

धतः धव, इक्त घिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, जक्त घिनियम की घारा 269-ग की उपघारा (1) के धनीन निम्नतिबित व्यक्तियों अर्थात्:----

(1) श्री जंगीर सिंह पुत्र श्री पीचो वासी गांव जावलां, सब-तहसील धूरी।

(भ्रन्तरक)

(2) सर्वश्री प्रीतम सिंह, लाल सिंह, चन्द सिंह, केसर सिंह पुत्र श्री उजागर सिंह वासी गांव जखलां, डा० मीमसां, सब-तहसील धुरी।

(ग्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
  भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्दो का, श्रो उक्त ग्राध-नियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रंथ होगा श्रो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 17 बिघा 4 विश्वा है श्रौर जो गांव जखल, सब-तहसील धूरी में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी, धुरी के कार्यी-लय के विलेख संख्या 2730, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)।

> श्चार० के० मलहोत्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण), श्चर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखा: 16 ग्रगस्त, 1979।

प्रकप्रभाइ० टी० एत० एस०--

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) र भवीन मुचना

#### भारत वरकार

कार्यातय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना

लुवियाना, दिनांक 16 ग्रगस्त 1979

निदेश सं० पटियाला/189/78-79:--श्रतः मुझे, श्राह्यः बेट सन्होत्राः

ह्मायकः आधित्यम, 1961 (1991 सा43) (जिले इसने इसके प्रश्ति 'उक्त याधितियम' पहा गया है), की धारा 200-व के अधीन समाम प्राधिकारी को यह विष्नास करने का कारण है कि म्यानर संपति जिसका इतित बाबार मृत्य 25,000% ४० त अधिक है

सौर जिसकी रां० भृभि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 0-16-69 हैस्टर है तथा को विपड़ी भाईदां, पटियाला में स्थित है (और १५)चे उनाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हो, राजिक्ट्रीकामां अधिकारों के कार्यात्रम, पटियाला में, राजिस्ट्रांकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को

पूर्विका संपत्ति के उत्तित बोजार मृहय से कम के वृष्यमान प्रतितान के लिए सन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करते का अगरण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उत्तित बाजार मृहय, उपने हुव्यभान पनिफल में, ऐसे पृष्यमान प्रतिफल का गन्यक प्रति अधिक है गीर भन्तरक (भन्तरकों) घीर भन्तरिक (भन्तरकों) घीर भन्तरिक (भन्तरकों) घीर भन्तरिक (भन्तर्यकों) चीर भन्तरिक (भन्तर्यकों) चीर भन्तरिक प्रतिकल, से निम्लिलियन टहेश्य है उत्तर भन्तरण निश्चित में बास्तिक स्तारिक का स्वारत्य का सामारिक स्तारिक स्तारक स्तारक स्तारिक स्तारक स्तारक

- (क) भ्रम्तरण से हुई किया आप की बाबत उक्त अधि-तियम के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (छ) ऐसी किसी आप या किसी धन या अस्य आस्तियो की, (जन्हें आण्नाय प्रायकर मांधनियम, 1922 १९७४२ वा ११) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ भन्तारता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः पव, उक्त ांवितास्य की धारा 269ना के अमु-सरण में मैं, उक्त प्रविनियम को धारा 269ना की उपग्रारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रेग्स्त :---

- (1) श्रीमति हरबन्स कौर पत्नी श्री ह्रस्देव सिंह ग्रेवाल वासी बिवरियां रोड़, लौहरी गेट, पटियाला । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीप्रांत रिजन्दर कौर भल्ला पत्नी मनमोहन सिंह भल्ला वासी राधोमाजरा, पटियाला । श्रीमति श्रवतार कौर पत्नी उजागर सिंह वासी बेर हाऊस, पटियाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूत्रका जारी करक इर्वाल सम्पन्त के आहेन के लिए कार्यवाकियों करता है।

उत्त सम्पति के अर्व (हे सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेर:--

- (क) इस मुजना क राजपद्म में प्रकाणन की ताशिख में 45 दिल की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर युव्वना की तत्सील से 3 । दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो के जीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किया वर्शक्त सा ;
- (ख) इस सूचना क राजपत में तकाणन का ताराव्य के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिनवज किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, पश्चोहस्ताक्षरी के जाम लिखित में कि 4 जो केंग्रिक

ह्लाइटी एरण :---दममें अगुक्त मध्दों और गयों का, जो उक्त पश्चि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही पर्य होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 0-16-69 हैक्टर है श्रीर जो त्रिपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता स्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के क्लिख संख्या 4545, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)।

> श्रार० के० मलहोता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारोख: 16 श्रगस्त 1979

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 श्रगस्त 1979

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- ४० से ग्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि का पलाट जिमका क्षेत्रफल 2 कनाल है तथा जो विपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपायत्व ग्रमुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीवकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रीविनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

(1908 का 16) के अधान, ताराख दिसम्बर, 1978 की दुर्बावत सम्पत्ति के उनित बाज र मृत्य से कम के दूरप्रधान प्रतिफत के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीनत सम्पत्ति का उनित वाजार मृत्य, उनके दूरप्रमान प्रतिफल से, ऐसे दूरप्रमान प्रतिफत का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरितों (अन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तर्ग के जिर्जावम पाम प्रविकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण निविचन में वासनिक कर में कथित नहीं किया गया है:—

- (ह) अन्तरण पे हुई हिलो आय को बाबत एक्त प्रधिनियम के ध्रधीन कर देने के ध्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ध्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रज, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित ग्यन्तियों, अर्थात् :- (1) श्रीमती जसवन्त कौर पत्नी श्री हरित्यर सिंह गरेवाल, वासी बीवरीयां रोड़, लौहरी गेट, पटियाला।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हुकम चन्द पुत्र श्री प्यारा लाल, वासी 66--बी, डी० एल० एफ०, कालोनी, पटियाला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्रजैन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षीय:---

- (क) इत पूत्रता के राजगत में प्रकाशन को लाकीय से 45 दिन की श्रवित या तस्तम्बन्धी काणित्यों पर सूचना की तागरेत ते 30 दिन को सर्वात, जो भी श्रवित बाद में समाप्त होती हा, के भोतर प्रिंवत वातियों में ने किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूजना के राजरत में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के पीतर उनन स्थावर सम्पत्ति में द्विपद किया जन्य धाति द्वारा, प्रजोहस्वाधारी के पात विजित्त में किए जा नहीं।

राज्या तरम :--इनमें प्रभूक शब्दों और पढ़ों का, जा उपत ब्रावितियम के अञ्चाय 20-मा में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस तकाहर में दिया गया है।

# घनुभूची

भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रंफल 2 कनाल है श्रीर जो त्रिपड़ी साईदा, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 4445, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)।

> श्चार० के० मलहोत्ना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 16 मगस्त, 1979।

प्रक्ष धाई ० टी ० एन ० एस ०---

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लिधयाना लुधियाना, दिनांक 16 श्चगस्त 1979

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 बिघा 3 विघवा है तथा जो गांव दंदराला ढ़िडसा, तहसील नाभा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नाभा में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और श्रन्तरक (अन्तरकों) और श्रन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:—

- (स) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उन्त प्रधिनिवस के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या प्रन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उन्त श्रीव्रिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उन्त श्रीव्रिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रश्रीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्वातः— (1) श्रीमित परमजीत कौर पत्नी सुखपाल सिंह बासी गांव दंदराला ढ़िड़सा, तहसील नाभा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सरवन सिंह पुत्र श्री नाहार सिंह, वासी गांव दंदराला ढ़िड़सा, तहसील नाभा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रज़ेन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रव्याय में दिया गया है।

# **ग्र**नुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 विघा 23 विश्वा है श्रौर जो गाँव दंदराला ढिड्सा, तहसील नाभा में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी, नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 2045, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)।

> भ्रार० के० मल होता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 16 श्रगस्त, 1979

प्रकप ग्राई० टी० एन० एस०--

आयकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के भ्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 श्रगस्त 1979

निदेश सं० पटियाला/ 186/ 78-- 79:----अतः मझे, स्रार० के० मलहोन्ना,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्दित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क्यों से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि का पलाट जिसका क्षेत्रफल 0-40-47 हैक्टर का 1/9 भाग है तथा त्रिपड़ी साईदां, पटियाला में में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर यह कि भन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाता गया प्रतिफन, निम्निविधित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रीवित्यम के भ्राधीन कर देने के भ्रग्तरक के दाांयरथ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किमो श्राय या किमी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें नारतीन श्रायकर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्थिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए

मतः अव, उन्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धर्धोन निम्नलिखित स्यक्तियों अर्थात्:— (1) श्री हरजीत सिंह गरेवाल पुत्र श्री हरदेव सिंह गरेवाल, वासी बीवरीयां स्ट्रीट, लौहरी गेट, पटियाला ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भाग सिंह पुत्र श्री पूरन सिंह, वासी नोफखाना गेट, पटियाला ।

(अ्रन्तरिती)

का यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उना सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचता के राजरत्त्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरध्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# वनुसूची

भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 0-40-47 हैक्टर का 1/9 भाग है और जो न्निपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 4498, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)।

> भ्रार० के० मलहोता; सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 16 ग्रगस्त, 1979।

प्रक्रप आई. टी॰ एन • एम •----

आयकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बाबीन सूचना

#### भारत सरकार

का**र्या**लय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 16 अगस्त 1979

निदेश सं० पटियाला/185/78→79:—-श्रतः मुझे, श्रार० के०मलहोत्रा,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन इसमें इसके प्रथमात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- अपये से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० भूमि का पलाट जिसका क्षेत्रफल 1/9 भाग 0-40-47 है कटर का है तथा जो तिपड़ी आईदां, पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रार पूर्ण रूप से विश्वत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रविकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रथीन, ररीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह परिक्रत से प्रधिक है भीर भन्तरक (प्रन्तरका) और मन्तरिती (भ्रस्तरितियों) है बीच ऐसे प्रस्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में दास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसा प्राय की बाबत, उकत प्रविनियम के प्रधीत कर देने के प्रस्तरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी खन या पन्य ब्रास्तियों, की जिन्हें भारतीय ब्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

ब्रतः अब, उक्न प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री हरजीज सिंह गरेवाल पुत्र श्री हरदेव सिंह गरेवाल वासी बीवरीयां स्ट्रीट, लौहरी गेट. पटियाला। (श्रन्तरक)
- (2) श्री गुरदेव सिंह पुत्र श्री पूरन सिंह वासी तोफ खाना गेट, पटियाला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पति के भर्जन के संबंध में कोई भी बार्जेंप :---

- (क) इ.स सूचना के राजनक्ष में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की मन्त्रि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हा, के भानर पूर्विन्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस पूचना के राजान में ब्रकाशन की तारोच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भत्ति में दिनबाद किसी अस्य व्यक्ति द्वारा प्रवाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकों।

स्पन्डीकरण:---इसमे प्रयुक्त गान्दों मीर पर्दाका, जा उन्त प्राध-नियम के प्रध्याय 20-क में करनावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिशा गया है।

### अनुसूची

भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 0-40-47 हैक्टर का 1/9 भाग है श्रौर जो त्रिपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी, पटियाला के कार्यात्य के विलेख संख्या 4497, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)।

> ग्रार०के०मलहोत्ना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 16 भ्रगस्त, 1979

प्ररूप आई० टी० एत० एस०-

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

व्यर्जन रेंज, ल्धियाना

ल्धियाना, दिनांक 16 अगस्त 1979

निदेश सं ॰ पटियाला / 198 / 78 – 79: --- श्रतः मृझे । श्रा २०वे ॰ मलहोता ।

भायकर भिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भिष्ठित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 कनाल 11 मरले है तथा जो गांव बलोड़ी, तहसील एटियाला, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वे कार्यालय, पटियाला में पडिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख दिसम्बर,

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह निश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि प्रन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के लिल ऐसे प्रन्तरक वे लिल तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिवित्र उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्य में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धस्तरण से हुई िन्सो धाय को बाबत उकत् प्रधिनियम के अतीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घना श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिविनियम, 1922 (1922 हा 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

भन: भव, उन्त अधिनियम की घारा 269-म के प्रनुसरण में, में, उक्त भिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन जिम्नलिखित स्थिनियों, अर्थात् --- (1) श्रीमित तलोप कौर विधवा स्व० महाराजा भृपिन्दर तिहर पटियल्ला जनरल श्रटार्सा श्रीमित मिनाक्षी जहल्लापुत्री पृथ्वीराज सिंह वासी कोठी लालबाग, पटियोला ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमित मुरजीत कार पूर्वा श्री नःरायण सिंह वासी पटियाला ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुबना जारी करहे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं!

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप→~

- (क) इस सूबना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोड्मताजरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रगुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धाधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभा<sup>ति</sup>त हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 कनाल 11 मरले है श्रीर जो भाव घलोड़ो, तहसील ःटियाला से स्थित है।

(न पदाद जैया कि रिजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी, पटियाला के गर्णातव के विलेख संख्या 4724, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)।

> ग्रार० के० मलहोता. सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जनरेंज, लुधियाना ।

तारीखाः 16 श्रगस्त 1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना,दिनांक 16 ग्रगस्त 1979

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भ्रधिक है

ष्ट्रीर जिसकी सं० ध्रनेक्सी नं० 1099, प्लाट नं० 35, स्ट्रीट बी, है तथा जो सक्टर 21—बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ध्रीर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिकस्ट्रीकर्सा ध्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण ध्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, तारीख जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) ध्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ध्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या धन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भ्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित ब्यक्तियों, श्रथीत्:— (1) श्रीमिति शान्ती देवी पहित श्री राम रखा मल, बासी मकान नं० 1012, सैंबटर 21-बी, चण्डीगढ ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रक्षय हान्डा (माईतर) द्वारा एन/जी व पिता श्री विद्या सागर हान्डा वासी दुदान नं० 20, सैक्टर 20-सी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शूरूक रता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इम सूत्रता के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकोंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

श्चनैक्सी नं० 1099, प्लाटनं० 35, स्ट्रीट बी, सैक्टर 21—बी, चण्डीगढ़ ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संस्था 823, जनवरी, 1978 में दज है)।

> ग्नार० के० मलहोस्ना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 16 ग्रगस्त 1979।

मोहरः

प्रकप प्राई० टी॰ एन॰ एस॰----भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, आयकरभवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1979

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिनियम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से मिनिक है

घौर जिसकी सं० 1/2 भाग दुकान है तथा जो लोहा बाजार, मण्डी गोबिन्दगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक ध्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रमलोह में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूरुय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि स्वापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखत में वास्तविक इप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रीवित्यम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाचा या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धव, उनत प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं उनत प्रधिनियम की घारा 269-घ की खपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—
7-246GI/79

- श्री बाबू राम पुत्र श्री रेलू राम, वासी लोहा बाजार, मण्डी, गोबिन्वगढ़। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कान्ता देवी पत्नी श्री दर्शन कुमार मारफत मैंसर्ज जैन श्राईरन स्टोर, बरनाला। (श्रन्तरिती)
- मैसर्ज ध्राई० एस० स्टील, कारपोरेशन, लोहा बाजार, मण्डी गोबिन्दगढ।

(बह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तस्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतरं उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्यव्हीकरण:—इसर्में प्रयुक्त मन्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीध-नियम, के भध्याय 20क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

1/2 भाग दुकान जो लोहा बाजार, मण्डी गोबिन्दगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी, अमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या 1372, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)

> ग्नार० के० मलहोता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख: 17 ग्रगस्त 1979

# त्रक्य भारे । टी॰ एन॰ एस॰---

# बायकर अभिवियमः 1961 (1981 का 43) की आरा 369व (1) के अभीन सुचना

#### पारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 17 ग्रगस्त 1979

निर्देश सं० ए० एम० एल०/97/78-79—धतः मुझे भार० के० मलहोत्ना,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य, 25,000/- व॰ से अधिक है

मौर जिसकी सं० 1/2 भाग वुकान है तथा जो लोहा बाजार. मण्डी गोबिन्दगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रमलोह में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से शक्ति है घौर घन्तरक (धन्तरकों) घौर घन्तरिती (धन्तरितों) के बीच ऐसे घन्तरक (धन्तरकों) घौर घन्तरिती (धन्तरितों) के बीच ऐसे घन्तरक के विवे तब पाया मबा प्रतिफल, निम्निफिजित उद्देश्य से उक्त घन्तरच विजित्त के बास्तविक कप से कथित नहीं किया यवा है:---

- (क) सम्परम से हुई किसी भाष की बाबत करत बाहित-नियम के भ्रष्टीम कर बेने के सम्तरक के बादित्व में कमी करने या उससे समने में सुविचा के सिबे; धीर/था
- (क) ऐसी किसी आय या किसी घन या धन्य धारितयों को, बिन्हें भारतीय घायकर घिष्टिनम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व सन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया आमा चाहिए था, स्थितने में सुविधा के बिबे;

अतः प्रव उक्त ग्रविनियम की घारा 269-ग के प्रमुतरण में, मैं, उक्त भ्रविनियम, की धारा 269-च की उपचारा (1) के ग्रवीम, निव्निजित व्यक्तियों, प्रवातः :---

- 1. श्री बन्त राम पुत्र रेलू राम वासी लोहा बाजार, मण्डी, गोबिन्दगढ़। (अन्तरक)
- 2. श्री पवन कुमार पुत्र इन्दर सैन मारफस मैसर्च जैन म्राईरन स्टोर, बरनाला। (म्रन्तरिसी)
- 3. मैंसर्ज श्राई० एस० स्टील कारपोरेशन, स्रोहा बाजार, मण्डी गोबिन्द गढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके मिश्रभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, को भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मौतर पूर्वोक्त व्यक्ति ों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रमोहस्ताकरी के पास लिखित में किये आ सर्कोंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त प्रान्तें भीर पर्दों की, जो उसत अधिनियम के मध्याय 20-क में परिमाणित है, कही भर्ष होगा, जो उन मध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

1/2 भाग दुकान जो लोहा बाजार, मण्डी गोबिन्दगढ़ में स्थित है।

(जायवाद जैसाकि रजिस्ट्रीकरत्ती ग्रधिकारी, ग्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या, 1371, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)

> भार० के० मलहोसा सक्षम भिष्ठकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुक्षियाना

तारीख: 17 भगस्त 1979।

प्रकप भाई • टी • एन • एस • —

आयकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, घायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 17 धगस्त 1979

निर्देश सं० पी० टी० एस०/195/78-79— ग्रतः मुझे ग्रार० के० मलहोता,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात, 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ ये प्रधिक है भौर जिसकी सं० भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल 2.5 मरले है तथा जो त्रिपड़ी साईदां पटियाला में स्थित है (भौर इससे उपायक अनूसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्मित के उक्ति बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्मित का उक्ति बाजार मूल्य;
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्तह् प्रतिगत से प्रविक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरन के निये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश से उक्त अन्तरण निकित में
वास्तिक रूप से कथित नहीं किया वया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी मान की बाचत, उक्त प्रश्नित्तम, के मजीन कर देने के सन्तरक के वायित्व में कभी करने ना उससे वचने में सुविद्या के सिए; भौर/ना
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी वन या घम्य झास्तियों को जिन्हें भारतीय घायकर घिविनयम, 1922 (1922 का 11) या छक्त घिविनयम, या वनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व घम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के सिए;

बताः यव, उपत प्रवितियम की बारा 269-ग के बणुवरण में, में, उथा अधितियम, की बारा 269-च की उपवास (1) के बाबीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री गुरिन्दर सिंह गरेवाल पुत्रश्री हरदेव सिंह गरेवाल वासी बीवरीयां रोज़, लौहरी गेट, पटियाला । (श्रन्तरक)
- 2. श्री तेजिन्दर सिंह पुत्र श्री ग्रर्जन सिंह वासी सामने हीरा बाग, राजपुरा रोड़, पटियाला। (श्रन्तरिती)

को यहसूचना नारी करके पूर्वीकत सम्पति के प्रजीन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पति के प्रचैत के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन की धवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिल के भीतर उन्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी सम्य भ्यन्ति द्वारा, सबोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

इसमें प्रयुक्त कर्कों और पर्वो का, को उक्त अधिनियम के इमस्याय 20क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, को उस घडमाव में दिया गया है।

# वनुसुची

भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल 2.5 मरले है भौर जो तिपड़ी साईदा, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 4678, दिसम्बर 1978 में दर्ज है)। -

> भ्रार० के० मलहोत्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: े्17 श्रगस्त 1979

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ---

बायकर अधिक्यिम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 18 श्रगस्त 1979

निर्देश सं० पी० टी० ए०/208/78-79----श्रतः मुझे श्रार**० के० म**लहोत्ना,

श्वायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से ब्रिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 8764/5 का भाग है तथा जो बराइ स्ट्रीट, नजदीक रेलवे फाटक नं० 22, पटियाला में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के पृत्यमान प्रतिकल के जिए प्रस्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकत भिक्षक है, भीर प्रस्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रस्तरित (प्रस्तरितों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिक्षित में बास्तिकक कप से कचित नहीं किया गया है :—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिथिनियम के श्रधीन कर देने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए। ग्रीर/या
- (ख) ऐसी कियो आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय स्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त स्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम को सारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपकारा (1)

- 1. श्री भार० एल० बेरी पुत्र श्री सरन दास बेरी वासी मजान नं० 26/1 लौहरी गेट, पटियाला। (धन्तरक)
- 2. श्री जय नारायण प्रकाश चोपड़ी, श्री जय गोपाल चोपड़ा, श्री यशपाल चोपड़ा, श्री हरिनदर पाल चोपड़ा, श्री कमल कुमार चोपड़ा, पुत्र श्री तजिन्दर नाथ चोपड़ा वासी मकान नं० 8764/5, बराड़ स्ट्रीट नजदीक रेलवे फाटक नं० 22, पटियाला।
- 3. श्री ड़ी० एस० सिधू, भ्रायकर ग्रिधिकारी, पहली मंजिल, मकान नं० 8764/5, बराड़ स्ट्रीट, नजदीक रेलवे फाटक नं० 22, पटियाला ।

(बहु व्यक्ति, जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति 🖁 )

को यह सूचना जारो करके पूर्वीका सम्मत्ति के ग्रजंन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सन्ति के प्रजैत के सम्बन्त में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भन्निंग, जो भी अबिख बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत शक्तियों में में किसी क्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य स्पक्ति द्वारा, अक्षोहक्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्ववद्योकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जो उक्त श्रिक्षित्यम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं वही भर्ष होगा, जो उन भ्रष्ट्याय में विशा गया है।

# अनुसूची

मकान नं० 8764/5 का भाग, जो बराड़ स्ट्रीट, नजदीक रेलवे फाटक नं० 22, पटियाला में स्थित है। ;

(जायदाद जैसाकि रिजस्ट्रीकत्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5003,जनवरी, 1979 में वर्ज है)।

> म्रार० के० मलहोत्ना, सक्षम ग्रधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, लुधियाना

तारीख: 17 भ्रगस्त 1979

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)
श्रजीत रोंज, भ्रायकर भवन, लुधियाना

सुधियाना, दिनांक 17 ग्रगस्त 1979

निदेश सं० पी० टी० ए०/208 ए/78-79—श्रतः मुझे स्रार्०के० मलहोता,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त सिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रशीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जवित बाबार मूक्य 25,900/- द॰ स अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 8764/5 का भाग है तथा जो बराड़ स्ट्रीट, नजदीक रेलवे फाटक नं० 22, पटियासा में स्थित है (भ्रीर इससे-उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, पटियासा में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृहबमान प्रतिफल के लिये भन्तिरित की गई है भीर मृते बहु विक्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृहयमान प्रतिफल से, ऐसे बृहयमान प्रतिफल का प्रवह प्रतिशत से धाबक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिशी (अन्तरितवों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया वया प्रतिकल, निम्नलिखन उद्देश्य से खक्त भग्तरण लिखित में बास्तिक कप से क्वित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरच से हुई किसी आय की बाबत उनत प्रधि-तियम, के धन्नीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी भाष या किसी धन या धन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना चाहियेथा, खिराने में सुविधा के निए;

अत्रः अव, उक्त प्रश्चितियम की घारा 26 9-ग के वनुतरण में में, उक्त प्रश्चितियम की घारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :---

- श्री रिजन्दर लाल बेरी पुत्न श्री सरन दास बेरी,
   वासी मकान नं० 26/1, लौहारी गेंट, पटियाला । (इन्हर्व)
- 2. श्री जय नारायण प्रकाश चोपड़ा, श्री जय गोपाल चोपड़ा, श्री यशपाल चोपड़ा, श्री हरिनदर पाल चोपड़ा, श्री कमल कुमार चोपड़ा पुत्र श्री जितन्दर नाथ चोपड़ा वासी मकान नं० 8764/5, बराड़ स्ट्रीट, नजदीक रेलवे फाटक नं० 22, पटियाला। (श्रन्तरिसी)
- 3. श्री डी० एस० सिधू, ग्रायकर ग्रधिकारी, पहली मंजिल, मकान नं० 8764/5 बराड़ स्ट्रीट, नजदीक रेलवे फाटक नं० 22, पटियाला। (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति ने भर्नन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप 1---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की घविष्ठ या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी घविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में है किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोद्दस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंग।

स्पडित करण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिलियम, के अध्याय 20-क में यका परिभावित हैं, वहीं धर्य होगा, जो उस धड़याय में विका गया है।

# **ग्र**नुसूची

मकान नं० 8764/5 का भाग जो बराड़ स्ट्रीट, नजदीक रेलवे फाटक नं० 22, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 4681 दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)

भार० के० मलहो हा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

तारी**खः 17 श्र**गस्त 1979

प्ररूप धाई • टी • एन • एन •

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

घर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 श्रगस्त 1979

निर्देश स० पी० टी० ए०/180/78-79—म्बतः मुझे स्रार० के० मलहोत्रा,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-द॰ से अधिक हैं।

ग्रौर जिसकी सं० भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 0-23-90 हैक्टर है तथा जो त्रिपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय पटियाला में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रविक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कावित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त श्रिष्टिनियम, के श्रिप्टीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को जिम्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

- 1. श्री गुरिन्दर सिंह गरेवाल पुत्र श्री हरदेव सिंह गरेवाल, घासी लौहरी गेट, पटियाला। (प्रान्तरक)
- 2. श्रीमित भ्रवतार कौर श्री उजागर सिंह वासी बेर हाऊस, पटियाला व श्रीमित इकवाल कौर पत्नी भगवान सिंह वासी जन कल्याण स्ट्रीट, पटियाला। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतव्हारा कार्यवाहियाँ शुरु करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकासन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्ब कि किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उक्त प्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 0-23-90 हैक्टर है भीर जो क्षिपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 4314, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)

> भार० के० मलहोत्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 18 अगस्त 1979

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, म्रायकर भवन सुधियाना लुधियाना, विनांक 18 मगस्त 1979

निर्देश सं० पी० टी० ए०/177/78-79—म्ब्रतः मुझे, म्रार० के० मलहोन्ना,

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/— रुपए से मिधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि का पलाट जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल है तथा जो त्रिपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है (भीर इससे उपाबज अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रिजस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1978

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से श्रीधक है ग्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिश्वनियम के ग्रिशीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या.
- (ख) एसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:——

- श्रीमति जसवन्त कौर पत्नी श्री हरिन्दर सिंह गरेवाल वासी बीवरीयां रोड, लौहरी गेट, पटियाला। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमित सुनीता गर्ग परनी श्री हुकम चन्द वासी बी-66, श्री एल एफ कलोनी, पटियाला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रद्ध्याय-20क में परिभाषित है, वहीं श्रर्य होगा जो उस श्रद्ध्याय में विया गया है।

# अनुसची

भूमि का पलाट जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल है झौर जो त्रिपड़ी साईवां, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 4240, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)।

> म्रार० के० मलहोता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज,लुधियाना

तारीख: 18 भगस्त 1979

प्रकृप धाई• टी• एन० एस•---

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-भ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहामक आयकर जायुक्त (निरीक्रण)

श्रर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 ध्रगस्त 1979

निर्देश सं० के० एच० श्रार०/7/78-79—श्रतः मुझे श्रार० के० मलहोत्रा,

धायकर घिषित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

मौर जिसकी सं० मकान नं० 629, फेज I, है तथा जो एस० ए० एस० नगर, मोहाली, तहसील खरड़ में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीब करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए मन्तरित की नई है भीर मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकत अधिक है और अन्तरक (मन्तरकों) भीर भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित सहेश्य से उक्त मन्तरण निश्चित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के किए; धौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी घन या घन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय ध्रायकर ध्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिविनयम, या बन-कर ग्रिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्सिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भविनियम की जारा 26% में भनुसरण में, में, उक्त भविनियम की बारा 26% की उपवारा (1) के अभीन निम्निचित व्यक्तियों, भर्मत्:---

- श्री हरी किशन पुत्र श्री चूनी लाल वासी बूथ नं०
   सँक्टर 18 सी०, चन्डीगढ़। (म्रन्तरक)
- 2. श्री द्वारका दास शर्मा पुत्र श्री हरनाम दास, श्रीमित शान्ति देवी पत्नी श्री द्वारका दास शर्मा वासी 2378, सैक्टर, 19-सी॰, चन्ड़ीगढ़। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से
  45 दिन की भविष्ठ, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी
  भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण: --इसमें प्रपुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

# अनुतूची

मकान नं० 629 फेज् 1, एस० ए० एस० नगर, मोहाली : तहसील खरकु।

(जायदाद जैसाकि रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी, खरड़ के कार्यालय के विलेख संख्या 3783 जनवरी, 1979 में दर्ज है)

> श्रार० के० मलहोत्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख: 18 मगस्त 1979

प्रकप भाई० टी० एन० एस०----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज आयकर भवन लुधियाना

लुधितिना, निनांक 18 श्रगस्त 1979

ग्रार० के० मलहोवा.

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से मधिक है

श्रीर जिलकी सं० मकान नं० 533. सैक्टर 18-वी, है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (फ्रोर इसमें उपाबढ़ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्षित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, चन्द्रोगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रक्षिनियम, (1908 हा 16) के अधीन तारीख जनवरी 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुगरमान प्रतिफल से, ऐसे दुगरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (मन्तरि-तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निमानिजित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रत्वरण में हुई किसी बाय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिप्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रिषिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

मतः मन, उनत मधिनियम की धारा 269-म मे अन्सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत् :---8-246GI/79

- THE STEEL STORT OF THE STORT OF 1. श्रीमति गरगी सीकन्ट विधवा श्री श्रो० पी० सीकन्द, कुमारी कंबल सीकन्द, कुमारी हेमा मीकन्द, पृत्तीयां श्री ग्री० पंति मीकन्द वासी 3311, मैंवटर 19-ड़ी, चन्ड़ीगढ़। (भ्रन्तरक)
  - 2. श्री गुरबचन सिंह पुत्र श्री वीर सिंह, श्रीमित णाम कीर पत्नी गुरबचन सिंह, थी सुखबिन्दर सिंह थी प्रवतार सिंह, श्री रिजन्दर सिंह पुत्र श्री गुरबचन सिंह वासी 90-ग्राई० साराफ नगर, वृधियाना । (ग्रन्तरिती)
  - 3. मैसर्ज मोहन इंडस्ट्रीज, 23, इंडस्ट्रीअल एरिया, चन्डीगढ़ (यह बालिय जिसके प्रधिभाग में सम्यत्ति है )

का यह मूत्रना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के भर्जन के निए कायबाहियां करता हूं।

उत्त गंगलि क प्रजैत के सर्वध में कोई भी आक्षेप :---

- (ह) इन सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रता के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्प छोक्तरगः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क, में परिमाधित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उम ग्राध्याय में दिया गया है।

### प्र**नुमूची**

मकान नं० 533, मैक्टर 18-वी, चन्डीगढ़। (जोयदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी, चन्डीगढ़ के विलेख संख्या 869, जनवरी 1979 में दर्ज है )

> श्रार० के० मलहोत्रा सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्राय्क्त (निरीक्षण), अर्जन रंज लुधियिना

न(रीख्न 18 ग्रगम्त 1979 मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एम०----

**भाय**कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) क अधेल मूचना

ाक्ष सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, शायकर भवन, लुश्चियाना

ल्धियाता, दिनांक 18 अगस्त 1979

निदेश सं० पी० टी० ए०/192-78-79—-स्रतः मुझे स्रार्० के० मलहोता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे एसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की शारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित विकार मृह्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिमकी सं० भूमि का पलाट जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल 13 मरले है तथा जो लिपड़ी साईदा, पिटमाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण हम में थिंगत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय पिटमाला में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्मिन के उवित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोका सम्पत्ति का जिल्ला जिल्ला में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है अन्तर

- (क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियन के अधीन घर देने क अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी ब्रांग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधितयम, 1922 (1922 का 11) य जक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधित्यम, 1967 1957 का 27। के प्रयोज थ अन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था या विका चाना च हिए धा छिपाने में सुविधा के लिए,

अवः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त धिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- 1. श्रीमित हरवन्स कौर पत्नी हरदेव सिंह गरेवाल वासी वीपरीयां स्ट्रीट, लौहरी गेट, पटियाला 1 (श्रन्तरक)
- 2. श्रोमिति इवाल कौर पन्नी श्री भगवान सिंह बासी जन कल्याण स्ट्रीट, पटियाला । श्रीमिति श्रवतार बौर पत्नी श्री उजागर सिंह वासी वेर हाऊस, पटियाला। (श्रन्तरिता)

को यह सूत्रता जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पत्ति हे अर्जन के सम्बन्ध ईभी प्राक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजात्र अपि प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: -- 3 भमें प्रपुक्त ग्रन्थों और पदों का. जो उक्त ग्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं युग्ने होगा जो उस ग्रध्याय में दिया मया है।

### अ नस् ची

भूमि का पलाट जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल 13 मरले हैं जो त्रिपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित हैं।

(जायेदाद जैसाकि रिजस्ट्रीकर्चा श्रिधकारी, परियाला के कार्यालय के विलेख पंख्या 4621, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है)।

> श्वार० के० मलहोस्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राथकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज, लिधियाना

वारीख: 18 श्रगम्त 1979

# प्रकृष भार्ड ० टी ० एन ० एम ०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रधीन भूचना

#### गारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन लुधियाना लुधियाना, दितांक 17 श्रमस्त 1979

निर्देश सं० एन० डी० एव०/155/78-79--- प्रतः मुझे ग्रार० के० मलहोत्रा,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इपए से अधिक है

र्यार जिसकी मं० कोठी नं० 136 एन० व ग्रार० का 10/13 भाग है नथा जो माइन टाऊन, नुधियाना में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध धन्सूची में यीर पूर्ण रूप में बणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी के कार्यालय, नुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख दिसम्बर 1978

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृथ्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह् भ्रतिशत से शिक्षक है और भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नविधित उद्देश्य में जबन अन्तरण विधित्त में बास्तिय रूप से कथित नहीं किया गरा है :

- (क) अर्थान से दूई किया प्राप्त की अध्वत, उक्त आधि-दिसम, क अधीन कर देने क अस्तरक के दायिस्व म कसी करने या उसमें अचने म सुविधा के लिए;
   और या
- (ख) ऐसी किसी आप पा किसी धन पा यस्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धरा-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अस्परिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अता अहिए था, फ्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त प्रधिनियत्र की धारः 269-म के अनुसरण में, मैं, जक्त मिधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नियिन्त व्यक्तियों, संवित्:--

- 1. सबं थ्रा एन्दर सैन बेरी, न्कल सैन बेरी, बाल कियन बेरी, यथा कियन बेरी, कुलदान राज बेरी, सहदेव राज बेरी, यगा कियन बेरी पुत्र गुरदास बेरी, कुमारी लीला देवी पुत्री गुरदास बेरी, यान्ति देवी पत्नी धंमें पाल मलहोत्रा श्रीमित णकुन्तला देवी पत्नी मदन लाल मलहोत्रा बासी 136 एत० व ग्रार, आङ्ग टाऊन लुधियना द्वारा श्री इन्दर सैन बेरी, नजरून ग्रांडर्ना 136-माइन टाऊन, लुधियाना । (श्रन्तरक)
- श्री हरी सिड् पुत्र जगीर सिड्, दर्शन सिड् पुत्र संतीख सिड् आसी 414, इउन्होकत एरिया 'ए', लुधियाता। (प्रतितिति)
- 4. सर्वश्री प्रप्रथा नाथ पेरी, विद्या रतन वेरी व सुभाष चन्द बेरी वासी 136 एन० व प्रार, साइल टाऊन लुधियाना । (वह व्यक्ति, जिसक वारे में अबोह्स्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

का यह सूनना जण्यो भरके पूर्वीक्त सम्मान के अर्जन के लिए अर्थसाहिया करना है।

उक्त सक्षांत के भगत के सर्वन में काई भी आक्षीप!--

- (क) उन पूजना के राजपन म प्रकाणन की नारीख से 45 प्रत की भविधि या नत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की नामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वन्ति व्यक्तियों में से किसी नाकित हारा
- (ख) इत बुबना क राजरत मंत्रकाणन को नारीख में 45 जिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब**द्ध किसी** एक्य स्थावत द्वारा, अधोतस्ताक्षरी के पास लिखिन में जिल्ला जा सकीं।

ाधीकरण:--इश्वस प्रयुक्त अध्वां भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के भध्याय 20क में परिभावित ्रवहां प्रयोशीना जो उस प्रध्याय में दिया प्रयाहित

### मनुसूची

कोंडो नं +136 एक व प्रारं का 10/13 **भाग जो** भाइल टाऊन, लुखियाना में स्थित है ।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रोकर्सा ग्रिधिकारी, लु<mark>धियाना</mark> क कार्यालय के विलेख संख्या 3632, दिसम्बर, 1978 में वर्ज ह)

> ग्रार० के० मलहोत्रा, सक्षम प्राधिकारी भहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, लुधियाना

तारीख 17 अगस्त 1979 मोहर :

# प्ररूप भाई • टी • एन • एस० ------

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के सधीन मुखना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन लुधियाना लुधियान, दिनांक 18 श्रगस्त 1979

निदेश संज पी० टी० ए०/181/78-79— ग्रतः मुझे श्रार० के० मलहोला,

आयकर ग्रांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परवात् 'उक्त ग्रांधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख़ कै ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल 4 मरले है तथा जो गांव मनील, तहसील पटियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रिजस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मून्य से कम के दूश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दूश्यमान प्रतिकल में ऐसे दूश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिय तय पाया गयाप्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से क्या अन्तरण विश्वित में वास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) पन्तरण से दूर कियो पाप का बाबा का अधि-नियम के मधीम कर देने के प्रन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुबिद्या के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी साथ या किसी घत या सन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त प्रािनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क भधीन निकालिका व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री ग्रग्वनी कुमार सिंह मरिया पुत श्री स्वा० रघृताथ सिंह मरिया वासी राघोमाजरा, पटियाला । (ग्रन्तरक)
- 2 श्रीमित गुरमीत कौर पत्नी श्री मुख्तार सिंह गिल, श्र झीशनल डिस्ट्रीकट व मैंशन जज, पटियाला । (श्रन्तरिती)

को यर् मूबना जारा करक पूर्वीका समात्ति के ग्रार्वेन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्मतिक धर्मन के संबंध में कोई भी पाक्षेप:--

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (भा) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्दस्ताक्षरी के पास तिश्वित में किए जा मकेंगे।

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों मीर पदा का, जी उक्त श्रिविषम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं. बढ़ी मर्थ होगा, जी उत मध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल 4 मरले है और जो गाँव सनील, तहसील, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी, पटियाला के कार्गालय के विलेख संख्या 4387 दिसम्बर, 1978 में दर्ज है ) !

> श्रार० के० मलहोला, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्षर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 18 ग्रगस्त 1979

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के भ्रधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यात्रक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 जुलाई 1979

निर्देश सं० मी० श्रार० 62/23112/79-80---यतः मक्षे पी० रंगनाथन,

मायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रिधिनियम' कहा गया है), की द्यारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भ्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० 277/27/27-01, है, तथा जो श्रशांका पिलर रोड, 2nd बलाक जयनगर, बेंगलूर-11 में स्थित (श्रौर इस से उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जयनगर, बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 25 दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ध्रिष्ठक है भौर धन्तरित (ध्रन्तरितों) के बीच ऐसे धन्तरित (ध्रन्तरितों) के बीच ऐसे धन्तरित के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उका प्रत्नरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उका प्रत्नरण निश्वित में वास्तविक स्था से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण संदुई किसी स्नाय की बाबत, उक्त श्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भ्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या घन-कर श्रधि-नियम, या घन-कर श्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्या था किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, म्रबं, उन्त स्रिधितयम की धारा 269-ग के स्नृत्सरण म, में, उन्त स्रिधितियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्योत्:——

- डा० श्री एच० जि० विजयराधवत रेड्डी, पुत्र श्री एच० श्रार० गुरु रेड्डी, "स्पृथि" 119, किनग्याय रोड, बेंगलूर (ग्रन्तरक)
- श्रीमती पदमावित, एव० श्रार०, पत्नी श्री एस० एन० रामचंन्द्र, नं० 59, रामैयंगार रोड, वि० वि० पुरम बेंगलूर । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजेंत के संबंध में कोई भी शक्षाप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टोकरण:---इमम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-रु में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

( ांस्तावेज सं० 2801/78-79 ता० 25-12-78) नार्थ ईस्टर्न पोर्शन ऑफ दि साइट नं० 277/27), प्रेजेंट नं० 277/27-01, अशोका पिल्लर रोड, बंगलूर, जयनगर, वेंगलूर-11

्रपु० : ग्रामोका पिल्लर रोड,

पः : नार्थ वेस्टर्न पोर्शन ऑफ साइट (पुराना नं० 277/27) भ्रौर नया नं० 277/27/02, बिलांगिंग टुश्री एच० जि० सुन्दरम रेड्डिं,

उ० : प्रापर्टी बिलांगिंग टुश्रीमती कल्याणम्मा बेरिंग नं० 276 ग्रीर

द०: सदर्न ईस्टर्न पोर्शन ऑफ साइट बेरिंग नं० 277/27 श्रौर नया नं० 277/27/0 बिलांगिंग टू श्री एच० श्रार० गुरू रेडि्ड ।

> पी० रंगानाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख 4-7-1979 मोहर : प्रकप भाई० टी० एन० एस०----

मावकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 जुलाई 1979

निर्देश सं० सी० ग्रार० 72/23109/79-80/ACQ/(E)—यतः मुझे, पि० रंगनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नंकि जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कर्न अधिक है

श्राँर जिसकी सं० खाली जगह का नं० 494, है, तथा जी 39 वां क्राँस VIII, ब्लाक, जयनगर बेंगलूर में स्थित हैं (ऑग इस से उपाबद्ध श्रनूसूची में श्राँर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जयनगर, बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) ह श्रिधीन ता० 20-12-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फान निम्नतिखित उद्देश्य मे उच्त अन्तरण निवित्त में वास्तियक का में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बावत उकत धर्धि-नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/यः
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिशीं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गम या किया आना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भनः भन, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ए के धनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन. निम्नसिबात स्वक्तियों भर्यात:—

- 1 श्री पि० ए० नंदकुमार, पुत्र पथी श्रादिनारंगपदा, (2) पि० एन० प्रशीत (Minor), rep. by his father as natural guardian श्री पि० ए० तंनंदकुमार, Both residing का १० २५२, मिलड एकून रीड, बेंगलूर 560004, (अन्तरक)
- 2. (1) श्री पी० बि० पार्था, पुत्र पथी भास्करस्था, (2) पि० पि० ग्रांके श्रोके (3) पि० पी० ग्रम्म वच्चे ऑक श्री पि० बी० पार्था, Sl. No. (3) [Minor] sop. by his father as natural guandian श्री पि० बि० पार्था all residing at No. 428, राष्ट्रीय विद्यालय रोड, व्हि० व्हि० पुर, बेंगलूर । (ग्रन्तरिती)

की यह भूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पक्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त शम्बर्तत है प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप: --

- (क) इस मूचता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 किन ही अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद नें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति इसरा;
- (ख) इस सूबना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वत्न किया प्रस्य व्यक्ति द्वारा श्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्वब्होकरण: --इसमें प्रयुक्त गब्दों भौर पदों का, जो आयकर अधिनयम के भट्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में विभा गया है।

### अनुसूचो

(दस्तावेज स० 2754/78-79 ता०

20-12-78)

खाली जगह का न० 494, 39वा कांग, VIII ब्लाक, जयनगर, वेंगल्र-11 चक्रबंदी:

पू०: खाती जगह का नं० 493, प०: खानी जगह का नं० 495, द०: खानी जगह का नं० 494 और डे॰: रोड

> पि० रंगनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजीन रेंज, वंगलूर

तारीख : **10-7-7**9

प्रकृत भाईक ही । एत । एस । ------

भागकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सुचन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायक्त (निरीक्षण)

प्रार्वन केल

बंगलूर, दिनाद 11 नलाई 1979

निर्देण सं० सी० अत्र० 72/22831/79-80/ए०सी० क्यू०(वी)---राः सुझेपी० वेदलाथनः

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1964 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रज्ञान् 'उक्त अधिनियम' उन्ना गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्तिः जिसका उत्तित बाजार मुख्य 25,000/-रूपसे से अधिक है

ह्मीर जिसकी मं० लं० 224 जिल्लामण है, तथा हो W स्टेज, इंदिरानगर, बेंगलर में स्थिए हैं (ऑस इसरे इसावड़ स्रमूची में जीर पूर्ण भए से विभिन्न हैं), एजिस्ट्रीकर्त्ता छिड़िकारी के कार्यालय, शिवाजिनगर, बेंगलूर में एजिस्ट्रीकरण स्थितियम, 1908 (1908 कि 16) के अधीन ताल 27-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित को गई है और मूले यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पत्या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्षन अन्वरण लिखित में वास्त विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसो आप की बख्त उक्त प्रधि नियम के अधीन कर देते के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में भुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राज का किसा जा जा जार पर्यक्तियों को, जिस्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त संधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा यक्तट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए :

भतः भव, उक्त भिक्षितियमं की बारा 269-म र भनुसरण में, में, उक्त श्रिवित्यमं की धारा 269-म की उपधारा (1) भवीन निभालिक व्यक्तियों, प्रशीत :---  श्री के ०एव ० ऋष्णस्वामी पुत्र के ० के ० नारायणराव, न० 221, विक्रमंगना II १९ेज, इंदिरानगर, बेंगलूर-38। (भ्रन्तरक)

2. श्रीमती फातिमा पत्नी श्री अब्द्ल रहमान नं० 94 माथिपेट, वितामणि, कोलर जिला (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के श्रर्जन के लिए चर्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूबता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताझरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्ववदीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अन्सूची

(दस्भावेज मं० 2777/78-79 ता० 27-12-78) विविद्या तं० 224, विश्वमंगला 2nd स्टेज, छंदिरानगर, वगलूर,

च स्बंदी :

पु०:खाली जगहका नं०215. उ०: ,, ,, ,, ,, 223

द्रः ,, ,, ,, 225

प० : गोइ ।

पी० रंगानाथन, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

नारीखा: 11-7-1979

प्ररूप भाई०टी • एन • एस ० -----

आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के श्रधीम सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 17 ज्लाई 1979

निर्देण सं ० मी ० अपर ० 72/22806/79-80/ए०मी०क्यृ०/ वी ०—यतः मुझे पि ० रंगानाथन,

भायकर ग्रिघिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के श्रिधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से श्रीधक है

भीर जिसकी सं खाली जगह फा नं 140 है, तथा जो बिझ-मंगला ले-औट, इंदिरानगर, बेंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, णिवाजिनगर, बेंगलूर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ना 19-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार पूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठिक है भीर ग्रन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निखित्र में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपये बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्ररोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिका के लिए;

अत: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवीत:---

- 1. मेजर के ० जे ० थामम (रिदायर्ड) बी ०-20, स्पार्टन एन क्लेब, इंक्कन कांलेंज, रोड, पूना-411007 (धन्तरक)
- श्रीमित पदमे वसंयादेवि यावकृष्ण पिल्लै, नं ० 28, जनन-त्रलत दमनशारा डैरस, कौलालंपुर, मलेणिया (अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उना समाति के अर्जन के मंबंब में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूबना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अबिष्ठ, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्पब्टोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त भिधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

### अनुसुधी

[दस्तावेज सं० 2607/78-79 ता० 19-12-1978]

खाली जगह फा नं 140, विश्वमंगला लेओट, नौ काजल डिकेन्स कालोनी, इंदिरानगर, बेंगलूर-38।

च हबंदी :

पू०: खाली जगहकानं ० 139,

प०: खाली जगह का नं० 141

उ०:खाली जगहका नं ०115 श्रीर

द०: 30 रोड,

पी० रंगानाथन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 16-7-1979

# प्रक्य आई० धी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269 घ(1) के मधीन मूचना

भारत यरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 19 जुलाई 1979

निर्देई सं क्सी क्यार क 62/23084/79-80/ए क्सी क्यू क (बी क)—यत: मुझे पी करंगानाथन,

अस्य कर बाधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस में इस क पश्चाक् 'उन्त धाधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 17/2, वर्च रोड है, तथा जो बसवनगुडि बेंगलूर डाक्सेंट नं० 33 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बसवनगुडि, बेंगलूर, में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन ता ० 27-12 1978 की पूर्वीक्त संगीत के उचित आजार नृत्य म कम क दृश्यमान प्रतिकृत म लिए प्रन्तरित की गई है और मुस्ने यह विश्यास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और पन्तरक (भन्तरकों) और मन्तरितों (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तयपाया गया प्रतिकृत, निम्नोलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण, सिखित में बास्तविक हम से क्षित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उकत भ्रधिक निषय के अधीन कर देने के अञ्चरक के दाधिक्य में कभी करने था उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसो आय या किसी धन या प्रन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय भागकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया या किया जाना चाहिए था. फिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त भिधितियः की धारा 269-ग के धन्-सरण में, में, उक्त अधितियम की बारा 269-थ की उपनारा (1) के भिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—— 9—246G1/79

- श्रोवनी मुरिया जजीन, पुत्री श्री ध्रगुल खुद्दुम खलील, नं ० 12, उमर गरीफ रोड, बप्तवनगुडि, बेंगलूर-4 (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती इक्तबालुन्निया, पत्नी, श्री श्रब्दुल खलील, मुसलिम ब्लाक कलनकपुरा, बेंगलूर (श्रन्तरती)

को यह युवनाजारी करके पूर्वीका संपक्ति के भर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के प्रजैन के तंबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में त्रकाशन को तारीख से
  45 विन की धविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना
  की तामील न 30 दिन की धविधि, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भावर पूर्वीक्त नाक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के पाजाल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मातर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधाहस्ताक्षरा क पास लिखित में किए पा नहींने।

स्पष्टीकरण: ---इसमें अयुक्त गर्का भीर पर्वा हा, जो उक्त अधि-ियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है बही जर्म होगा, जा उत अध्याय में विया गर्वा है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3085/78-79 ता० 27-12-1978) नं० 17/12, चर्चरोड, बसवनगुडि, बेंगलूर डाकूमेंट नं० 33) चक्रबंदी:

पूर्वः चर्च रोष्ठ

प ॰ : प्राइवेट प्रापर्टी,

उ०: श्री अब्दुल खुदुस प्रापर्टी और

द०: कॉमल घासेज

पी० रंगानाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 19-7-1979

प्रारूप आई० टी० एन० एस०---भग्यकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्रण)

भ्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 23 जुलाई 1979

निर्देश सं०सी० भार० 62/23300/79-80/Acq/B—यतः मुझा पि० रंगानाथन

भायकर भिन्नित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिन्नियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिन्नित सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- वेपए से भिन्नि है

षीर जिसकी सं० 389/44, है, तथा जो 19 मेन रोड बनाक राजाजीनगर, बेंगलूर 560010, में स्थित है (भीर इसने उाबद्व अनुभूची में श्रीरपूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रक्षिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर बेंगलूर दस्तावेज सं० 4203/78-79 में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन ता० 24-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिमात से घष्टिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण निमिखत में वास्तविक कप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, छन्छ स्रिधिनयम के स्रिधीन कर देने के घन्तरफ के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या धन्य घास्त्रयों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रंधिनियम, या धन-कर ग्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, डिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धन, उन्त धिविनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 9-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- श्री ग्रार०पलिन्स्यामी सं० 66, 2nd कास हचिन्स रोड राकस्टनषण बंगलूर (ग्रन्तरक)
- 2 श्री एन चकरापानी श्रीमती सि० सारोजा पत्नी एन० चकरापानी सं० 389/144, 19 मन रोड ब्लाक राजा-जीनगर बेंगलूर-10 (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पादीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्ष होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

# बनुसूची

(दस्तावेज सं० 4203 ता ० 24-1-79) घर सम्पति सं० 389/44 19 मेनरोड बनाक राजाजीनगर वेंगलूर 560010

> पी० रंगाना**थन** सक्षम प्रा**धिकारी** सहायक प्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बंगलूर

तारी**ख**: 23-7-79

# प्ररूप भाई• टी• एन• एस•---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के प्रधीन स्थना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 8 जून 1979

सं० 890---यतः मुझे बिं े वि० मुख्याराव, श्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-को ने प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रु० से मधिक है,

भीर जिसकी सं० 23-17-12 सी है, जो बिजयवाड़ा में स्थित है (धौर इससे उपाबिज धनूसूची में घौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-12-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पंचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एन्द्र प्रतिशत के अधिक है भौर अस्तरक (अन्तरकों) भौर बन्तरिक्ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि किन्तिलिबत उद्देश्य से उका अन्तरण विश्वित में वास्तिवक कप के किंबत नहीं किंबा गया है:---

- (क) ग़न्तरण से दुईं किसी भाग की बाबत उक्त आधि-नियम के भ्रक्षीन कर देने के भ्रम्सरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए। भीर/मा
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी भन या प्रत्य भास्त्यों को, जिस्हें भारतीय भायकर मिश्रितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिश्रितियम, या धन-कर भिश्रितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचे अस्तरित्री द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना सिहिए चा, छिपाने में सुविधा के सिए;

प्रतः प्रत्र उस्त मिश्रिनियम की धारा 269-म के मनुसरण में, में, बबत प्रधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्री डि०वेंकटानरमायाजू मद्रास (भ्रन्तरक)
- (2) श्री बी० ग्रन्ताराव विजयवाडा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भा बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की शबीब या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत भविनिधम के प्रध्माय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं भवें होगा जो उस मध्याय में विवा गया है।

#### अनुसूची

विजयवाङा रजिस्ट्री ग्रिधिकारी से पांक्षिक ग्रंत 15-12-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं ० 5439/78 में निगमित अनुसूची सम्पत्ती ।

> बि०वि० मुख्याराय, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीखा: 8-10-1979

प्ररूप पार्ड के दी • एत • एस • -----आयकर भ्रोधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यामय, सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज

काकी नाडा दिनांक 8 जून 1979

सं० 891—यतः मुझे बि० वि० मुख्याराय, भायकर धोटिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधान 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की घारा 269-ख ने अधीन सक्षप प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारक है कि स्थापर सन्यत्ति, जिसका खिलत बाजार मूल्य 25,000/-इ० से अधिक है

जि को सं० 113 है, जो तेनाली में स्थित है (घौर इसमें उसबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, तेनाली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 27-12-78

की पूर्विकः परपत्ति के उत्तित बाबार मून्य से कम के बृश्यमान अस्तेफल के लिए सन्तिरित की गई है भीर मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पत्ति का लिखत बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान धतिकल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रक् प्रतिमत्त से पश्चिक है और अस्तरक (भन्तरकों) जीर एस्विक्ति (भन्तरितिमों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निस्नलिति उत्त्य से उन्त अन्तरण लिखित में वाक्तर्यक स्प से काबात नहीं। कमा गया है:—

- (त) प्रश्तरण से हुई किसी बाय भी बाबत, सकत प्रधितियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में तमी करने या अससे बचने में स्विधा के सिंध; और/मा
- (ख) ऐसी किसी भाग था किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय-का प्रधितियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधितियम, या धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिकी हारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना बाहिए बा, छिनाने में सुविधा के सिए;

श्रष्ट। वाष, उनत गाविनियम की बारा 269मा के अमुसरण में, मैं उनत धीविनियम की धारा 269मा की खपधारा (1) के असीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रोटि ० त्रें कटासिवालक्ष्मी पति टि० देंकटानाग सूर्य-ा रायग (3) टि० त्रेंकटा नागप्रसाद, तेनाली। (ग्रन्तरक)
  - (2) सि॰एच॰रंगय्या तेनाली (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी भरके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धासीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विश की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के घोतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूथना के राजपत्त में प्रकाबन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवड़ किसी अन्य स्थक्ति द्वारा धन्नोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकेंगे।

स्पच्छीकरण :---इत्तर्में प्रयुक्त शक्यों घीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के ग्रष्ट्याय 20-क में परिचाणित हैं, वहीं अर्च होता, जो उस ग्रध्याय में विवा गवा है।

## अनुसुची

तेनाली रिजिस्ट्री श्रधिकारी से पांक्षिक श्रंत 31-12-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3036/में निगमित श्रनुसूची संपत्ति ।

> बि० वि० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 8 जून 1979

प्रकप बाई • टी • एन • एस • ----

अध्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धार। 269-च (1) के सम्रीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज

काकीनाडा, दिनांक 2 जलाई 1979

सं० 892, दिनांक यतः मुझे बि० वि० सुव्वाराव, धायकर ग्राधितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उकत अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख क ग्रधीन तथाम गाधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्राधिक है

ग्रीर जिकी सं० है, जो णिखपटनम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, विशाखापत्नम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 14-12-1978

को पूर्वोक्त प्रस्ति के उधित बाबार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए प्रत्नरित की गई है यौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाबार मूल्य उसके वश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भौर प्रस्तरक (मन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिफल, निम्निस्थित उद्देश्य से उक्त भन्तरण विश्वासत में बान्तविक कप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भिधिनियम के अजीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए भौर/या;
- (मा) ऐसी किशी आप या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः भव, उनतं भिन्नियमं नी धारः 269-म के धनुसरन में, मैं, उनतं भिन्नियमं की धारा 269-म की उपधारः (1) के भवीन, निन्निसिखिए न्यन्तिमों, धर्मानः---

- (1) श्री मिलापचंद जैन, मनोरमा होटल के पास, बांदेर रोड, विशाखापटनम (ग्रन्तरक)
  - (2) श्रो वयालाल पटेल ग्रनकापल्ली, विशाखापटनम (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारो करकं पूर्वीक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त पम्पत्ति के ग्रर्बन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप---

- (क) इप मूचना के राजपात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त, होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (स्र) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

•पष्टीकरण:—-इनमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का जो उक्त प्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

बंजाग रिजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रनुसूची श्रंत 15-12-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 7709/78 में निगमित श्रनुसूची संप्पती।

> बि० वि० सुब्बाराव सक्ष्म प्राधिकारी सहायक प्रायक्षर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज काकीनाडा

नारीख: 2-7-1979

प्रकृप भाई० टी० एत० एत०----

आयरार प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की ब्रारा 269-व (1) के भ्रष्टीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 2 जुलाई 1979

सं० 894-यतः मुझे बि० वि० सुब्बाराव, अधिनियम, भायकर 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मुल्य 25,000/- रुपए से मधिक है ग्रौर जिसकी सं० है, जो विजयवाडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 6-12-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिठ उद्देश्य से उपत धन्तरण लिखित में

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त मित्रियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या

वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

(क) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिलियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिवित्यम, या धन-कर मिलियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के निए;

भ्रतः भ्रम, उन्त भ्रमिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त प्रश्निमियम की घारा 269-व की उपवादा (1) के भ्रभीन, निम्नसिबित व्यक्तियों, भ्रमीत:—--

- (1) (i) श्री बललूरि धनलक्ष्मी, श्री वेंकट सुब्बाराव को पुत्री, (ii) सार्माज्यम, रक्षाकर्त्ता वेंकट सुब्बाराव (iii) वि० वेंकट सुब्बाराव, पिता: बसवय्या ज्योंति तियेटर, पटमट लंका, विजयवाडा (ग्रन्तरक)
- (2) श्री गंडपु श्रीहरि राव, पिता मानिक्याल राव, चिरंजीवि गंगाधर राव, रक्षाकर्त्ता मानिकयाल राव, कपसाबारि वीदि, गवर्मरमेंट, विजयबाडा (श्रन्तरिती)

(3) (i) मेसर्स वेकट कनक दुर्गा श्राटोमोबैल्स,

(ii) मेसर्स सायबाबा इंजीनियररिंग वर्बंस, (iii) श्रीलकक्ष्मी टिनेंग वर्कंस (iv) श्री श्रीनिवास डीसेंल वर्कंस (v) कुमार इंजीनियरिंग वर्कंस (vi) दि इनस्टिट्यट ग्राफ वेंक्सं (वह व्यक्ति जिसके श्रिधमोग से संपति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उन्त सम्पत्ति के भजेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 विन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
  भवधि याव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकामन की तारी ससे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही पर्य होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री श्रिधिकारी से पाक्षिक श्रंत 15-12-78 पंजीकृत दस्तावेज नं० 5334/78 में निगमित श्रनुसूची संपत्ती।

> बि० वि० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी, महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज काकीनाडा

तारीख: 2-7-79

प्रकप आई. डो. एन. एस :----

मार्यकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रकीन नूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज

काकीनाडा, दिनांक 6 जुलाई 1979

सं० 893—यतः मुझे बि० वि० सुब्बाराव धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजारमूक्य 25,000/- क्पने से प्रधिक है भीर जिसकी सं० 12/38 है, जो ऐलूस रोड, गुडिवाडा में स्थित है (और इससे उपावज्ञ श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से धणित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय मिछलीपटनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1980 (1908 का 16) के श्रधीन 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य में कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्रह प्रतिशत से श्रीक है भीर भन्तरक (भग्तरकों) भीर भन्तरिती (अग्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अग्तरण लिखित में बास्तिविक इप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रत्नरण न हुई किया पाय की बाबत, उकत अधि-नियम, के घंधीन कर देने के धन्तरक के दायिक्ष में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बोर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भाय भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अध्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया बाना नाहिए या, खिनाने में सुविधा के लिए;

मनः अब, उनत प्रधिनियम की धारा 269ना के धनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की घारा 260न्य की उपधारा (1) के प्रशीस निम्नलिखित व्यक्तियों, त्रथांत्:---

- (1) श्री मुन्ता नागेस्वर रव, गुडिवाडा
- (i) श्रीमती मुन्ना काशी श्रन्नपूर्णममा, गुडिवाडा (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती डाक्टर ए० गारदा, शारदा नर्सिग होम चीराला
- (ii) श्रीमती यम० पुष्पा बालक्कष्ण रोड नंबर 2. प्लाट नंम्बर 58 मारेडपल्ली, सेंकदरबाद-26 (श्रन्तरिती)
- (3)(i) बोप्पना लकक्ष्मी सर्स्वती देवी, बेल्लारी (ii) बि० बि० वि० ब्रह्मेस्वर राव, (iii) बि० देवेंद्र प्रसाद (iv) बि० रादाक्रुष्णमूर्ति (v) मांगठि लकक्ष्मी (vi) पर्वतनेनि रंग राव (vii) पर्वतनेनि ब्रह्मया गोरी शंकर टाकीस के भागस्तियों गुडिवाङा (व्यक्ति जिसके बारे में स्रधोस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह पूजना जारी करके पूजीका सम्पत्ति के **मर्जन के लिये** कार्यवादियों करता है।

उन्द सम्पत्ति के प्रजेत के मध्यन्त्र में काई वी साक्षेत्र:-

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा:
- (का) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा धन्नोहस्ताक्षरी के पास विकात में किये का सकतें।

हराव्यक्तिकरण:---इसमें प्रमुक्त कन्दों और पर्वो का, जो उक्त श्रीव-नियम के शक्याय 20-क में येका परिवाधित हैं; बही सर्वे होगा को उस सक्याय में दिना बना है।

# यसुपूची

मचिलीपटनमं रिजिस्ट्री ग्रधिकारी से पाक्षिक ग्रंत 15-12-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4279 में निगमति अनुसूची संपत्ति ।

> बि० वी० सुब्बाराव, सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, काकीनाडा

तारी**ब**: 6-7-1979

मोहरः

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

भावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के मिनी सूचना

भारत सरकार

कार्यामय, सहायभ प्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज

काकीनाडा, दिनांक 6 जुलाई 1979

सं० 895—यतः मुझे बि० वि० सुब्बाराव, भायकर भ्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रक्षितियम' कहा गया है), की घारा 269-स के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका कारण है 25,000/-मुल्य रूपये से श्रीर जिसकी सं० 7843 है, जो मंगलगिरि में स्थित (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय मंगलगिरि में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिसम्बर 1978 को सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से बुश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिसत से भ्रधिक है भौर धन्तरक (धन्तरकों) मौर धन्तरिती (धन्तरितियों), के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नद्वीं कियागया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त प्रधि-जियम, के मधीन कर देने के भ्रन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या भ्रमकर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ण के प्रतु-सरण में, मैं, उक्त ध्रधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के श्रक्षीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात्:

- (1) मैंसर्स वेंकान फुड प्राडक्टस (प्राइवेट लिमिटेड मंगलगिरि, गुटूर जिला (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स स्पेन्सर एण्ड कंपनी लिमिटेड, रिजिस्टर्ड भ्राफिस 769, अन्ना सलाय पोस्ट बाक्स नं० 301 मद्रास-2 (भ्रन्तरिती)

को पड़ सूचना जारी उरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्मन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उका सम्पति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेत्र :----

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रशीय या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवित जो भी श्रवित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रपुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त स्रोध-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही स्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

## अनुमुची

मचिलीपटनम रिजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक ग्रंत 31-12-78 पंजीकृत दस्तावेज नं० में निगमित श्रनुसूची संपती ।

> बि० वि० सुझ्बारान सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 6-7-79

#### प्रकृष जाई • टो • एत • एस • ----

## भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की बार। 289भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज

काकीनाडा, दिनांक 10 जुलाई 1979

मं० 899—गतः मुझे वि० वि० मुख्याराव, प्रायकर श्रीविनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- स्वयं से प्रधिक है

ग्रीर जिमकी सं० 32-29-5 है, जो ऐंलुक्रोड, विजयवाडा में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबड़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक दिसम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृक्यमान प्रतिफन के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विषवाम करने का कारण है कि यथापूर्वोकन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत धाधक है और अन्तरक (धन्तरकों) भीर भन्तरितों (धन्तरितियों) के बीच ऐसे यन्तरण के लिए त्रय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त धन्दरण लिखन में वास्तिक कृप ने क्यान नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रम्तरण से दुई किसी भाग की बाबत, उक्त भ्राधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के बाधित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुक्किश के लिए; भ्रोश/या
- (ख) ऐसी किसी धार या किसी धा या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय धाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त स्थिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाम बन्दिरों हारा प्रकट नहीं किया सपा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रवः श्रव, उक्त श्रविनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रविनियम, की धारा 269-थ की उपपारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयोत :---

- (1) श्री कोल्लिपरा रामकृष्ण पिता : सत्यनारायण, 14-13-12 हतुमानपेट विजयवाडा (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती चिंतपल्लि लीला, पति : डाक्टर सिट्टच, सुधाकर राव, रामचंद्राराव रोड, सूर्यरावपेट विजयवाडा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत क्यान्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उत्तन स्थावर सम्पति में हिन्ब ह किसी मन्य व्यक्ति शारा, अधीर्म्तालारी के तथ लिखित में तिल् का नकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसर्वे प्रयुक्त शब्दों भ्रीर नदीं का, जो उम्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाविम हैं, नहीं प्रयोगी, जो उस धांध्याय में देवा गर के।

#### अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री श्रधिकारी से पक्षिक ग्रंत 31-12-78 में पंजीकृत नं 5480/78 में निगमित श्रनुसूची संपत्ती।

वि० वि सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

नारीख: 10-7-79

मोहर :

10-246GI/79

प्ररूप आई • टी • एन • एस • ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज

काकीनाडा, दिनांक 10 जुलाई 1979

सं० 900—यतः मुझे बि० वि० सुब्बाराव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की छारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मृस्य 25,000/- वपये से प्रधिक है और ग्रौर जिसकी सं० 27-1-24 है, जो ऐंलुक रोड विजयवाडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्वर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिता बाजार मृस्य से कम के दिशास स्वत्रिक की ग्रीर सब्देश की ग्री

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भिध-नियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम; 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रिवित्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए:

भतः, भवः, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म के भनु-सरण में, में; उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा के अधीन निम्माशिवात व्यक्तियों, (I) अर्थात् :---

- (1) श्री चलसानि सीतारामम्मा पिता : शेशगिरि राव, शेशगिरि निलयम पीसुपाटिवारी गल्ली, सूर्या राव पेट, विजयवाडा-2, (श्रन्तरक)
- (2) श्री (ii) सोमयाजुला वेंकटा शेशगिरि राव, पिता: वेंकटा सुब्रह्मन्यम श्रदिशेशय्या गल्ली एस० एन० पुरम, विजयवाडा,
- (ii) सोमयाजुला लकक्ष्मीनरिसमहा मूर्ति, पिता : वेकटा सुब्रहमन्यम श्रविशेणस्या गल्नी सत्यनारायण पुरम (ग्रन्तरिती)

को यहसूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन को वारीब से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो की भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

रवसीकरण:---द्रपर्ने प्रयुक्त शक्त्रों और पदों का, जो उनत मधि-नियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

#### ध्रमुस्ची

विजयवाडा रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पाक्षक ग्रंत 15-12-1978 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 5565 ग्रीर 5566/78 में निगमित श्रनुसूची संपत्ती।

> वि० वि० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीखा: 10-7-79

### प्रकर बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर अधि**नियम, 1961 (1961 का 43) की बारा** 2**69व (1) के प्रधीन सूचना** 

#### भारत सरकार

कार्यालय, नहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षक)

ंग्रर्जन रेंज

काकीनाडा, दिनांक 10 जुलाई 1979

सं० 898---यतः मुझे बि० वि० सुब्बारावः, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' नवा गया है), की छारा 269-का के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारन है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से प्रधिक दै

भ्रोर जिसकी सं० 11-35.6/3 है, जो कोटमराजुवारि गल्ली विजयवाड़ा में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उतित ना नार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित को गई है जौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिश्व से प्रविष्ठ है और धन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरित (धन्तरियों) के बान ऐसे अन्तरक सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से सक्त धन्तरण निचित में बास्तिक कर से कथित नहीं किया यथा है।---

- (क) जन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत अक्ट बाबि-नियम, के प्रधान कर देने के घन्छरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा से निए! भीर/मा
- (ख) ऐसी किसी बाय या कियो बन या घन्य मास्तियों को, बिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, जिपाने में सुविज्ञा के लिए;

अतः प्रम, उन्त अविनियम की घारा 26 के मनु-सर्च में, में, उन्त अधिनियम की घारा 26 के ब की उपवारा (1) के अधीम निम्नजिखित व्यक्तिमों, अर्थात्:—

- (1) श्री काजा आजनेयुलु पिता : श्रीरामुलु () काजा श्रीराम मूर्ति (iii) काजा बालकृष्णराव (iv) काजा राम्मोहन राव (कपड़ों का व्यापारी) 184-बी वस्त्रलता, विजयवाड़ा-1
- (2) श्री रमेषचन्द्र दयालाल ग्रोर मन्भाय दयालालपा, 11-35-6/3 कोटमराज्यारी गल्ली विजयवाडा-1 (ग्रन्तरिती)
  - (3) मेसर्स षा ईश्वरलाल विडलाल विजयवाडा (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग से संपत्ति है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इन सूबना के राजरत में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी शविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज में 45 विन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरूताक्षरी के पास खिकात में किए जा सकेंगे।

स्वस्तीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के धाश्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अबं होगा, जो उस ग्राह्याय में दिया बया है।

#### अनुस्ची

जित्रयक्षाडा रजिस्ट्री मधिकारी से पक्षिक ग्रंत 31-12-1978 में पंजीकृत नं० 5965/78 में निगमित भ्रनुसूची सम्पत्ती।

> बि० वि० सुब्बाराव, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 10-7-1979

मोहरः

प्ररूप आई• टी०्न• एम•<del>----</del> भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **धारा** 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रव, तहावक म्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोषाल भोषाल, दिनांक 23 जलाई 1979

निर्देश सं० आई० एस० सी० एक्सी भोषाल 79-80/ 1301—अत: मुझे बी० एस० राव, आनकर अविनियन, 1951 (1961 का 43) (जिये इसर्ने इसके प्रवान 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्भित्त निषका उचित बाजार मून्य 25,000/- ५० में विधिक है,

भ्रांर जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो बालाभाट में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनूसूची में भ्रांर पूर्ण रूप से विणत है), रिजर्स्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, बालाभाट में, रिजर्स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 14-12-1978

का नुवारत ले ति के उवित बागार मृत्य से कम के दृश्यतान शतका है जिए यन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान श्रीतफल ता, ऐसे दृश्यमान श्रीतफल का पन्त्रह्व प्रतिकृत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) ग्रीर भन्तिरित (अन्तरितिवों) के बीच ऐसे भन्तरण है जिए तथ पामा गया श्रीतिकृत, निस्तिविवत उद्श्य स उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिविक का से कथित नहीं किया गया है:—

- (स) अन्तरण स दुई किसी मान को बावत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देन के प्रश्तरक के दायित्व में कमा करण या उससे बचने में सुविधा के लिए; जोर/या
- (च) ऐसी किती प्राय या किती बन या अन्य भ्रास्तिमां की, जिल्ह भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) जा उक्त अधिनियम, या धन-का अितियम, 1857 (1857 का 27) के प्रस्तवास अन्तरियों होरा प्रकट नहां किया ग्रमा धा या किया जाना चाहिए था, धिपाने में स्विका के लिए;

अतः अव, उका अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-गण्ण में में, उपत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ब्यक्तियों, भर्मात्!--

- श्रोमतो लीलावती बाई विधवा पत्नी श्री सूरज प्रसाद तिवारी, 3 मई, नह बारासिवनी जिला बालावाट (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती हंसा गाँरी पत्नी श्री मगनलाल बेगड़ उमरेड जिला नागपुर (महाराष्ट्र) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपति के धर्जन के लिए कार्यपाहिया करता हुं:

उका संपत्ति ह भाजे। के संबंध में को असे आक्षेप :---

- (क इस नूचा के राजान प प्रकाशन को नारोज अ 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यवित्ता पर मूचनः की तासील स 30 दिन की भवति, का भी अवधि बाद में पमाप्त होती हो, के गोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजाद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर मंम्यान में हित-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहण्याकों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साब्दोफरण : --इसमें प्रयुक्त जब्दों और पदों का, जा उक्त श्रीशिक्षम की श्रद्धाय 20-क में परिमाधित हैं, बोक्स होंगा जो, उस झध्याय में दिन गया है।

#### अनुस्दो

मकान नं० 64, का भाग वार्ड नं० 11, स्थित खसरा नं० 372 ऐ० व 372/2 ए बालाधाट।

बी० एल० राव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 23-7-1979

मोहरः

प्रकृप पाई० ही० एत० एतः -------

आयकर पिश्तियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 2698(1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक धायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेज

भोपाल, दिनांक 23 जुलाई 1979

निर्देण सं० ग्राई० ए० भी० /एक्बी/भोपाल 79-80/ 1302--- ग्रतः मुझे बी० एल० राव, नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269 ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि एक वर्ष सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रू० में प्रधिक है और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो बालाघाट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रोर पूर्णक्य में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधकारी के कार्यालय, बालघाट में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 13-12-1978

को पूर्वास्त वनाति के उधित शत्रार पर्न्य से कान के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथ। पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्र याचार मृत्य, उसके इंग्यनान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिकल निम्नितिवित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिचित में वास्तविक क्या से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रान्तरण संहुई किसी आयं का बाबा, उस्त अधि-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के प्राप्तिक में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और,या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन म अन्य प्रास्तियों को. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः ग्रंब, उक्त ग्रंधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रंधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित ब्यक्तियों, अर्थात्:——

- प्रनुज तिवारी पृत्र सूरज प्रसाद तिवरी, 3 मई तह वारामिवनी जिला बालाघाट (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती हंसा गौरी पत्नी श्री मगन लाल वेंगड़, उमरेद, जिला नागपुर (महाराष्ट्र) (अन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वाका सम्पत्ति के धर्णन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (त) इस सूचना के राजनल में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत का किसों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किनी प्रत्य व्यक्ति हारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकींगे।

स्पन्डोकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दां भीर पर्दो का, आ उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होता, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान नं॰ 64 का भाग, वार्ड नं० 11, प्लाट वियारिंग खसरा नं० 372/1न ए० व 372/2 ए पर स्थित, पी० एच० नं० 13/2, बालाघाट ।

बी० एल० राव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 23-7-1979

प्ररूप ग्राई० टी॰ एन० एस॰---

म्रायकर म्रिमित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 23 जुलाई 1979

निदेश सं० आई एँ० सी०/एक्सी०/भोपाल 79~80/
1303—प्रतः मुझे बी० एलं० राव,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम, कहा गया है), की बारा
269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो सतना में स्थित है
(और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय, सतना, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन,
12-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह यिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरित्यों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक इप से किंवत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उकत, प्रधि-नियम के प्रधीत कर देने के घन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ब) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें, भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुबिक्षा के लिए;

ग्रतः, ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-मरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-श की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- 1. (1) ठाकुर दास पुत्र श्री ईधन दास व (2) श्री शान्तू लाल पुत्र सेवाराम, रघुराज नगर, सतना । (अन्तरक)
- 2. (1) उद्याराम पुत्र श्री म्रालम चन्द्र (2) श्रीमित गोपी बाई पित श्री म्रामनदास व (3) श्रीमित रुकमणि बाई पित श्री ईण्वरदास, रघुराज नगर, सतना (अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी भन्य क्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रांशिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### मनुसूची

मकान नं० 180/1247, वार्ड नं० 15, नया नं० 151, वार्ड नं० 17 बिशरिंग खपरा नं० 458/10, भैंसा—खाना वार्ड, तह० रघुराज नगर, जिला सतना।

बी० एल० रावः सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त) ग्रर्जन रेंज भोपाल,

दिनांक: 23-7-1979

## प्रकप बाई०टी० एन∙ एस०----

## मायकर मधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269 म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

## भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 23 जुलाई, 1979

निदेश सं० ग्राई० एे०सी०/एक्वी०/भोपाल 79-80/ 1304-श्रतः मुझे बी० एल० राव,

श्रायकर श्रिषितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के श्रिष्ठीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क से श्रीष्ठक है

श्रीर जिसकी मकान (भाग) हैं, तथा जो रायपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण के रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधकारी के कार्यालय रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 17-2-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भग्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पम्बद्ध प्रतिशत से प्रविक्त है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितगों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अग्तरण लिखित में बास्तिक कप से क्यित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिवियम के भ्रशीन कर देने के श्रन्थरक के दायित्व में कभी करने या ग्रससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (च) ऐसी किसी माय या किमी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत भिनियम या धन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रव, उक्त प्रविनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण में, में, उक्त प्रविनियम की बारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिमें,प्रवीतः---

- श्री नजीरूर रहमान पुत्र श्री प्रब्युल्ला, रेडियो का व्यापारी भूमि स्वामी, बुधापरा, रायपुर। (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्री बदस्दीन पुत्र हबीब वेलजी (2) श्री फतेह ग्रली पुत्र श्री हबीब वेलजी द्वारा गोवावाला फुटवियर णाप, जयराम टाकीज के पास शारदा चौक, रायपुर (ग्रन्तिरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के निये एतक्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
  हितवद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के
  पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्वध्होकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दी का, जो उक्त श्रिषिनियम के भ्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टाय में दिया गया है।

### श्रनुसूची

मकान का भाग सम्पत्ति स्थित नजूल ब्लाक नं० 77, प्लाट नं० 2/26, पुरानी पुलिस लाईन, जी० ई० 215, 'जयराम टाकीज'' के पास, रायपुर ।

बी० एल० राव, सक्षम प्राधिकारी, (निरीक्षी सहायक म्रायकर म्रायुक्त) म्रर्जन रेंज भोपाल,

दिनांक : 23-7-1979

मोहरः

प्ररूप माईं • टो • एत • एप • -----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भाधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यानय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल,

भोपाल, दिनांक 27 जुलाई, 1979

इसके पश्चात् 'उक्त श्रश्चिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रयीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिलका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० िंग्नेसिहाउस है, तथा जो बुरहानपुर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बुरहानपुर में, रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 28-12-1979

को पूर्वोका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्य के दूश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण दै कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्न अन्तरण निक्षित में नाम्तरिक का ने कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण पे दुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (च) ऐसी किनी आय या जिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, था धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त भिधिनियम की घारा 269-ग के भनुसरण म, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

- (1) श्रीमिति पुट्ता बाई पत्ति श्री गनपतराव भुगकटे (2) श्री विजय कुमार (3) श्री भ्रविनाण पुत्र श्री गनपत राव भुगटे 1111, बुधवार पेठ पूता (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमित पुष्पा बाई पंडित श्री गोविन्द दास बन्नोट-वाला, प्रतापपुर, बुरहनपुर द्वारा "बनाट वाला फैमिली ट्रम्ट," वाम्बे । (ग्रन्तिरिती)
- 3. (1) श्री अनन्त नारायण गदरे (2) श्री अनन्द गोपाल दास नागर (बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह मूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घ्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

#### वनुसूची

सम्पत्ति "शंकर चित्रं मन्दिर" से प्रसिद्ध ब्लाक नं० 51, प्लाट नं० 138/1, 137/2 व 138/2, वार्ड नं० 1, महाजन पैठ, वुरहान पुर ।

के० के० राय, सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त) श्रर्जन रोंज, भोपाल ।

दिनांक 27-7-1979 मोहर : प्ररूप भाई • टी० एन • एस •-

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

घारा 269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 जुलाई, 1979

निदेश सं० भाई० ऐ०सी० /एक्वी०/भोपाल 79-80/ 1306---श्रतः मुझे के० के० राय,

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण धिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 12-2-1979 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पल्यह प्रतिज्ञत से प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) भीर प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिखित उद्देश्य है उच्त धन्तरण निम्तिसित में वास्तरिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त अधिनियम के मधीन कर देने के मन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य घास्तियों की, जिन्हें भारतीय घायकर घिष्टित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिषित्यम या घन-कर घिष्टित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरक में में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निस्निजिति व्यक्तियों, अर्थात्:— 11—246GI/79

- 1. श्री इन्दू प्रकाश जी पुत्र श्री कन्हैय्या लाल जी कानून-गो, भोपाल। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री गुलाब चन्द पुत्र श्री कन्हैय्या लाल जी गृप्ता हरदा (म॰ प्र॰) (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता है।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाषाप:---

- (क) इस पूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की लामील से 30 दिन की धविधि, जो भी
  भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबत श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में विशा गया है।

#### अनुसुची

मकान नं॰ 1, स्थित साउथ सुकागंज, स्ट्रीट नं॰ 3, सब डिवीजन नं॰ 11/1, इन्दौर ।

के० के० राव, मक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 27-7-1979 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्मालय, सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

> भ्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल दिनांक 27 जुलाई 1979

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्षी०/भोपाल 79—80/ 1307—मतः मुझे के० के राय,

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम श्राधीकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में श्थिस है (भीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, राजिस्ट्रीकरण अधिनियस, 1908 (1908 का 16) के मधीन, 12-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त भिधिनियम के भिधीन कर देव के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ह श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनर्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

: श्रव उन्त श्रक्षिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के श्रद्धीन, निम्नलिखित स्पिनितयों, श्रद्यात:—

- श्रो मधुसूदन पुत्र श्री कन्हैया लाल जी कानूनगो, भोपाल (ग्रन्तरक)
- श्री गुलाब चन्द पुत्र श्री कन्हैया लाल जी गुप्ता, हरदा (ग्रन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त स पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवंधि, जो भी श्रवंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति ों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ज) इन सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उा स्थायर सम्मित में हितबढ़ किसी प्रथ्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मार्थी करण: --इसमें प्रयुक्त गाव्यों घ्रौर पदों का, जो उसत श्रिधिनियम के ध्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुत्ची

मकान नं० 11, स्थित साउथ तुकोगंज, स्ट्रीट नं० 3, सब डिवीजन नं० 11/2 साथ भूमि क्षेत्रफल 4542.25 वर्ग-फुट, इन्दौर ।

> के० के० राय, सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक ब्रायकर भ्रायुक्त) भर्जन रेंज, भोपाल

दिर्नांक: 27- -1

प्ररूप भाई • टी • एन • एस •----

भायकर ग्रिशिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भाधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 31 जुलाई 1799

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल 79-80/ 1308--भ्रतः मुझे के० के० राय,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज्ञन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ज्ञ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

धौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर, में स्थित है (और इससे उपायद्ध ध्रनुसूची में ध्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्री-करण ध्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ब्रधीन तारीख 13-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है घोर घन्तरक (अन्तरकों) घोर घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखिन में वास्त्विक क्य से कवित नहीं किया नया है:---

- (क) प्रश्वरण से हुई किसी पाय की बाबन, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रस्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर पर्धिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विका जाना काहिए वा, छिपानें में सुविधा के लिए।

बत: बब, उस्त पश्चितियम, की घारा 269का के धनु-सदल में, में. उक्त प्रश्चितियम को धारा 269क की उपकारा (1) के बधीन निम्तविक्षित व्यक्तियों अर्थात्।---

- श्री भ्रासनदास पिता श्री नथरमल प्रसनानी 61, जयराम पुर कालोनी, इन्दौर (अन्तरक)
- श्रीमित सावित्री बाई पत्नी श्री कोड़ामल जी, 94, नन्द लाल पुरा (सक्ष्णी मन्डी) इन्वौर । (ग्रम्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

बन्दा सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविद्य पा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविद्य ओ भी घविद्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (事) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिसरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

#### अनुसूची

मकान नं० 2, रकबा 1350, वर्गेफुट स्थित जयराम-पुर, कालोनी, इन्दौर ।

> के० के० राय सक्षम प्राधिकारी, (निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त) ग्रजन रेंज भोपाल

दिनांक 21-7-1979

### प्रकप आई • टी • एन • एस •-----

## भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के प्रधीन सुमना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल<sub>ो</sub>

भोपाल, दिनांक 31 जुलाई 1979

निदेश सं० ग्राई० ऐ० सी०/एक्सी०/भोपल 79-80/ 1309--श्रतः मुझे के० के० राय,

प्रापकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- चपये से प्रधिक है और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन [16-12-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृथ्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे बृद्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से प्रधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित बहेग स उनन अन्तरण निखित में वास्तिवक स्वपंसे भाषित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रम्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय पाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

शतः भव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्घात्।——

- श्री श्रनिल कुमार पुत्र श्री कृष्णा राव गायडे निवासी
   11/5, साउथ दुकोगंज, इन्दौर (अन्तरक)
- 2. कुमारी विमला पुत्री श्री प्रेम शंकर पाण्डे निवासी 28, छोटा सर्राफा, इन्दौर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्येगाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्त में प्रशाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
  में हितवड किसी अन्य स्थक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पाकाकरण :-- इसमें प्रयुक्त शान्यों और पर्यो का, जो उक्त निध-नियम के धान्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस धान्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान नं॰ 127 का भाग स्थित जवाहर मार्ग, इन्दौर।

के० के० राय सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त) श्रर्जन रेंज भोपाल,

विनाक 31-7-1979 मोहर: त्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31-7-1979

निदेश सं० माई० ऎ०सी०/एक्बी०/भोपाल 79—80/ 13010—स्रतः मुझे के० के० राय,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो भोपान में स्थित है (ग्नीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल, में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 5-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मिन्न है भौर बन्तरिक (धन्तरिकों) भौर बन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रिष्ठ-नियम के भ्रमीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में क्रमी करने या प्रससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या प्रस्य धारिलयों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धिधनियम, या धनकर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया खाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भतः ग्रव, उनतं भिधिनियमं की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उनतं भिधिनियमं की धारा 269-म की उपभारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यातः---

- 1. श्री रवीन्द्र कुमार रिषी पुत्र श्री जगदीम चन्द्र रिषी द्वारा पिता ऐटर्नी श्री जगदीम चन्द्र रिषी पुत्र गनेशदास निवासी ऐ-54, कैलाश कालोनी, नई बिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. रिषी इकानामिक्स ऐंड हाउसिंग (प्रा०) लि०, 35-36, नेहरू पैलेस, नई दिल्ली द्वारा डायरेक्टर श्री जे० सी० रिषी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूत्रता के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अओहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकींगे।

हपब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जो जन्त प्रधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा, जो उस भ्रव्याय में विया हुआ है।

### अनुसूची

प्लाट नं० ऐ-8 का नार्थन पोरशन क्षत्रफल 5000 वर्गफुट स्थित विधा-बिहार, बानगंगा, भोपाल ।

> के० के० राय सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 31-7-1979

प्रकृप धाई । टी । एन । एस ----

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना वारत सरकार

## नार्यानय, सहायकः प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल,

भोपाल, दिनांक 31 जुलाई 1979

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्बी०/भोपाल 79—80/ 1311—भ्रतः मुझे के० के० राय,

शायकर प्रधिमियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीन समम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रमुस्ची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 19-12-1979 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से

कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है,
भीर भन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल,
निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निकात में बास्तिकल
कम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण ते हुई किसी आष भी नामत उक्त प्रक्रितियम, के प्रधीत कर देने के अञ्चलक के वायित्व में कमी करने या उससे नचने में सुविधा के बिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग मा किसी अन वा भाग भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाग-कर मिश्तियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त मिश्तियम, गा भन-कर भिश्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा या किया जाना चाहिए वा, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः, भव, उक्त श्रीविधियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, बे, उक्त श्रीविधियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के श्रीवान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्रीमित चन्द्रा बाई पत्नी श्री नानक राम पलेट नं० 1, छटवां फ्लोर, म्रजन्ता एपार्टमेन्टस, सुसुन डाक के पास, कोलाबा, बाम्बे (2) श्रीमित गान्ती बाई पत्नी श्री घन-श्याम दास 3-ए, म्रादर्शनगर, इन्दौर (म्रन्तरक)।
- 2. (1) श्री ध्यामलाल पुत्त श्री झंगलमाल (2) श्री कीमतमल पुत्न श्री हजारी मल (3) श्री हुकुम चन्द पुत्न श्री कीमत लाल (4) श्रीमित मैना बाई पत्नी श्री झंगल-मल सभी निवासी 141 बैराठी कालोनी, नं० 2, इन्दौर । (श्रन्तरिती)

को यह सूनना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की धविध जो भी धवधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकसेंगे।

श्राव्यक्तित्र :---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पत्ने का, जो उक्त प्रधिनियम के घड्याय 20-क में परिशायित हैं, बही धर्य होगा जो उन अध्यास में विषा गया हैं।

#### यनुज्जी

मकाम नं० 3-ए, आदर्श नगर (मानिकबाग रोड) इन्दौर।

के ० के० राय, सक्षम प्राधिकारी, (निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त) श्रजेन रेंज, भोपाल,

विनांक 31-7-1979 मोहर : प्रकप बाई • टी • एन • एस • -

आयकर भिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 296-थ (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 31 जुलाई 1979

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एनवी/भोपाल 79—80/ 1312—ग्रतः मुझे क्रु० का० राय, आयक्र प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

अधिकर मीवानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-थ के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/-३० से मधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान व प्लाट, है, तथा जो रीवा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय रीवा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (198 का 16) के श्रधीन, विकाक 13-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए धम्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह् प्रतिशत से शिवक है भीर धम्तरक (सन्तरकों) भीर धम्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे धम्तरण के लिए तय पाया चया प्रतिफल, निम्निशिक्त उद्देश्य से स्वत्त धम्तरण विकित में बास्तविक्र क्य से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वावत 'उक्त धर्षिनियम' के ध्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिका में कमी करने मा उससे वचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी जाम मा किसी धन मा मन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रवः भव, इक्त भ्रविनियम की बारा 269-व के अनुसरच में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उप-वारा (1) के प्रजीत, निश्निलिकित व्यक्तियों, वर्षात् :---

- श्री स्वामी वेवकीनन्दन तिवारी पुत्र स्वामी रामसेवक तिवारी, चीफ कन्सर वेटर श्राफ फारेस्ट, भोपाल । (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्री बलराम वास गुप्ता (2) श्री गिरधारी लाल गुप्ता (3) श्री भगवान दास गुप्ता सभी पुत्र श्री सरजू प्रसाद गुप्ता निवासी गोविन्द गङ् तह-हुजूर जिला रीवा (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपदा में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन की धवधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद किसी भ्रम्य क्यंक्ति द्वारा, मश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्रवदोक्तरण: --इनमें प्रयुक्त मन्दों पीर पशें का, जो उकत अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रथं होगा, जो उस प्रकाय में विया गया है।

#### भनुबुधी

एक मंजिला मकान वियरिंग नं० 678/5, तथा प्लाट नं० 68 व 70 बियरिंग खसरा नं० 323 व 324 ग्राम खुटेही सिविल लाइन, रीवा।

> क्र० का० राय सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त) ग्रजन रेंज, भोपाल

विनोंक: 31-7-1979

प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के भ्रधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 अगस्त 1979

निवेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्बी०/भोपाल 79-80/ 1313---यतः मुझे कृ०का० राव,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की घारा 269- व के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द से मधिक है

भीर जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (भीर इससे उपायद्ध श्रनुसुनी में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, 27-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निष्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त ग्रिविनियम के ग्रिवीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिष्ठित्यम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा भकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

चतः भव, उन्त अधिनियम की बारा 269-ग के भनसरण में, उन्त भिधिनियम की धारा 269-ग की उपजारा (1) के भधीन, निम्नलिखित स्थितिमों, धर्थात् :—

- (1) श्री शिशिर कुमार (2) श्री शरद कुमार दोनों पुत्त स्व०श्री शरद चन्द्र दुबे, निवासी 2 दुबे कालोबी, इन्दौर । (अन्सरक)
- 2. श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री हनुमन्त राव भुसारी 96, सिलावट पुरा, इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सुवना जारोकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

#### उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्कीकरण: --इसमें प्रमुक्त गन्दों भीर पदों का, जो 'खक्त श्राध-नियम', के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, बही प्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान नं० 1 का पूर्वी भाग स्थित दुबे कालोनी, इन्दौर ।

> कृ० का राय सक्षम प्राधिकारी सङ्गायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज, भोपाल

तारी**ख**:7-8-1979

प्रकृष भाई • टी • एन • एस • ---

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा 269-व (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 भगस्त 1979

निदेश सं० ग्राई० ए० सीं०/एक्बी०/भोपाल/७9---80/ 1314--अतः मुझे, कृ० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के घिधान सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- इपन् से घिषक है

भीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है भीर (इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 4-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह्य प्रतिशत से प्रधिक है प्रीर प्रन्तरक (अन्तरकों) प्रीर प्रम्तरिती (प्रश्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निश्वित उद्देश्य से उच्य प्रग्तरण लिखित में बाक्तवि ह क्य से व्यव्त प्रमुक्त विश्वास है:——

- (क) घन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त श्रीविन्यम के अधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐमो किसी भाग प्रा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भाग-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपामें में सुविधा के लिए;

अतः धव, उदत अधिनिवस की धारा 269-ग के सनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अजीन, निध्नलिखित व्यक्तियों, जबाँत :—

12-246GI/79

- 1. दी सेन्ट्रल इन्डिया इन्जीनियरिंग कारपोरेशन द्वारा पार्टनर्स हाजी मुल्लामोहिसन हुसैन पुत्र शेख शाकिर हुसैन व मुल्ला असगर हुसैन पुत्र मोहिसन हुसैन निवासी बैलवार-पुर, भोपाल (अन्तरक)
- 2. श्रो श्रानन्दी लाल मिश्रो लाल साह पुलिस चौकी, बरखेड़ी, भोपाल (श्रन्तरितो)

को यह सूत्रता जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के धर्यन के शिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्तेप :-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की मबिश्र या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की मबिश्र जो भी
  भवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य स्थमित द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

क्पक्की शरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्यक्ति-नियम, के शब्दाय 20-क में परिधावित हैं, वही अब होना, जो उस सक्याय में विका यस है।

#### **मनुसूची**

जीर्ण-शीर्ण मकान कालटेक्स पेट्रोल पम्प के पास रकबा 4200 वर्गफुट, हमीदिया रोड, भोपाल ।

> कृ० का० राय सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 7-8-1979

प्ररूप माई • टी • एम • एस •---

आयकर ग्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269 म (1) के ग्रीधीन भूचना

**चारत सरका**र

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोगाल

भोगाल, दिनांक 9 अगस्त 1979

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्बा०/भोपाल 79⊷-80/ 1315—-अत: मुझे कु० का० राय

धायकर मर्थितियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपन मिलियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन मक्षम प्राविकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, 'जमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपण् से पश्चिक हैं

श्रीर जिसको मं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुमूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ना अधिकारा के कार्यालय, भोपाल में, रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 27-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से क्रम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए भन्तरित की गई ह गाँर मृज यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह धनिशत से भश्चिक है भौर अन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के सीच ऐसे भन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिक्रन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बाश्तविक अप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से ूई कियो प्राय की वावत, उक्त स्रवितियम; के श्रधीत कर तेने के प्रस्तरक के दासिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐपी जिसी आप या कियी घत ता अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत मधिनियम, या धन-कर धिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष अन्तरिती द्वारा एकट नहीं वित्या गया था या किया जाना चाह्मिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

यतः धव, उन्त यधिनियम की धारा 269-ए के बबुसरण में, भें, उक्त प्रशिविषय की धारा 269-व की उपधारा (1) के धंशीब, निम्नलिखित व्यक्तियों, भवीतः :---

- श्रीमित विभला देवा पितन पं० बाला प्रसाद शर्मा,
   चौक भोपाल । (अन्तरक)
- 2. श्रीमिति विमना रानो पत्नि श्री विजय कुमार सोनी, इब्राहीम पुरा, भोपाल (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप--

- (क) इस मूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, वो भी अपि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इन सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गान्यों भीर पदों का, जो उकत ग्रिवित्यम के ग्रध्याय 20क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### समृत्यी

तीन मंजिला मकान नं० 16 रकबा 1276 वर्गफुट स्थित गली नूर जी बौहरा चौक, लखेरापुरा, भोपाल।

> क्र० का० राय सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 9-8-1979

## त्रकप माई • टी • एन • एस • ---

## मायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-क (1) के प्रधीन मूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोगाल, दिनांक 9 अगस्त 1979

निदेश सं० आई० ऐ० सी०/एक्टी/भोगाल 79-80/1316——अतः मुझे क्व० का० राय,

यामकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र• से भिष्ठक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचों सें ग्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर सें, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 8-12-1978 को पूर्वोकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्र, प्रतिकत से प्रधिक है घोर भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरितं (भन्तरितंगें) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर भन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंग्लरण से कुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के घन्लरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या भग्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भासकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेषकार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में प्रतिधा के सिए;

अतः अब, उन्त बिधिनियम की धारा 26 कुन के अनुसरण में, में, जगत अधिनियम की आरा 269 व की उपचारा (1) अधीन, विक्वतिखित व्यक्तियों, वर्षात्।---

- 1. श्री पन्ना लाल पुत्र श्री बोधलाल जी भंडारी 9 नगारची बाखल, इन्दौर । (अन्तरक) ।
- 2. श्रीमिति सीता बाई परिन श्री रामस्टरूप जा सोनी 74/1 नील कंठ मालोना (वर्तमान 9 नगारचा बाखल) इन्दौर । (अन्तरिती)

को मह सूबना जारो करके पूर्वीका सम्पति के भजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रार्गन के संबंध में कार भी पाओप:---

- (क) इन सूचना के राजनल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वाधिया तत्नम्बम्बा व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यांनत्यों में में किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस प्रता के राजाब में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्यावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति हारा, भवीत्स्तावरण के गास लिखित में किए जा मकेंग ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त मन्दी भीर पदी का, जो उक्त श्रीधिनियम के अध्याप 200 में परिमाणित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रीश्याय में दिया गया है।

#### **भ्र**नुसुची

तीन मंजिला पक्का मक्षान नं० 9 रकवा 770 वर्गफुट स्थित नगारची बाखल, इन्दौर।

कृ० का० राय सक्षम प्राधिकारो सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, भोगाल

दिनांक: 9-8-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 अगस्त 1979

नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 13-12-1978

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-कन लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिये लिति में बास्तविक रूप से किक्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त धाँछ-नियम, के बधीन कर देने के अन्तरक के दाकित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविक्षा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धम्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय धायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिधिनियम, या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

भ्रतः मन, उक्त भ्रिमियम, की धारा 26 केन के मनु-सरन में, में, उक्त अधिनियम की धारा 26 केन की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रमीत्:—

- (1) श्री शिशिर कुमार दूबे, (2) श्री शरद कुमार दूबे पुद्ध स्व० श्री शरदचन्द्र दूबे 2, दूबे कालोनी, इन्दौर । (अन्तरक)
- 2. श्री रवीन्द्र कुमार भुसारी, पुत्र श्री हनुमन्तराव भूसारी, 96, सिलावट पुरा, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहीयां करता हूं !

उत्रत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीक से 30 दिन की अवधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान नं० 1 का विस्टर्न पोरशन साथ भूमि माप 4378.75 वर्गफुट स्थित दुबे कालोनी, इन्दौर ।

> कृ० का० राय सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक प्रायकर श्रायुक्त) प्रजेन रेंज, भोपाल

दिनांक: 13-8-1979

मधिक है

धारूप धाई• टी० एन• एस•-----

बायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
 269व (1) के मिधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भ्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 भ्रगस्त 1979

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल 79-80/ 1318--ग्रतः मुझे कु० का० राय, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- द० से

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो श्रकलतरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण इन से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जांजगीर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, 28-12-1978 की

पूर्वोश्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित को गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार पृत्य, ध्यके रृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) क बीव ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त भन्धरण लिखस में बास्तिक कप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी भाष की बाबत, उब्ध मिन्न-नियम, के भ्रधीत कर बेने के भ्रस्तरक के रायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्रांव था किसी घन या घन्य प्राह्नियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के त्रयोजनाये अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए या, छिपान में सुविधा के निए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिप्तियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रिष्ठितियम, की धारा 269-व की उपश्रारा (1) के श्रश्नीत निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—→

- 1. श्री चन्नीलाल धर्मा पुत्र कैंदारनाथ धर्मा धकलतरा तह० जांजगीर जिला—बिलाम पुर (श्रन्तरक)
- 2. श्री क्षी० ऐल० काकरेजा द्वारा पावर श्राफ ऐटार्नी फार रेमंड सीमेंट वर्क्स, जे० क० बिल्डिंग, बाम्बे । (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति के ग्रार्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूत्रता के राजपत्र में प्रकाशन की सारी का से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति होरा:
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति बारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये खाँ सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रथ्याय 20-क में परिभाषित है, बही धर्ष होगा, जो उस प्रष्टाय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भ्मि मौजा गांदाडीह पी० ऐच० नं० 5 ग्राम-सौसारी ब्लाक ग्रकलतरा तह० जांजगीर जिला——बिलासपुर (19.83 एकड़) ।

> क्रु० का० राय पक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रज, भोपाल

दिनांक : 13-8-1979

## प्ररूप भाई। टी। एन। एस।-

भायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन औत्र, भोगाल

भोपाल, दिनांक 13 श्रगस्त 1979

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है

स्रौर जिसकी संव मकान है, तथा जो भोगान में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण चप ने विधिन्न है) रिजस्ट्रीकर्ना स्रधिकारी के कार्यालय, भोगाल में, रिकर्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 28-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रति-फल के लिये प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनक दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफत का वन्द्रह प्रतिजत से प्रधिक है श्रीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) श्रीर ग्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के नियं तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण निष्यत में वास्तिक रूप ये कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त घिष्टि-नियम, के घ्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या प्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर ग्रधिनियम, या घन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) अधीन निम्मलिकित व्यक्तियों अर्थात्:—

- श्री हुरूनरत । यह चयला पृत्त श्री हरजसराय चायला, फतेहगड़, भोगाल। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमित भौजी बाई विश्ववा पत्नी श्री लेखराजमल 50बी, ईदगाह हिल्स, भोपाल । (भन्नरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंका सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्मत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूजना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध पा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामीत से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त वैयक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तस्रीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किये जा सकेंगे।

म्बब्दीक्षरण:-- इसमें प्रपृका णब्दों स्रीर पदों का, जो उक्त अविनियम, के सहयाय 20-क में परिभाषित है, बड़ी सबँ होगा, जो उस स्रह्माय में दिया गया है।

#### अनुसूची

णाप नं० 2 पर स्थिन मेजेनाइन व फर्स्ट पलोर रकबा 958 वर्गफुट स्थित रायल मार्केट, भोषाल ।

> क्र० का० राय मक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, श्रजंन रोंज, भोपाल

दिनांक : 13-8-1979

माहर:

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सङ्ग्यक लायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जनक्षेत्र, भोपत्त

भोषाल, दिनांक 13 अवस्य 1979

निदेण मं० भ्र.ई० ए० मी०/एक्पी०/भेगाल 79--80/ 1320--भ्रतः मुझे ए० का० राय,

धायकर धिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धिधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- यक से धिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो घोषाल में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबढ़ अनुसूत्ती में ग्रीर पूर्ण अप से विजित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिश्चकारी के कार्यालय भोषाल में राजस्ट्री-करण ग्रिश्चितम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, 27-12-1978

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वातार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (भन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाय की बाउत उक्त ग्रीधिनियम के ग्राधीन कर देने के ग्रन्सरक के दायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी द्वाप या किसी प्रन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

यतः यन, उन्त धिवियम की घारा 269-म के धनुसरम में, मैं उन्त धिधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) अधीन, निम्मनिश्चित व्यक्तिमों, धर्मान् :---  (1) श्री मुबारक प्रती उर्फ बाबू शाह पुत अनवर अलीणाह (2) श्रीमित शरीफन बी विध्या पहिन प्रनवर प्रली शाह, गरुबङ्ग तलैया मंगलवारा भोषाल।

(सन्तर्क)

2. (1) श्री हरनाम सिंह पुत्र श्री गोपाल सिंह (2) श्री लाल निंह (3) श्री गुरेंद्र सिंह ग्रीर (4) श्री योगेन्द्र सिंह पुत्र हर-नाम सिंह, 9, ईदगाह हिल्स, भोपाल । (श्रन्तरिती)

को यह पूबना जारी करके पूर्वोक्त समात्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उका सम्पति के सर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस पूचरा के राज्यत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबक किसी धन्य व्यक्ति द्वारा; प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

र्पष्टीकरण :---इसम प्रयुक्त शब्दों मौर पदों का, जो उन्त अधिनियम, के घध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं धर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

खगरा तं० 1234 रकवा 10350 वर्गफुट प्लाट साथ कर्वेल्पोश छोटा मकान स्थित नया शाह का बाड़ा, गुरूबस्था तसैया, भोपाल ।

> हु० का० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोगाल

दिनांक: 13-8-1979

प्रका प्राई० टी० एत० एस०------

भायकर भ्रष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, एणकुलम एणकुलम, दिनांक 4 श्चरस्त 1979

निदेश सं० एल० सी० 312/79-80--- प्रतः मुझे के० नारायणा मेनोन,

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रश्री सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इपए से ग्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ग्रनुसूची के ग्रनुसार है, जो एणांकुलम विल्लेज में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणिन हैं), रजिल्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय एगां हुनन में रजिल्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 22-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत घषिक है धौर धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिल नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण सं हुई किसो भाय की बाबत, उक्त भौजित्यम के भ्रधीन कर देने के श्रम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; भौर/या
- (ख) ऐपी किसी प्राप्त या किसी घन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिम्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिविनियम, ग्रा घन-कर ग्रिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्राया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः भव, उक्त भिनियम की भारा 269-ए के भनुसरण में, में, उक्त भिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के समीन, निस्तिशिक्त व्यक्तियों, अर्थात् 1--

1. श्री नीलकंटन

(श्रन्तरक)

2. जोसफ मैं किक्न एण्ड ब्रदर्स (जोसफ मात्यू के ढ़ारा) (श्रन्तरिती)

को यह पूचा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रकृत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब क
  िसी प्रन्य क्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दी हरग: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त धिविनयम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

1/16th right over 58.5 cents of land and building as per scheduled attached to document No. 3877/78.

के० नारायण मेनोन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एणकुलम

तारीख: 4-8-1979

प्ररूप ग्राई० टी• एन• एस०-----

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269ण (1) के भ्रमीन मुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण)

द्यर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम. दिनांक 4 अगस्त 1979

निरंश सं० एस० सी० 313/79---80---भ्रतः मृझे के० नारायणा मेनोन.

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्यमें से प्रधिक है, और जिसकी मं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम विल्लोज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण का से प्रणित), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में रजिस्ट्रीकरण अधिवियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-12-1978

की पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत में प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की वाबत उक्त प्रधिनियम, के भधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्य में कभी फरने या उससे बचने म मुविधा के लिये; जोर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ध्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

भतः भव, उन्त भिक्षितियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में उन्त अधिनियम की बारा 269-थ की उपधारा, (1) के अभीन निम्निक्षित व्यक्तियों, अर्थात्:——
13—246GI/79

- अभिनित निलिनि ग्रम्मा (2) ग्रनिता (निलिनि ग्रम्मा के द्वारा)
   (ग्रन्तरक)
- 2 मैंसर्स जांधक मैं विकल एण्ड इदंस (जोसक मात्यु के द्वारा) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के धर्जन के मंबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रजाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में दितवढ़
  किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, धर्धाहस्ताक्षरों के पास
  लिखित में किये जा सकेंगे।

हपड्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भ्रधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

1/16th right over 58.5 cents of land and buildings as per schedule attached to document No. 3924/78 dt. 31-1-1979.

कें नारायणा मेनोन मक्षम ग्राधिकरी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक: 4-8-1979

मोहरः

प्रकप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269~म(1) के मधीन सूचना भारत सरकार

## कार्यांक्य, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, एरणाकुलम,

कोचीन-16 दिनांक 4 भ्रगस्त, 1979

निदेश सं० एल० सी० 315/79-80—-म्रतः मुझे के० नारायण मेनोन,

भायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व्यए से मिधिक है

स्रोर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो तिरूवनन्नपुरम में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय चाला में भारतीय रजिस्ट्रोकरण स्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 13-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक '(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मधिनियम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किमी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धम-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः मन, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निक्निसित्रत व्यक्तियों अर्थात :---

- 1. श्रीमति ए० जी० कावेरि श्रम्मा (भ्रन्तरक)
- श्री दानियल (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवज्ञ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का, जो उक्त श्रीधनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस श्रष्टवाय में विवा गया है।

## अनुसूची

42.5 cents of land in Sy. No. 4 of Changazhassery Village.

के० नारायण मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जनरेंज, एरणाकुलम

दिनांक 4-8-1979 मोहर: प्रकप माई• टी• एन• एस•---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16 दिनांक 4 ग्रगस्त 1979

निदेश सं० एल० सी० 314/79---80---ग्रतः मुझे के० नारायण मेनोन आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त शिधनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/- एएए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ग्रनुसूची के ग्रनुसार है, जो मुहतरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय तिरूबनन्तपुरम में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 4-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रक्तिस्त की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भौर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधनियम या धन-कर ग्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रमा था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, ग्रम, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--

1. श्रीमति तन्कमणी

(भ्रन्तरक)

2. श्री ए० एम० सुलतान पिल्लै

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
  भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रव्होकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त भिधितयम के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

1 acre 69 Cents of land in Sq. Nos. 472, 473 of Muttathara village.

के० नारायण मेनोन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम,

विनांक 4 ग्रगस्त, 1979 मोहर: प्रकप धाई • टी • एन • एस • ----

बायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रधीत सुबता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) भर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 28 जून 1979

निवेग सं० .111-1331/ग्रर्जन/79-80---ग्रतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ आयकर धिवियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'तकर धिवियम' कहा गया है).

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिष्टित्यम' महा गया है), की घारा 269-ख के घधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका चित्र बाजार मूक्य 25,000/- व० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० क होलींग संख्या 183, सर्विल संख्या 27 है, तथा जो वार्ड संख्या 16 (नया) 9 (पुराना) एम० एस० प्लाट संख्या 1431 श्रीर 1432 पटना म्यूनिसिपल कारपोरेशन ऐनी वेसेन्ट रोड पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपबंद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ला श्रिधकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 19-12-1978 को पूर्णेक्त संपत्ति के उत्तित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान पित्रफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह बिश्वास करने का कारच है कि स्वापुर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) भौर अन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्न लिखत उद्देश से उक्त अन्तरण कि खित में नास्त्रिक रूप से किंवत नहीं किया गया है:---

- (क) अभ्यस्य से हुई किसी आय को बाबत उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी छत या मन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय आयकर श्रिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठित्यम, या छन-अर श्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना नाहिए चा, खिपाने में सुविधा के लिए।

भतः सन, उस्त पश्चितियम की जारा 269ग के धनुसरण में; में, उस्त पश्चितियम की धारा 269थ की प्रपद्मारा (1) के स्वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षातुः——

- 1. श्री श्ररूण चन्द्र मिला (2) सम्रूण चन्द्र मिला (3) अरूप चन्द्र मिला (4) निरूप चन्द्र मिला सभी पुल श्री सरत चन्द्र मिला निवासी "गोविन्द निवास" गोविन्द मिला रोड पीरबहार पटना (नम्बर 3का निवास स्थान 11/ए स्रोलू डैयरी कालोनी गोरखपुर यू० पी० स्रोर नम्बर 4 का निवास स्थान 5/2/ए हम डी० लेन कलकत्ता-50) (स्रन्तरक)
- श्री तिवेदी श्रम्ब्रेस उर्फ कुमार तिवेदी ऐनी बेसेन्ट रोड पटना-4 (श्रम्तरिती)
  - 3. स्वयं (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है )।

को यह सूचना जारी करने पूर्वोन्त सन्त्रत्ति के धर्वन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

जनत सम्पति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशत की तारीज से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा भवादिस्तावारी के पास मिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कन्दों भीर पर्वो का, को उनत भीधनियम के अध्याय 20-क में परिकाणित हैं, वड़ी भनें होगा, जो उस भड़्याय में दिया गया है।

## वनुसूची

जमीन का एक टुकड़ा जिका रकवा कट्ठा साढ़े ससह धूर प्रथित 2546 वर्गफीट मकान सहित जो होल्डिंग नम्बर 183 सिंकल नम्बर 27 वार्ड नम्बर 16 (नया) 9 (पुराना) एम० एस० प्लाट नम्बर 1431 श्रीर 1432 पटना म्यूनिसिपल कारपोरेगन का जो ऐनी बेसेन्ट रोड पटना में स्थित है श्रीर पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 7621 दिनांक 19-12-78 में वर्णित है श्रीर जो जिना अवर निबन्धन पदाधिकारी पटना के बारा पंजीकृत है।

ज्योतीन्द्रनाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण) स्रजैन क्षेत्र, पटना

दिनां क: 28-6-1979

प्र**कप भाई • ही • एन •** एस •----

मायकर घश्रिनिमम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व (1) के मधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्वर्जन क्षेत्र, पटना पटना, दिनांक 28 जून 1979

निदेश सं० 111-332/ग्रर्जन/79-80~-ग्रतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ,

माथकर मिलिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिलियम' कहा गया है), की घारा 269-क के मिलियम सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से मिलिक है

श्रीर जिसकी संख्या होल्डिंग नम्बर 183, सिंकल नं० 27 है, तथा जो बार्ड नम्बर 16 (नया) 9 (पुराना) एम० एस० प्लाट नम्बर 1431 श्रीर 1432 पटना म्यूनिस्मिन कारपोरेणन ऐनी बेसेन्ट रोड पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के अश्रीन दिनांक 20-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए घन्तरित की पई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिमत से बाधक है भीर अन्तरक (धन्तरकों) भीर सन्तरिती (सन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्न-लिखित उद्देश्य में उक्त सम्तरण लिखित में बास्तविक कप से कृषित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी भाष की वायत, उक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे सचने में शुधिका के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या प्रत्य आस्त्यों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्टिम्मम, या धन-कर भिष्टिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या पा किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

श्रदः श्रव, उक्त प्रधिनियम की बारा 269 न के सनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-य की उपधारा (1) के बधीन निम्मलिबित स्थक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्री श्रक्षण चन्द्र मिला, (2) तरूण चन्द्र मिला (3) श्रुष्ठण चन्द्र मिला (4) निरुप चन्द्र मिला सभी पुत्र स्वर्गीय श्रीरसरत चन्द्र मिला निवासी "गोविन्द निवास" गोविन्द मिला रोड थाना पीर बहौर पटना (नम्बर 3का निवास स्थान 11/एम श्रोल्ड डैयरी कालोनी गोरखपुर यूपी० श्रोर नम्बर 4का निवास स्थान 5/2/ एहेमडी लेन कलकत्ता-50। (श्रुन्तरक)
- 2. अशोक कुमार विवेदी पुत्र स्वर्गीय त्रिवेदी परमानन्द ऐनी वेसेन्ट रोड, पटना-4 । (ग्रन्तरिती)
  - 3. स्वयं (वह ध्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है )।

को यहसूचा वारो करके (वॉकासमालि के वंग के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रवंत के अध्यक्त में कोई भी प्राक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की मर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की मर्वाध, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी स्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक दि किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा सन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त गन्दों मीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के पश्याय 20-क में परिभाषित है, बढ़ी ग्रर्थ दोगा, भी उस अध्याय में दिया गया है।

## धमुसुमी

जमीन का एक दुकड़ा जिसका रकवा 2550 वर्ग फीट मकान सहित जो होल्डिंग नम्बर 1.83 सर्किल नम्बर 27 वार्ड नम्बर 16 (नया) 9 (सुराना) एम० एस० प्लाट नम्बर 1431 ग्रौर 1432, पटना म्यूनिसिपल कारपोरेणन का जो ऐनी वेसेन्ट रोड पटना में स्थित है ग्रौर पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 7650 दिनांक 20-12-1978 में विणत है ग्रौर जो जिला ग्रवर निबन्धन पदा-धिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतीन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त, (निरीक्षण) श्रजन क्षेत्र, पटना

दिनांक: 28-6-1979

प्रकप गाई • टी • एन • एस • ----

आयकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रंज, पटना

पटना, दिनांक 23 जुलाई 1979

निवेश सं० III-335/म्रर्जन/79-80---भ्रत मुझे ज्योतीन्त्र नाथ,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/-रुष्से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 722 बी, हो० नं० 213 बी तथा जो एकजीविशन रोड, पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारों के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 23-1-1979 को पूर्वोकत सम्पत्ति के उच्चित बाजार मूल्य से कम के इश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उच्चित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तविक कप से जावित महीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त बाब-नियम के मधीन कर देने के भन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिविनयम, या धन-कर धिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए चा, छिपाने में मुखिद्या के लिए;

सतः भव उक्त मिस्रिनियम की धारा 269-ग के भ्रतूमरण में मी, सक्त मिस्रिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के मिस्रीम, निक्नलिखिन क्यिक्तियों, धर्माक्षा--

- श्रीमित मृदुला चन्द्र जौज श्री निर्मेल चन्द्र बाकर गंज, पटना (श्रन्तरक)
- 2 श्रोमति लिलता देवी जौज श्री एल० शर्मा, महल्ला सुन्तानपुर थाना दानापुर, जिला पटना (अन्तरिती)
  - 2. मैंसर्स शर्मा प्रदर्स, पटना (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है )।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्येवाहियां करता हूं।

इन्त सम्पत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घवछि या तस्सन्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवछि, जो भी घवछि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिनस क्र किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं भर्ण होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1380 वर्गफीट जमीन मय दुकान जो एक्जी विशान रोड पटना में स्थित है और जिसका प्लाट नं० 722 बी, हो० नं० 213 बी सिकल नं० 9 वार्ड नं० 2 पटना मु० कारपोरेशन है तथा जो जिला अवर निबन्धक पटना द्वारा निबन्धित दस्तावेज सं० 408 दिनांक 23-1-1979 में पूर्ण रूप से वर्णित है।

> ज्योतीन्द्र नाथ सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, पटना

दिनांक: 23-7-1979

#### SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 3rd September 1979

No. F. 6/79-SCA(I).—The following Officers Supreme Court of India have retired from the service of the Registry with effect from the date shown against each:

> Sl. No., Name & Designation & Date of Retirement

- 1. Shri M. P. Saxena, Registrar—30th April 1979 (AN).
- 2. Shri M. I. Rajput, Section Officer-31st August 1979 (AN).

MAHESH PRASAD Dy. Registrar (Admn.).

#### New Delhi, the 3rd September 1979

No. F. 6/79-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri Darshan Singh, Assistant as Officiating Section Officer, Supreme Court of India with effect from the forenoon of 1st September, 1979, until further orders.

> B M. CHANDWANI Assistant Registrar (Admn.)

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 18th August 1979

No. A-32013/3/79-Admn.I.—The President has been pleased to appoint Shri M. R. Bhagwat a permanent Grade I Officer of the CSS Cadre of the Union Public Service Commission, as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on ad hoc basis for a period of two months with effect from 11th July 1979 or until further orders, whichever is earlier.

S. BALACHANDRAN

Under Secv.

Union Public Service Commission.

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS (DEPTT. OF PERSONNEL & ADMN. REFORMS)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 27th August 1979

No. P-23/65-Ad.V,-The President is pleased to appoint Shri P. V. Ramakrishna, Senior Public Prosecutor, Central Burcau of Investigation on promotion as Deputy Legal Adviser in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment on ad hoc basis with effect from the forenoon of 31st July 1979 and until further orders.

He relinquished charge of the office of the Senior Public Prosecutor, C.B.I., Hyderabad on the afternoon of 24th July

#### The 30th August 1979

No. A-19014/1/79-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri Q. I.. Grover. a permanent Grade 'A' Officer of CSSS of Ministry of the Home Affairs to officiate as Administrative Officer in the Central Bureau of Investigation on ad hoc basis with effect from the forenoon of 1st August, 1979.

> S. K. JHA Dy. Director (Admn.) Central Bureau of Investigation

#### New Delhi, the 29th August 1979

No. A-19021/3/75-AD.V.—Shri S. C. Tripathi, IPS (1963-M.P.) relinquished charge of the Office of Supdt. of Police, C.B.I., S.P.E. on the afternoon of 20th July, 1979. His services were placed back at the disposal of State Government.

No. A-19021/2/79-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri N. R. Deo, IPS (MP: 1965) as Supdt. of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Fstablishment, with effect from the afternoon of 20th July, 1979 until further orders.

> O. L. GROVER Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation.

#### DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 1st September 1979

No. O. II-1045/76-Estt.—The Director General, Force is pleased to accept the resignation tendered by Dr. V. Dalip Murthy, an ad hoc J.M.O. of 19th Bn. CRPF with effect from the forenoon of 16th August, 1979.

#### The 4th September 1979

No. O. II-284/69-Estt.—On the expiry of 92 days L.P.R. w.e.f. 1st August 1979 to 31st October 1979 granted to him, Shri K. M. Subba, Dy. S.P. Group Centre, CRPF, New Delhi will retire from service in this Force w.e.f. the afternoon of 31st October 1979.

No. O. II-1234/75-Estt.—Consequent on his retirement from Government service Shri C. K. Bhaskara Kurup relinquished charge of the post of Dy. S.P. 3rd Signal Bn., CRPF, on the afternoon of 31st July 1979.

> A. K. BANDYOPADHYAY Assistant Director (Admn.).

#### INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KARNATAKA

Bangalore, the 9th August 1979

No. ES.I/A4/79-80/431.—The Accountant General pleased to promote the following officiating/permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in a purely temporary capacity until further orders, without prejudice to the claims of their seniors, if any, with effect from the date of their taking charge :--

S/Shri

- 1 F. S. Ganeshan,
- L. Sitaram.

The promotions are subject to the ultimate results of Writ Petition No. 4367 of 1978 filed in the Supreme Court.

M. A. SOUNDARARAJAN Sr. Deputy Accountant General (Admn.).

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I MADHYA PRADESH

Gwalior, the 22nd August 1979

No. OE.I/238.—The Accountant General-I, Madhya Pradesh has been pleased to promote the following permanent Section Officers as Accounts Officers in an officiating capacity in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from the dates noted against each :-

- 1. B. L. Surhele (02/0251)—28-7-79 Forenoon,
- 2. R. P. Parsni (02/0252)-27-7-79 Forenoon.
- (02/0253)— 3. Jawaharlal S/o Shri Ramswaroop 27-7-79 Forenoon.

D. C. SAHOO

Senior Deputy Accountant General (Admn.).

## OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT COMMERCE WORKS & MISC.

New Delhi, the 1st September 1979

No. Admn.I/105.—The following Audit Officers of this Organisation are appointed in a substantive permanent capacity in the Audit Officers Grade with effect from 2nd June 1979.

#### S. No. & Name

S/Shri

- 1. G. C. Gupta, A.O.
- 2. M. R. Schgal, A.O.
- 3. S. P. Talwar, A.O.
- 4. S. S. Roy, A.O.

Sd./- ILLEGIBLE Director of Audit.

## OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 1st September 1979

No. 2722/A.Admn./130/79.—The Director of Audit, Defence Services, is pleased to appoint Shri P. P. Sethi, Substantive member of the S.A.S. to officiate as Audit Officer in the office of the Audit Officer. Defence Services, Jullundur with effect from 21st August 1979 (F.N.) until further orders.

K. B. DAS BHOWMIK Joint Director of Audit.

#### COMMISSION ON PUBLIC FXPENDITURE

New Delhi, the 7th August 1979

No. 1(4)-A/CPE/79.—On transfer from the Ministry of Finance Department of Expenditure (Defence Division), Shri R. L. Bagga, an Accounts Officer of the Defence Accounts Department who was serving as Section Officer (excluded) in the Defence Division is appointed as Research Officer in the Commission on Public Expenditure in the scale of pay of Rs. 700—1300 on usual deputation terms with effect from the afternoon of 30th June, 1979, until further orders.

U. S. TECKCHANDANI Under Secy. (Admn.) Commission on Public Expenditure.

# DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 16th August 1979

No. 44016(1)/73-AN-I.—The President is pleased as an interim measure, to appoint ad hoc, the following Junior Administrative Grade officer of the IDAS to officiate in the Selection Grade of the Junior Administrative Grade (Rs. 2000—125/2—2250) of that Service with effect from the date shown against him, until further orders:—

Name & Date of promotion

Shri S. S. Shukla-20th December 1978 (FN).

The 22nd August 1979

No. 86016(16)/78/AN-I.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500—60—1800—100—2000) of that service,

until further orders, with effect from the dates shown against them.

- (1) Shri Biswajit Bancrjee-20th July 1979 (FN).
- (2) Shri G. C. Bhandari-23rd July 1979 (FN).
- (3) Shri Malkit Singh-25th July 1979 (FN).
- (4) Kum. Somi Tandon -05th July 1979 (FN).

R. L. BAKHSHI

Addl. Controller General of Defence Accounts (AN).

## MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

## OFFICE OF THE CHIFF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 27th August 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

#### (ESTABLISHMENT)

No. 1/2/79-Admn.(G)/6466.—The President is pleased to appoint Shri J. P. Singhal a permanent officer of Section Officer's Grade of the CSS to officiate in Grade I of that Service for the period from 30th April 1979 to 5th July 1979.

2. The President is also pleased to appoint Shri Singhal as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Chief Controller of Imports and Exports for the aforesaid period.

The 31st August 1979

No. 6/644/61-Admn(G)/6593.—Shri M. D. Nadkarni, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay expired on 24th July 1979.

C. S. ARYA

Dy. Chief Controller of Imports and Exports for Chief Controller of Imports and Exports.

#### MINISTRY OF INDUSTRY

#### DFPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

## OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL, SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 9th August 1979

No. A-19018(53)/73-Admn.(G).—Kumarl S. Rohini relinquished charge of the post of Assistant Director (Grade I) (Economic Investigation) (Grade IV of IES) in Small Industries Service Institute, Madras, on the afternoon of 17th July, 1979.

No. A-19018(389)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri M. B. Jayakumar as Assistant Director (Gr. 1) (Mechanical) in the Small Industries Service Institute, Cuttack, with effect from the forenoon of 13th July, 1979, until further orders.

No. A-19018(412)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Keshav Rai Sharma as Assistant Director (Gr. I) (Mechanical) in Small Industries Service Institute, Indore, with effect from the forenoon of 12th July, 1979. until further orders

#### The 17th August 1979

No. A-19018/439/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri R. P. Sinha, IAS (AM: 1965) as Joint Development Commissioner in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi with effect from the forenoon of 1st August 1979,

#### The 18th August 1979

No. A-19018(403)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri R. N. Das as Assistant Director (Gr. I) (Metallurgy) in the Small Industries Service Institute, Muzaffaipur with effect form the forenoon of 6th July, 1979, until further orders.

No. 12(444)/64-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri V. S. Chadha, a permanent Small Industry Promotion Officer and officiating Deputy Director (Industrial Management & Training) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi to retire from Government service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 31st July, 1979.

M. P. GUPTA Deputy Director (Admn.).

#### DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 24th August 1979

No. A-1/1(991).—Shri S. K. Desai, substantive Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the office of the Director of Supplies and Disposals. Bombay, has retired from Government service with effect from 31st July 1979 (AN) on attaining the age of superannuation.

K. KISHORE

Dy. Director (Admn.)

for Director General of Supplies and Disposals.

#### (ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi-1, the 1st September 1979

No. A-17011/154/79-A6. —The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri P. N. Mishra, Examiner of Stores (Assaying) in the Jamshedpur Inspectorate to officiate on ad hoc basis as Assistant Inspecting Officer (MetChem.) in the Burnpur Inspectorate w.c.f. the forenoon of 9th July, 1979 and until further orders.

No. A-17011/155/79-A6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shrimati J. P. Allencherry, Examiner of Stores (Assaying) in the Jamshedpur Inspectorate to officiate on ad hoc basis as Assistant Inspecting Officer (Met-Chem.) in the same Inspectorate w.e.f. the afternoon of 5th July, 1979 and until further orders.

P. D. SETH
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies and Disposals.

### ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA Calcutta-700016, the 27th August 1979

No. 5285B. A-32014(1-Asstt Geol.) /78-19A.—Shri V. Sundaram, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geologist in the same Department on pay according to rules in the scale of ray of Rs 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating canacity with effect from the forenoon of 27th January, 1979, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY Director General.

#### SURVEY OF INDIA

#### Surveyor General's Office

## Dehradun the 23rd August, 1979

No. C-5544/707—The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of India n the scale of pay of Rs: 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as shown against each, purely o n ad-hoc provisional basis:—

Sl. No.	Name and Designation				Unit/Office	With effect from
1	2				3	4
1. Shr	i A.B. Roy Draftsman Div. I Sel. Grade		_,	 	No 66(ACCM) Party (Surair) New Delhi	15th May, 1978 (F.N.)
2. Shri	i O.P. Gupta Surveyor Sel. Gd.	•			No. 64(AHS) Party (Surair) New Delhi.	3rd March, 1978 (FN)
3. Shri	i S. Barobhaiya, Surveyor Sel. Gd				No. 18 Party (EC) Ranchi	19th June, 1979 (AN)

K. L. KHOSLA Major General Surveyor General of India (Appointing Authority)

#### National Archives of India

### New Delhi-1, the 4th September. 1979

No. F. 15-8/78-A.1—The Director of Archives Govt. of India hereby appoints the undermentioned (Class II Gazetted) regular temporary officers in a substantive capacity with effect from the dates shown against each of them:

S. No. Name		Designation	Date of substantive appointment	
(1) (2)		(3)	(4)	
1 Sh. C.P. Mehra	,	Scientific Officer	w.e.f. 14-3-74 vice Sh. P.C. Majumdar, Pmt. Scientific Officer, retired.	
2. Miss Sobha Basu		. Microphotographist	w.e.f. 31-12-75 vide Sh. N.R.R. Charl, Pmt. Microphotographist, confirmed as Asstt. Director of Archives (P).	

1	2	-							3	4
3. Sh. O	m Prakash Bhugra						•		Microphotographist	w.e.f. 23-9-77 vice converted post vide Deptt. of Culture No. F.5-69/76-CAI(2) dt. 23-9-77.
4. Sh. S	y <b>e</b> d Mohd. Raza Baqar		•	•	•	٠		٠	Archivist (Oriental Records).	w.cf. 1-6-76 vice Sh. A.D. Khan, Pmt. Archivist (OR) retired.
5. Sh. J.	A. Chishti .		•		•		•		Do.	w.e.f. 1-6-76 vice Sh. J.R. Gupta, Pmt. Archivist (OR) retired.
6. Dr. S	arwat Ali	-	•	•	٠	٠	•	•	Do.	w.e.f. 7-7-77 vice Sh. K.L. Arora Pmt. Archivist (OR) and confirmed as Asstt. Director of Archives (OR).
7. Sh. K	Cabir Kaursar .	•		•	٠		٠	•	Do.	w.e.f. 21-10-78 vice Sh. R.R. Aggarwal, Pmt. Archivist (OR) retired.

B.S. KALRA, Administrative Officer, National Archives of India, for Director of Archives,

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICE

#### New Delhi, the 29th August 1979

No. A-31013/5/77(HQ) Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri J. S. Manjul in a substantive capacity to the permanent post of Deputy Assistant Director General (School Health Education) in the Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services with effect from the 29th June. 1976.

#### The 1st September 1979

No. A-12026/20/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. Naresh Chandra Sangal to the post of Junior Staff Surgeon (Dental) under the Central Government Health Scheme, New Delhi, with effect from the forenoon of the 1st August, 1979, on an ad hoc basis and until further orders.

Consequent on his appointment to the post of Junior Staff Surgeon (Dental) under the C.G.H.S., New Delhi, Dr. Naresh Chandra Sangal relinquished charge of the post of Dental Surgeon at Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi, on the forenoon of the 1st August, 1979.

S. L. KUTHIALA Dy. Director Administration (O&M).

# MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 30th August 1979

No. A-19025/65/78-A.III.—The short term appointments of the following officers to the posts of Assistant Marketing Officer (Group I) have been extended upto 31st August, 1979.

#### S/Shri

- 1. R. S. Singh
- 2. B. N. K. Sinha
- 3. A. N. Rao
- 4. R. V. S. Yadav
- 5. M. P. Singh
- 6. H. N. Rai
- 7. D. N. Rao
- 8. S. P. Shinde
- 9. R. C. Munshi
- 10. K. K. Tiwari
- 11. S. K. Mallik

- 12. S. D. Kathalkar
- 13. R. K. Pande
- 14. M. J. Mohan Rao
- 15. K. K. Sirohi
- 16. Smt. Ansuya Sivarajan
- 17. V. E. Edvin
- 18. Shri S. P. Saxena
- 19. N. G. Shukla
- 20. R. C. Singhal
- 21, H. N. Shukla
- 22. K. G. Wagh
- 23. S. Suryanarayana Murthy
- 24. V. L. Vairaghar
- 25. S. R. Shukla
- 26. M. C. Bajaj
- 27. N. S. Chelapati Rao
- 28. K. Jayanandan
- 29, C. M. Girdhar
- 30. S. A. Shamsi
- 31. S. S. R. Sarma,

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser.

## DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT

#### Bulandshahr, the 1st September 1979

No. NAPP/Adm/1(149)/79-S/10060.—Chief Project Engineer, Narora, Atomic Power Project appoints Shri H. Ganesan officiating Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Civil Engineering Group, Kalpakkam to officiate conscientific Officer/Engineer Grade SB in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of August 16, 1979 until further orders.

No. NAPP/Adm/1(148)/79-S/10059.—Chief Project Engineer. Narora Atomic Power Project appoints Shri T. M. Bhattathiri, an officiating Scientific Officer/Engineer grade SB in the Civil Engineering Group, Kalnakkem to officiate as Scientific Officer/Engineer grade SB in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of August 16, 1979 until further orders.

S KRISHNAN.
Administrative Officer
for Chief Project Engineer

#### DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 13th August 1979

No. DPS/23/9/77/Est/19938.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri R. K. VYAS, temporary Purchase Asstt. of this Directorate to officiate as Asstt. Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an ad-hoc basis in the same Directorate with effect from June 11, 79 (FN) to July 28, 1979 (AN) vice Shri P. NARAYANAN KUTTY granted leave.

No. DPS/23/9/77/Fst.—The Director, Directorate of Purchage and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri N. C. Bhatnagar, temporary Storekeeper of this Directorate to officiate as Asstt. Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an ad-hoc basis in the same Directorate with effect from 4-6-1979 (FN) to 7-7-1979 (AN) vice Shri S. P. Anand granted leave.

C. V. GOPALAKRISHNAN, Assistant Personnel Officer

#### ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 27th August 1979

No. AMD-1/29/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Ram Kumar Sharma, as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the Forenoon of 13th July, 1979 until further orders.

M. S. RAO

Sr. Administrative & Accounts Officer.

#### TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Maharashtra, the 29th August 1979

No. TAPS/1/19(3)/76-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy

extends the ad-hoc appointment of Shri Y. B. Volankar as Assistant Accounts Officer for the period from 1-8-1979 to 16-8-1979.

A. D. DESAI, Chief Administrative Officer

#### MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

#### INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 3rd August 1979

No. E(1) 00954.—The Director General of Meteorology hereby appoints Dr. Tutail Ahmed Khan as Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in a temporary capacity with effect from the forenoon of 14th June, 1979 and until further orders

G. R. GUPTA,
Director
for Director General of Meteorological

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 3rd September 1979

No. A. 32014/2/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri P. N. Sharma, Communication Assistant, Aeronautical Communication Station, Palom to the grade of Asstt. Communication Officer on adhoc basis with effect from 30-7-79 (FN) vice Shri C. L. Khera, Assistant Communication Officer nominated for Hindi Training and to post him at the same station.

S, N. MOTWANI, Officer on Special Duty (E)

#### COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Bombay, the 30th June 1979

No. St.-1/1979-80—In exercise of the powers conferred on me by Sub-Rule(1) of Rule 232:A of the Central Excises (Seventh Amendment) Rules 1976 which came into force from 21-2-1976 it is declared that the names and addresses, and other particulars specified in Sub-Rule (2) of the persons who have been convicted by the Court under section 9 of the Central Excises and Salt Act 1944, and persons on whom penalty of Rs. 10,000/- or more has been imposed by an Officer referred to in Section 33 of the Act are follows:

#### I-COURT CASE

S. No.	Names of the Persons	Addresses	The provision travened.	ns of the Act con-	The amount o	of penalty imposed
1	2	3		4		5
			NIL			
		II-DEPA	RTMENTAL ADJUDI	CATIONS		
who (Rs bee	Names of the Persons on om a penalty of Rs. 10,000/ Ten Thousand) or more han imposed by an Officer reference 33 of the Act.		Provisions of the Act or Rules made the re- under contravened.		Value of excisable goods adjudged by an Officer under section 33 to be confiscated.	Amount of fine in lieu of con- fiscation under section 34 of the Act.
1	2	3	4	5	(	6 7
	Western India Spg & Mfg. Ltd.	Dattaram Lad Peth Kala Chokwey, Bombay-33.	Rules 9(1), 9A r/w 173F, 173B.	Rs. 1,00,000 ·00	Rs. 7,81,299 ·00	

1	2	3	4	5	6	7
2. M/s	s Survarna Processors.	Khetan Ind. Compound Mahur Rd. Bombay-74.	Rules 173, 173G(1) r/w 9(1) 173G(2)r/w 52A, 173G(4) r/w 53 & 226	1,000 · 00 {10,000 · 00	1,22,849 -38	20,500 •00

K.S. DILIP SINGHJI Collector of C. Ex. Bombay-1.

#### Pune, the 30th August 1979

No. 1/CEX PN/79—Statement for quarter ending 31-12-1978 showing names, addresses and other particulars of the assessees who have been found by an officer referred to in Sec. 33 of the Central Excise and Salt Act. 1944 to have contravened the provisions of central Excise Rules and on whom a penalty of ten thousand rupees or more has been imposed by such officer.

S.No.	Names and addresses of the assessess	Names of the partners	Provisions of the Rules contravened	Amount of penalty imposed	The value of excis- able goods adjusted to be confiscated	confisca- tion, if a	any,
1	2	3	4	5	6	7	8
dus 5 bl Ind	Marc Zip In- try, Plot No. 4, lock, Bhosari ustrial Area, le-411026	<ol> <li>Shri Chandiram Chotumal Aswani.</li> <li>Shri Anil Chandiram Aswani.</li> <li>Shri Raju Chandiram Aswani.</li> </ol>	173F read with 9(1), 173G(1), 173G(2) read with Rule 52A & Rule	53 44. Is	1,905/-	500/-	Order (original) No. V (53) 15-28/Adj./76 dated 30-5-1977 passed by the Collector of Central Excise and Cus. Pune.
				Rs.	Rs.	Rs.	
gir 18:	Techno Packa- g Industries, 5-186, Industrial ate Sangli.	<ol> <li>Shri Vijay Babasaheb Patil.</li> <li>Shri Prakash Vasant- rao Patil.</li> </ol>	Rulc 173F read with Rule 9(1), Rule 173G(1) Rulc 173G(2) read with Rulc 52A, Rulc 173 G (4) read with Rulc 53 o Central Excise Rulcs, 1944 cleared excisable goods in contravention of above Rulcs valued at Rs. 28,93,204 58 and evaded duty to the extent of Rs. 91952 01.	_	3,565/-	1,000/-	Order (Original No. V (68) 15-221 /Adj/76 26-11-77 passed by the Collector of Central Excise and Customs, Pune.
							H.M. SINGH

H.M. SINGH Collector of Central Excise & Customs, Pune.

## NARCOTICS DEPARTMENT

Gwalior-6, the 31st August 1979

- S. No. 1.—On his appointment as Stores Officer, Shri N. Venkstacharvulu took over charge as Stores Officer, Group 'B' in the Scale of Rs. 650-30-740-35-840-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, in the forenoon of the 20th June, 1979 at the Government Opium and Alkaloid Works Undertaking, Neemuch.
- S. No. 2.—On his appointment as Research Officer, Shri Nittala Venkata Rama Ram took over charge as Research Officer, Group 'B' in the scale of Rs. 650-30-740-35-840-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, in the forenoon of 22nd June, 1979 at the Government Opium and Alkaloid Works undertaking, Neemuch.

V. T. KALE, Chief Controller of Factories.

#### CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-22, the 27th August 1979

No. 6/2/79-ADM.II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints the undermentioned Technical Assistant/Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in an officiating capacity with effect from the dates shown against their names, until further orders:

Serial No. Name/Designation Date of appointment

- Shri Navin Seth. Technical Assistant—3-5-1979.
- 2. Shri Vijay Pal, Supervisor-23-7-1979.
- 3. Shri K. L. Bhugra, Supervisor-7-8-79 (Forencon).

#### The 30th August 1979

No. 6/2/79-ADM.II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri G. C. Dhaundiyal, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in an officiating capacity with effect from 20-7-79, until further orders,

S. BISWAS, Under Secy.

## NORTHERN RAILWAY

#### New Delhi, the 30th August 1979

No. 15.—Shri D. K. Tandan an Officer of IRSME Department has resigned from Pailway Service w.e.f. 30-4-1979 A.N.

R. K. NATESAN General Manager

## MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

## (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

#### COMPANY LAW BOARD

### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Balajee Cargo Movers Private Ltd.

Bangalore, the 6th August 1979

No. 3184/560/79.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Balajee Cargo Movers Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Kaveri Chit Funds Private Ltd.

### Bangalore, the 27th August 1979

No. 1779/560/79.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Kaveri Chit Funds Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWAN1 Registrar of Companies, Karnataka, Bangalore.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of The Kefriwal Commercial Corporation Private Limited

## Kanpur, the 23rd August 1979

No. 9735/2945L.C.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the The Kejriwal Commercial Corporation Private Limited unless cause is known to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. NARAYAMAM, Registrar of Companies, U.P. Kanput In the matter of the Companies Act, 1956 and of Office of the Registrar of Companies, Andhra Pradesh

## Hyderabad, the 29th August 1979

No. 407/T(560),—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Progressive Concerns Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Globe Export Promoters Private Limited

## Hyderabad, the 29th August 1979

No. 1425/560/T.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act 1956, that the name of M/s. Globe Export Promoters Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. S. RAJU Registrar of Companies Andhra Pradesh: Hyderabad.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Bilaspur Paper & Board Mills Pvt. Ltd.

### Gwalior, the 31st August 1979

No. 1075/BSY/2906.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date of publication hereof, the name of M/s. Bilaspur Paper & Board Mills Pvt. Limited Bilaspur, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. K. SAXENA Registrar of Companies Madhya Pradesh, Gwalior.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Janata Works Pvt. Ltd. (India)

### Bombay, the 31st August 1979

Co. No. 10956/Liq.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Janata Works Pvt. Ltd. (India) has been ordered to be wound up by an order dated 29-11-1978 passed by the High Court of Maharashtra and that the Official Liquidator attached to the High Court of Maharashtra has been appointed as the Official Liquidator of the company.

(Sd.) ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Vishal Cold Storage Limited

## Kanpur, the 1st September 1979

No. 10154/4095 LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Vishal Cold Storage Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Kamal Talkies Private Limited

### Kanpur, the 3rd September 1979

No. 10152/3705 LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Kamal Talkies Private Limited has this day been struck and the said company is dissolved.

B. D. GUPTA Registrar of Companies, U.P., Kanpur.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 4th September 1979

No. I.A.C. Acq.1/S.R.HJ/42-1978/916.—Whereas, I. Miss ANJANI OZA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. B-1/44 situated at Hauz Khas, New Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on 29-12-78,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of 1-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising frmo the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:-

(1) Shri Rajender Kumar Kaistha son of Dr. Daya Shankar, Resident of: B-1/44, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Lalit Kumar Parakh son of Shri Kranti Kumar Parakh Resident of: 944 Maliwara Street, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A single storeyed house built on a plot of land No. B-I/44 measuring 270 Sq. yards situated at Hauz Khas, New Delhi and bounded as under:

North: B-I/31, 32 and 33

South: Road East: Plot No. B-I/43-A West: Road, New Delhi.

> Miss ANJANI OZA Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 4-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 4th September 1979

No. I.A.C. Acq.I/S.R..III/12-1978/882.—Whereas I, Miss ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. W-92 situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 19-12-1978,

for an apparent ensideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the ourposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Roshan Lal Kawatra, son of Shri Bhagat Ram Kawatra, Resident of: 15-UB Jawahar Nagar, Delhi through G.A. Shri Piem Parkash Kawatra.
  - (Transferor)
- (2) Shri Bawa Harsharan Singh Bhalla son of Shri Harbans Singh Bhalla C/o M/s Bawa Harbans Singh Bhalla & Sons, Timber Merchants, Kotla Mubarakpur, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A free-hold plot of land bearing No. W-92 measuring 550 Sq. yards in the residential colony of Greater Kailash-II, New Delhi and bounded as under:

East: Service lane West: Road North: Plot No. W-88 South: Plot No. W-94.

Miss ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 4-9-1979

#### \_\_\_\_\_

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

FORM ITNS-

GVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I 4/14A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 4th September 1979

No. IAC/ACQ-I/SR-III/12-78/855.—Whereas I, Miss ANJANI OZA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural Land situated at Village Satbari, Mehrauli, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 8-12-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Subhdra Amichand W/o Shri R. S. Amichand Resident of Simla through Attorney Smt. Vidya Stokes Wd/s Shri L. C. Stokes Resident of Simla (H.P.).

(Transferor)

(2) Shri Thakur Dass S/o Shri Kishan Chand C/o Parvesh Ravinder Co. Darbari Lal Market, Delhi. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 20 Bighas 12 Biswas situated at Village Satbari, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

The property more fully described in the instrument of transfer.

Miss ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 4-9-1979

#### FORM ITNS ----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE SONEPAT ROAD, ROHTAK

Robtak, the 31st August 1979

Ref. No. IINS/3/78-79.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 3 kanals 8 mails situated at Bheri Akbarpur Teh. Hansi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hansi in December 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
15-246GI/79

(1) S/Shri Bajrang Mohan, Ratish Mohan ss/o Shri Ram Sarup, Arun Kumar, Satish Kumar alias Suresh Kumar, Rajinder Kumar, Adhok Kumar ss/o Shri Shyam Sunder R/o Hissaria Bazar, Sirsa.

(Transferor)

(1) 1. Smt. Kaushalya Devi W/o Shri Jamana Dass R/o near Partap Talkies, Rohtak.
2. Smt. Yashodha Rani W/o Shri Balwant Singh R/o near P.O. Tohana.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Ghair-munkin land measuring 3 kanals 8 marlas situated at Bheri Akbarpur Teh, Hansi and as mentioned in the sale deed registered with Sub-Registrar, Hansi at No. 2030, dated 18-12-1978.

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 31-8-1979.

Soid:

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 31st August 1979

Ref. No. HNS/2/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of ancome-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 3 kanols 8 marlas situated at Bhern Akbarpur Teh. Hansi,

(and more fully described in the Schedule

amnexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hansi in December 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Ingdish Mohan and Rajinder Mohan ss/o Shri Brij Bhushan Lal residents of Shankar Niwas Tehsil Road, Hissar.

(Transferor)

(2) Shri Sudesh Kumar s/o Shri Balwant Singh Marya Shri Karnail Singh S/o Shri Lachhman Singh Marya Near Post office, Tobana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Ohair-mumkin land measuring 3 kanals 8 morlas situated at Bheri Akbarpur Teh. Hansi and as mentioned in the sale deed registerd with Sub Registrar, Hani at No. 2029 dated 18-12-1978.

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Robtal.

Date: 31-8-1979,

Sear:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 31st August 1979

Ref. No. HNS/4/78-79.-Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269R the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Cinema Building Raj Laxmi Theatre, situated at Bheri Akbarpur (Uklana),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hansi in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. S/Sh. Jagdish Mohan and Rajinder Mohan 88/0 Shri Brij Bhushan Lal, Smt. Nalini Jagdish Mohan W/o Jagdish Mohan,

Smt. Natini Jagdish Mohan W/o Jagdish Mohan,
Sushila Mohan W/o Rajinder Mohan,
R/o Shankar Niwas Teh. Road, Hissar.
2. S/Shri Ram Sarup Bansal S/o Ram Kanwar,
Smt. Savitri Devi W/o Ram Sarup,
Sham Sunder S/o Ram Lal,
Suraj Devi W/o Sham Sunder,
R/o Hissaria Bazar, Sirsa,
(2) 1. S/Shri Rattan Kumar & Raj Kumar ss/o Balwant
Singh.

Singh. Manjoo Grover W/o Ishwar Chand, Dharam Grover W/o Laspat Rai, R/o Near P.O. Tohana.
Hans Raj S/o Sadhu Ram

2. Shri Kirpal Shah S/o Sant Singh,
Village and P.O. Kadol Kalan (Kapurthala).

3. Shri Ramji Dass s/o Mohri Ram, Near P.O. Tohana.

4. Smt. Raj Rani W/o Sunder Kumar, Arun Marya S/o Vinod Kumar Marya, R/o near P.O. Tohana,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Cinema Building Raj Laxmi Theatre, Bheri Akbarpur (Uklana) and as more mentioned in the sale deed registered with Sub-Registrar, Hansi at No. 203, dated 18-12-1978.

> RAVINDER KUMAR PATHANIA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Rohtak

Date: 3-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK Rohtak, the 31st August 1979

Ref. No. HNS/2 to 4/78-79.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Rohtak

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Cinema Building with land measuring 6 kanal 18 marlas situated at Bheri Akbarpur (Uklana)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

84 Hansi in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) S/Shri Rajinder Mohan, Jagdish Mohan 88/0 Brij Bhushan Lai: Paras Ram s/o Jot Ram; Bajrang Mohan, Ratish Mohan ss/o Ram Sarup; Ram Kumar, Arun Kumar, Satish Kumar 55/0 Sham Sunder; Rajinder Kumar. Ashok Kumar 88/0 Sham Sunder, R/o Sirsa:

Smt. Savitri Devi W/o Ram Sarup Bansal; Sham Sunder Bansal s/o Ram Lal; Smt. Suraj Devi w/o Sham Sunder, R/o Sirsa, Smt. Sushila Mohan and Smt. Nalini Jagdish Mohan w/o Jagdish Mohan, R/o Sirsa.

(Transferor)

(2) S/Shri Sudesh Kumar s/o Balwant Singh; Karnail Singh s/o Lachhman Singh, R/o Tohana; Smt. Kaushalya Devi w/o Jamna Dass, R/o Rohtak; Smt. Yashoda Rani w/o Balwant Singh, R/o Tohana; Rattan Kumar, Raj Kumar 88/0 Balwant Singh, R/o Tohana; Smt. Manju Grover w/o Ishwar Chand, R/o Hissar; Smt. Dharam Grover w/o Lajpat Rai, R/o Rohtak; Hans Raj w/o Sadhu Ram R/o Tohana; Raj Rani w/o Sunder Kumar, Smt. Arun Marya w/o Vinod Kumar; Ramji Lal s/o Mohri Ram, All Rs/o Tohana; Kirpal Shah s/o Sant Singh, R/o Karal Kalan (Kapurthala) etc.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being a Cinema Building 'Raj Laxmi Theatre' with land measuring 6 kanal 16 marlas situated at Bherl Akbarpur (Uklana) and as more mentioned in the sale deeds registered with the sub-Registrar, Hansi at serial Nos. 2029, 2030 and 2031 dated 18-12-1978.

> RAVINDER KUMAR PATHANIA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Rohtak

Date: 3-8-1979

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Suresh Vasudeo Chimote, Camp, Amrawati.

(Transferor)

(2) Apratim Sahakari Gruh Nirman Saustha, Maryadit,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR NAGPUR

Nagpur, the 11th June 1979

No. IAC/ACQ/91/79-80.—Whereas, I. M. V. R. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 8, Part portion thereof on Jail Road, Camp., situated at Amravati

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amravati on 7-12-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticed in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part Portion of Nazul Plot No. 8 of Sheet No. 12, on Jail Road, Camp, Amravati. (Area 57,405 Sq. ft.)

M. V. R. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Nagpur

Date: 11th June, 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
3RD FLOOR. SARAF CHEMBER, SADAR NAGPUR

Nagpur, the 11th June 1979

No. IAC/ACQ/92/79-80.—Whereas, I, M. V. R. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as he 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 549/0+1, Plot No. 143 & 145, in Telipura, Sitabuldi, situated at Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nagpur on 29-12-78,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mahadeorao Kisanji Dhote, C/o Vasant Fine Art Litho Works, Gondia.

(Transferor)

(2) Shri Prakash Mahadeorao Dhote, C/o Vasant Fine Art Litho Works, Gondia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Pucca House Standing on Plot No. 143 and 145, House No. 549/0+1, in Ward No. 2, Telipura, Malviya Road, Sitabuldi, Nagpur.

M. V. R. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Nagpur

Date: 11th June, 1979

(1) Smt. Harbans Kaur w/o Shri Hardev Singh, Tripari Saidan, Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Parkash Kaur w/o Shri Akal Sewak Singh, R/o Dharampura Bazar, Patiala.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 2nd August 1979

Ref. No. PTA/196/78-79.-Whereas, I, R. K. MALHOTRA.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot measuring 2 bigha (1672 sq. mt.) (0-16-44 Hector) situated at Tripari Saidan, Patiala situated at Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have nor been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot measuring 2 bigha '(1672 sq. mt.) 0-16-44 situated

at Tripari, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4679 of December, 1978 of the Registering Officer, Patiala.

> R. K. MALHOTRA Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date . 2nd August 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-

#### MISSIONER OF INCOME-TAX.

ΛCQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th August 1979

Ref. No. LDH/147/78-79.—Whereas, J, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Part of house property No. B-I-630/12, on a plot measuring 44.4/9 Sq. yards situated at Kundan Puri, Civil Lines, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagjit Singh s/o Shri Amrik Singh, R/o B-1-630/12, Kundanpuri, Civil Lines, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Hari Dass, s/o Shri Tulsa Singh, R/o B-I-630/12, Kundanpuri, Civil I ines, Ludhiana, (Transferee)
- (3) L Shri Babu Ram, of M/s Babu Ram Cycle Works, 2. Shri Sawaran Singh, R/o B-I-630/12, Kundanpuri, Civil Lines, Ludhiana. [Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Share in house property No. B-I-630/12, Kundan Puri, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3484 of December, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana.

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-8-1979

Scal ;

- - -\_\_\_\_

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE JNSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th August 1979

Ref. No. LDH/151/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of house property No. B-I-630/12, Kundan Puri, Civil Lines, Ludhiana on a plot measuring 44.4/9 sq. yds. situated at Ludhians

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Ludhiana in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration—therefor by more than fifteen—percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the anglesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

16—246GI[79]

 Shri Jagjit Singh s/o Shri Amrik Singh, R/o B-! 630/12, Kucha No. 8, Kundan Puri, Civil Lines, Luchimaa.

(Transferor)

- (2) Shrimati Jai Kwar w/o Shri Tulsa Singh, R/o B-I-630/12 Kundanpuri, Civil Lines, Ludhiana, (Transferee)
- (3) 1. Shri Babu Ram, of M/s Babu Ram Cycle Works, 2. Shri Sawaran Singh, R/o 8-I-630/12, Kunlanpuri, Civil Lines, Ludhiana. [Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Share in house property No. B-I-630/12, Kundan Puri, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3508 of December, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana.

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-8-1979

### PORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhians, the 10th August 1979

Ref. No. LDH/153/78-79.—Whereas, I, R, K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of house property No. B-I-630/12, Kundan Puri, Civil Lines, Ludhiana on a plot measuring 66.2/3 sq. yds. situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Jagjit Singh s/o Shri Amrik Singh, R/o B-I-630/12, Kundanpuri, Civil Lines, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Roshan Dass s/o Shri Tulsa Singh, R/o B-I-630/12, Kundanpuri, Civil Lines, Ludhiana. (Transferee)
- (3) 1. Shri Babu Ram, of M/s Babu Ram Cycle Works, 2. Shri Sawarn Singh, R/o B-I-630/12, Kundanpuri, Civil Lines, Ludhiana. [Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Share in house property No. B-I-630/12, Kundan Puri, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3515 of December, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana.

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhinna

Date: 10-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th August 1979

Ref. No. LDH/146/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of house property No. B-I-630/12, Kundan Puri, Civil Lines, Ludhiana on a plot measuring 44.4/9 sq. yds. situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagjit Singh s/o Shri Amrik Singh, R/o B-I-630/12, Kucha No. 8, Kundan Puri, Civil Lines, Ludhiana. (Transferor)
- 2() Shri Tej Paul s/o Shri Tulsa Singh, R/o B-I-992, Chowni Mohalla, Ludhiana, now R/o B-I-630/12, Kundanpuri, Civil Lines, Ludhiana. (Transferce)
- (3) 1. Shri Babu Ram of M/s Babu Ram Cycle Works, 2. Shri Sawaran Singh, R/o B-I-630/12, Kundanpuri, Civil Lines, Ludhiana. [Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Share in house property No. B-J-630/12, Kundan Puri, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3480 of December, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana.

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th August 1979

Ref. No. PTA/241/78-79.—Whereas, I, R, K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'said Act'), have the reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 6 kanal situated at Tripari Saidan (Harman Colony) Patinta (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979 for an apparent consideration which ís less than market value of the aforesaid property, and I bave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than sifteen per cent of such apparent consideration and that the sideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer

with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Gurinder Singh Grewal 8/0 Shri Hardev Singh Grewal,
   R/0 Bibrian Road, Lahori Gate, Patiala.
   (Transferor)
- (2) Shri Balinder Singh s/o Shri Sukhinder Singh, P./o 27-D, Model Town Patiala. Sari Karalu Singh s/o Shri Puran Singh, P./o Dhawal Teh. Sunam Distt. Sangrur, and Smt. Kamlesh Kumari w/o Shri Surinder Kumar, R/o 27-D, Model Town Patiala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 6 kanal situated at Tripari Soidan, Patiala. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 5457 of February, 1979 of the Registering Officer, Patiala.

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-8-1979

(1) Shri Kedar Nath Ohri s/o Shri Vidya Shankar, 43, Hospi al Road, Karnal,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Raj Rani w/o Shri Ajudhia Parshad, and Shri Shiy Kumar z/o Shri Ajudhia Parshad, R/o H. No. B-2/1397, Deepak Cinema R Cinema Road, Ludhiana.

(Transferee)

said

the

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhians, the 10th August 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. LDH/160/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

- being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1951), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
- (b) by any other person interested in immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

No. Plot No. 46, situated in Bhadaur House, Ludhiana (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1978

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

S.C.F. No. 46, situated in Bhadaur House, Ludhiana, (The property as mentioned in the Registered Deed No. 3682 of December 1978 of the Registering Officer, Ludhiana.)

> R. K. MALHOTRA Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-8-1979

#### FORM ITNS....

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th August 1979

Ref. No. CHD/260/78-79.—Whereas, I, R, K. MALHOTRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Residntial House No. 50, Sector 8-A, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) (1) Smt. Sumitra Devi wd/o Late Shri Shankar Lal,
  - (2) Shri Subodh Kumar s/o Late Shankar Lal, R/o 38, Sparshalt Road, Islington, London.
  - (3) Mrs. Asha Bhandoola w/o Commander Surinder Bhandoola, R/o Nosena Base, Vishakhapatnam.

(Transferors)

1. Shri Jagjit Singh s/o Shri Gurnam Singh,
 2. Mrs. Dhanwant Kaur w/o Shri Jagjit Singh,

Shri Kanwal Nain Singh,
 Shri Naininder Singh and
 Shri Pawaninder Singh through Shri Jagjit Singh,
 R/o H. No. 50/8A, Chandigarh

(Transferce)

(3) Shri G. K. Jain, R/o 50/8A, Chandigarh. [Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential House No. 50/8A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 785 of December, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh.)

> R. K. MALHOTRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-8-1979

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th August 1979

Ref. No. NBA/84/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Shops Nos. 1 & 2 situated at Hira Mehal, Nabha on plot measuring 51.25 sq. yds. situated at Nabha,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

- Smt. Gauran Devi w/o Shri Ram Sarup Sharmas of Nabha Now, R/o 3320, Sector 27-D, Chandigarh.
- (2) Smt. Lajwanti w/o Shri Parashotam Dass, Mohalla Bhatawala (Bhatta Street) Nabha. (Transferee)
- (3) 1. Shri Balbir Singh,
  - Shri Ghendhi Painter,
     Shri Hari Chand,
  - R/o Shops No. 1 & 2, Patiala Road, Hira Mehal Colony, Nabha.

[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shops situated at Patiala Road, Hira Mahal Colony, Nabha constructed on a plot measuring 51.25 sq. yds.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1930 of December, 1978 of the Registering Authority, Nabha).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhjana

Date: 10-8-1979

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th August 1979

Ref. No. NBA/85/78-79.—Whereas.I, R. K. MALHOTRA.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961).

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop Nos. 3 & 4 situated at Patiala Road, Hira Mahal Colony, situated at Nabha,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Smt. Gauran Devi w/o Shri Ram Sarup Sharma of Nabha Now, R/o H. No. 3320, Sector 27-D, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Porshotam Days s/o Salig Ram, R/o Mohalla Bhatawala (Bhatan Street) Nabha.

(Transferee)

(3) (1) Shri Pawan Singh and
(2) Shri Ved Parkash,
R/o Shops No. 3 & 4 Patiala Road, Hita Mehal colony, Nabha,

[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop Nos. 3 & 4 situated at Patiala Road, Hira Mehal Colony, Nabha.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1931 of December, 1978 of the Registering Authority Nabha).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-8-1979

## FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUIJDING

Ludhians, the 10th August 1979

Ref. No. CHD/251/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot measuring 652.17 sq. yards situated in Sector 23-A, Chandigarh bearing No. 111.

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chandigarh in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
17—246GI|79

(1) Smt. Swarna Kapoor, Smt. Durga Devi, Shri Sunil Kapoor (through special attorney, Smt. Swarna Kapoor), Anil Kapoor Rajiv Kapoor, Vimal Kapoor, Miss Madhu Kapoor, Sanjiv Kapoor, Miss Neeru Kapoor, All wife/sons/daughters of later Shri S. L. Kapoor, R/O H. No. 410, Sector 22-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi w/o Shri Jagdish Rai Goyal, R/o II. No. 3945/2 Palang Bazar, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Freehold plot measuring 652.17 sq. yards bearing No. 111, situated in Sector 23-A, Chandigarh,

(The property as mentioned in the Registered Decd No. 723 of December, 1978 of the Registering Officer, chandigarh).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  S/Shri Gian Singh, Harbans Singh & Santokh Singh sons of Shri Bela Singh R/o Village Rahaun, near Khanna, Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Amar Singh s/o Shri Nihal Singh, R/o Cinema Road, Khanna, Distt. Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which, ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th August 1979

Ref. No. KNN/54/78-79.—Whereas I, R. K. MAL-HOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land measuring 20 kanal 16 maylas situated in village Rahaun, near Khanna, Distt, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Khanna in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following versons, namely:—

## THE SCHEDULE

Land measuring 20 kanals 16 marlas situated in village Rahaun, near Khanna, Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1642 of December, 1978 of the Registering Officer, Khanna).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludhlana.

Date:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th August 1979

Ref. No. LNN/53/78-79.—Whereas I, R. K. MAL-HOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 18 kanal with orchard and Elec. connection situated at village Rabaun, near Khanna, Distt. Ludhiana Village Rahaun

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khanna in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Gian Singh, Harbans Singh & Santokh Singh, sons of Shri Bela Singh, R/o Village Rahaun, near Khanna, Distt. Ludhiana.

(Transferor

(2) Smt. Gurbachan Kaur w/o Shri Amar Singh, R/o Cinema Road, Khanna, Distt. Ludhiana. (Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officia! Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 18 kanal alongwith Elec. Motor & Connection situated in village Rahaun, The Samrala, Distt. Ludhiana).

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1602 of December, 1978 of the Registering Officer, Khana).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludhians.

Date: 10-8-1979

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th August 1979

Ref. No. PTA/187/78-79.—Whereas I, R, K, MAL-HOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Kothi No. 1658/5 Sant Niwas Friends Colony, Patiala situated at Patiala

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Patiala in December, 1978

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gurinder Singh Sekhon s/o Shri Gurbax Singh Sekhon, R/o 2032, Sector 15-C, Chandigarh,

(Transferor)

(2) Shri Gian Chand Sharma s/o Shri Ram Rattan Sharma, R/o 1680/3, Raghumajra, Patiala,

(Transferee)

\*(3) Remand Observation House, Social Welfare Deptt., Punjab Govt., Sant Niwas, Friends Colony, Patiala. (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall hve the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kothi No. 1658/5 situated in Friends Colony, Sant Niwas. Patiala constructed over a plot measuring 356 sq. yards. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 4502 of December, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludhiana.

Dato: 16-8-79

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th August 1979

Ref. No. PTA/305/78-79.—Whereas J, R. K. MAL-HOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 67 kanals 7 marlas situated at Village Lang Teh. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patials in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- S/Shri Nirmal Kumar & Ved Parkash ss/o Sh. Sarup Chand r/o H. No. 1873/3, Nimb wala Chowk, Raghomajra, Patiala.
- (2) Shri Rachan Singh s/o Shri Kishan Singh and Shri Tara Singh s/o Shri Bishna Ram, r/o Village Lang, Teh. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afiresaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personwhichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovible property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 67 kanals 7 marlas situated in Village Lang, Tch. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 4618 of December, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludbiana.

Date: 16-8-79

(1) Maharani Dalip Kaur Wd/o Late Maharaja Bhupinder Singh r/o Kothi Lal Bagh, Putiala.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th August 1979

Ref. No. PTA/219/78-79.--Whereas I, R. K MAJ.-HOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearng No.

Agricultural land measuring 38 kanals situated at Village Galhori Teh. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Harbans Singh s/o Sh. Bachan Singh s/o Sh. Harnam Singh, Nabha Gate, 5-Green View, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 38 kanals situated in Village Galhori, Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 5163 of January, 1979 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludhlana.

Date: 16-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th August 1979

Ref. No. PTA7184/78-79.—Whereas I, R. K. MAL-HOTRA. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural land measuring 24 kanals situated at Village Galhori, Teh. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Patiala in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) !lacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Maharani Dalip Kaur wd/o Late Maharaja Bhupinder Singh r/o Patisla through G.A. Shri Somraj Singh s/o Prithvi Raj Singh r/o Kothi Lal Bagh, Patisla.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Singh s/o Shri Bachan Singh 1/o 5-Green View, Patiala

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 24 kanals situated in Village Galhori Teh Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 4472 of December 1978 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MAI HOTRA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range Ludhiana.

Date: 16-8-1979

(1) Shri Gurdial Singh 3/0 Sewa Singh r/0 Village Ali Nangal Teh & Distt. Gurdaspur. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

(2) S/Shri Gurcharan Singh & Zora Singh ss/o Sh. Gurbax Singh, Village, Raimal Majri Teh, Nabha. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th August 1979

Rcf No. NBA/91/78-79.—Whereas I, R. K. MAL-HOTRA, Inspecting Asistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 14 bighas 1 biswa situated at Jatiwal Teh.

(and more fully described in the Schedule hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of th caforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 14 bighas 1 biswa situated in Village Jatiwal Teh. Nabha,

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1977 of December, 1978 of the Registering Officer, Nabha.)

R. K. MALHOTRA. Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

Date: 16-8-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOMB TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th August 1979

Ref. No. CHD/258/78-79.—Whereas I, R. K. MAL-HOTRA, Inspecting Asistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property No. 2039, Sector 21-C, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Chandigarh in December, 1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

18—246GI/79

(1) Shri Swadesh Kumar Gupta, s/o Late Sh. Chiranji Lal Gupta, Chiranjiv Bhawan, Amrik Singh Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Amrit Lal Chopra \$/0 Sh. Niranjan Dass Chopra, r/o 2039. Sector 21-C, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property No. 2039, Sector 21-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 778 of December, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh.

R. K. MAI.HOTRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range Ludhiana.

Date: 16-8-1979

FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th August 1979

Ref. No. CHD/256/78-79—Whereas I, R. K. MAL-HOTRA, Inspecting Asistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House property No. 1265, Sector 8-C, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chandigarh in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sumitra Devi w/o Shri L. R. Sehgal R/o B-79, New Rajindia Nagar, New Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Kailash Abbot w/o Shri Ramesh Chander Abbot, Rajdhani Motor, Show Room No. 42, Scctor 7-C, Chandigarh.

(Transferee)

\*(3) Shri S. K. Kapoor, H. No. 1265, Sector 8-C, Chandigarh.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property No. 1265, Sector 8-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 752 of December, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludhiana.

Date: 16-8-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th August 1979

Ref. No. DHR/75-A/78-79.—Whereas I, R. K. MAL-HOTRA, Inspecting Asistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 17 bighas 4 biswas situated at V. Jakhlan, S. Teh. Dhuri

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhui in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jangir Singh s/o Picho r/o Village Jakhlan, S. Teh. Dhuri.

(Transferor)

(2) S/Shri Pritam Singh, Lal Singh, Chand Singh, Kesar Singh ss/o Ujagar Singh r/o V. Jakhlan, P.O. Meensa (Via Dhuri) S. Teh. Dhuri. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 17 bighas 4 biswas situated in Village Jakhlan S. Teh. Dhuri.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 2730 of December, 1978 of the Registering Officer, Dhuri).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludhiana.

Date: 16-8-79

## Smt. Harbans Kaur w/o Shri Hardev Singh Grewal r/o Bibrian Raod, Lahori Gate, Patiala. (Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Rajinder Kaur Bhalla w/o Sh. Manmohan Singh Bhalla, r/o Raghomajra, Patiala & Smt. Avtar Kaur w/o Sh. Ujagar Singh r/o Ber House, Patiala.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th August 1979

Ref. No. PTA/189/78-79,—Whereas I, R. K. MAL-HOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot of land measuring 0-16-69 Hectors situated at Tripari Saidan, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Patiala in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

may be made in writing to the undersigned—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now. therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 0-16-69 Hector, situated in Tripari Suidan, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 4545 of December, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 16-8-79

7407

FORM ITNS -

 Smt. Jaswant Kaur W/o Shri Harinder Singh Grewal r/o Bibrian Road, Lahori Gate, Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th August 1979

Ref No. PTA/183/78-79.—Whereas I, R. K. Malhotra being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land measuring 2 kanals situated at Tripari Saidan, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nonce under existence (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Hukum Chand s/o Piara Lal, r/o 66-B, DLF Colony, Patiala.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 2 kanals situated in Tripari Saidan, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 4445, of December, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 16th August 1979

TOUM ITN'S ----

(1) Smt. Parmjit Kaur w/o Sh. Sukhpal Singh r/o Village Dandrala Dhindsa, Tehal Nabha. (Transferor)

(2) Shri Sarwan Singh s/o Shri Nahar Singh, r/o

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th August 1979

Ref. No. NBA '98/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

Land measuring 12 bighas 3 biswas situated in Village Dandrala Dhindsa Teh. Nabha situated at Village Dandrala Dhindsa, Teh. Nabha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Nabha in December, 1978 for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objeticons, if any, to the aquistion of the said property may be made in writing to the undersigned -

Village Dandrala Dhindsa, Teh. Nabha.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette

EXPLANATION :- The torins and expressions used betein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 12 bighas 3 biswas situated in Village Dandrala Dhindsa Tch. Nabha.

(The property as mentioned in the Registered Deed No.

2045 of December, 1978 of the Registering Officer, Nabha.)

R. K. MALHOTRA Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 16th August 1979

## FORM I.T.N.S. -

(1) Shri Harjit Singh Grewal s/o Shri Hardev Singh Grewal r/o Bibrian Street, Lahori Gate, Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

-----

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Bhag Singh s/o Shri Puran Singh r/o Top Khana Gate, Patiala.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMP-TAX,

> ACQUISITION RANGE, LUDIIIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th August 1979

Ref. No. PTA/186/78-79.—Whereas I, R. K. Malhotra, being the competent authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to be-Here that the hamovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000% and bearing

Plot of land measuring 1/9th share of 0-40-47. Hector, situated in Tripari Snidan, Patiala situated at Tripari Snidan,

(and more fully described in the Schedule annixed hereto), has been transferred under the Regist atom Act ,1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiely on Deschoor, 1973

for an appeared consider more which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair mark to value of the property to aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assers which have not been or which ought in he disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1'22" or the said Act, or the Wealthstar Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the forespid propuly by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the solid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1/9th share in 0-40-47 Hector situated in Tripari Saidan, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4498 of December, 1978 of the Registernig Officer, Patiala.)

R. K. MALHOTRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 16th August 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th August 1979

Ref. No. PTA/185/78-79.—Whereas I, R. K. Malhotra, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

plot of land measuring 1/9th share in 0-40-47 Hector situated in Tripari Saidan, Patiala situated at Tripari Saidan, Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in December, 1978

for an apparent consideration.

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Harjit Singh Grewal s/o Hardev Singh Grewal r/o Bibrian Street, Lahori Oate, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh 5/0 Shri Puran Singh, r/0 Top Khana Gate, Patlala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazettee or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1/9th Share in 0-40-47 Hector situated in Tripari Saidan Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4497 of December, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
ng Assistant Commissioner of Income-tax

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 16th August 1979

#### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 16th August 1979

Ref. No. PTA/198/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 13 kanals 11 marlas, situated at Village Galhori, Tch. Patiala

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
19—246GI/79

(1) Smt. Dalip Kaur wd/o Late Maharaja Bhupinder Singh of Patiala, General Attorney of Smt. Minakshi Jhalla d/o Sh. Prithvi Raj Singh, Kothi Lal Bagh, Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Surjit Kaur, d/o Shri Narain Singh, r/o Patiala.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 13 kanals 11 marlas, situated in Village Galhori, Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 4724 of December, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhlana

Date: 16-8-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  Smt. Shanti Devi, w/o Shri Ram Rakha Mal, r/o H. No. 1012, Sector 21-B, Chandigarh.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Akshaya Handa (minor) through N/g and Father Sh. Vidya Sagar Handa r/o Bay Shop No. 20, Sector 20-C, Chandigarh.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 17th August 1979

Ref. No. CHD/268/78-79.—Whereas I, R, K, MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Annex No. 1099 built on plot No. 35, Street No. B Sector situated at Sector 21-B, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Chandigarh in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Annexe. No. 1099, built on a Plot No. 35, Street No. B, Sector 21-B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 823 of January, 1979 of the Registering Officer, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 16-8-79

Soal:

#### FORM ITNS----

(1) Shri Babu Ram s/o Sh. Relu Ram, r/o Iron Bazar, Mandi Gobindgarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 17th August 1979

Ref. No. AML/98/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 Share in Shop, situated at Loha Bazar, Mandi Gobindgarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Smt. Kanta Devi w/o Shri Darshan Kumar, c/o M/s. Jain Iron Store, M/s Barnala.

(Transferee)

(3) M/s I. S. Steel Corporation, Loha Bazar, Mandi Govindgarh. [Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/2 share in Shop, situated at Loha Bazar, Mandi Gobindgarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1372 of December, 1978 of the Registering Officer, Amloh.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 17-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhitana, the 17th August 1979

Ref. No. AML/97/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

1/2 Share of Shop, situated in Loha Bazar, Mandi Gobindgarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bant Ram s/o Relu Ram, r/o Iron Bazar, Mandi Gobindgarh.

(Transferor)

(2) Shri Pawan Kumar s/o Inder Sain, c/o M/s Jain Iron Store,

(Transferee)

(3) M/s I. S. Steel Corporation, Loha Bazar, Mandi Govindgarh. [Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/2 Share in Shop, situated at Loha Bazar, Mandi Gobindgarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1371 of December, 1978 of the Registering Officer, Amloh.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhians

Date: 17-8-1979

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 17th August 1979

Ref. No. PTA/195/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-aud bearing No.

Plot of land measuring 2 kanals 2.5 marlas situated at Tripari Saidan, Patiaka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Shri Gurinder Singh Grewal, \$/0
 Sh. Hardev Singh Grewal,
 r/0 Bibrian Road, Lahori Gate,
 Patiala.

(Transferors)

(2) Shri Tejinder Singh, a/o Shri Arjan Singh, r/o opp. Hira Bagh, Rajpura Road, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the saine meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land measuring 2 kanals 2.5 marlas, situated in Tripari Saidan, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4678 of December, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 17-8-1979

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 17th August 1979

Ref. No. AML/97/78-79.—Whereas J, R. K. tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Part of House No. 8764/5

situated at Brar Street, near Rly. Crossing No. 22, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumer. Of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri R. L. Beri, \$/0 Shri Saran Dass Beri, r/o H. No. 26/1, Lahori Gate,

(Transferor)

(2) Shri Jai Narain Parkash Chopra, Shri Jai Gopal Chopra, Shri Yashpal Chopra, Shri Harinder Pal Chopra, ss/o Shri Jatinder Nath Chopra, H. No. 8764/5, Brar Street, near Rly. crossing No. 22, Patiala.

(Transferee)

(3) Shri D. S. Sidhu,
 Income-tax Officer,
 1st Floor, H. No. 8764/5, Brar Street,
 Near Rly. Crossing No. 22,
 [Person in occupation of the property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of House No. 8764/5, situated in Brar Street, near Rly. Crossing No. 22, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 5003 of January, 1979 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 17-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 17th August 1979

Ref. No. PTA/208-A/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to ds the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Part of House No. 8764/5,

situated at Brar Street, Near Rly. Crossing No. 22, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patiala in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Rajinder Lal Beri, s/o Shri Saran Dass Beri, r/o H. No. 26/1, Lahori Gate, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Jai Narain Parkash Chopra, Shri Jai Gopal Chopra, Shri Yashpal Chopra, Shri Harinder Pal Chopra, Shri Kamal Kumar Chopra, Sho Shri Jatinder Nath Chopra, r/o H. No. 8764/5, Brar Street, Near Rly. Crossing No. 22, Patiala.

(Transferee)

(3) Shri D. S. Sidhu, Income-tax Officer, 1st Floor, H. No. 8764/5, Brar Street, Near Rly. Crossing No. 22, Patiala.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of House No. 8764/5, situated in Brar Street, Near Rly, Crossing No. 22, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4681 of December, 1978 of the Registering Officer, Putiala).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhiana

Dato: 17-8-1979

MORICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE,

LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

SIONER OF INCOME TAX

Ludhiana, the 18th August 1979

Ref. No. PTA/180/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land measuring 0-23-90 Hectors,

situated in Tripari Saidan, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patlala in December, 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties less not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act I heeby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Gurinder Singh Grewal s/o.
 Sh. Hardev Singh Grewal,
 r/o Lahori Gate, Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Avtar Kaur, w/o S. Ujagar Singh, r/o Ber House, Patiala. Smt. Igbal Kaur w/o Sh. Bhagwan Singh, r/o Jan Kalyan Street, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land measuring 0-23-90 Hoctors, situated in Triparl Saidan, Patiale.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 4314 of December, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Sunita Garg
w/o Shri Hukam Chand
r/o B-66, DLF Colony, Patiala.

Shri Harinder Singh Grewal, τ/ο Bibrian Road, Lahori Gate,

(1) Smt. Jaswant Kaur, w/o

Patiala.

(Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th August 1979

Ref. No. PTA/177/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land measuring 4 kanals

situated et Tripari Saidan, Teh. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patiala in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
20—246GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land measuring 4 kanals, situated in Tripari Saidan, Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 4240 of December, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18-8-1979

#### FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th August 1979

Ref. No. KHR/7/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 629, Phase I, situated at S.A.S. Nagar, Mohali

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kharar in January, 1979

7420

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Harl Kishan, s/o Shri Chuni Lal, r/o Booth No. 18, Sector 18-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Dwerka Dass Sharma, s/o Sh. Harnam Dass, Smt. Shanti Devi, w/o Shri Dwarka Dass Sharma, r/o 2378, Sector 19-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 629, Phase-I, S.A.S. Nagar, Mohall, Teh. Kharar.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 3783 of Jenuary, 1979 of the Registering Officer, Kharar).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18-8-1979

### FORM ITMS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th August 1979

Ref. No. CHD/273/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 533, Sector 18-B,

situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in January, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in nursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persent, namely:—

Smt. Gargi Sikand, wd/o
 Sh. O. P. Sikand,
 Miss. Kanwal Sikand, Miss Hema Sikand, ds/o
 Late Sh. O. P. Sikand
 r/o 3311, Sector 19-D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Gurbachan Singh s/o Shri Bir Singh, Smt. Sham Kaur w/o Shri Gurbachan Singh, Sh. Sukhvinder Singh, Sh. Avtar Singh,

(Transferee)

Sh. Rajinder Singh, ss/o Shri Gurbachan Singh, r/o 90-I, Sarbha Nagar, Ludhiana.

(3) M/s. Mohan Industries, 23 Industrial Area, Chandigarh.

[Person in occupation of the property]
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 533, Sector 18-B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 869 of January, 1979 of the Registering Officer, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

#### CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th August 1979

Ref. No. PTA/192fff78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land measuring 4 kanals 13 marlas,

situated at Tripori Saidan, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the sald Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

 Smt. Harbana Kaur, w/o Sh. Hardev Singh Grewal, r/o Bibrian Street, Lahori Gate, Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Iqbal Kaur, w/o Sh. Bhagwan Singh, r/o Jan Kalyan, Street, Patlala.

& Smt. Avtar Kaur w/o Sh. Ujagar Singh r/o Ware House, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land measuring 4 kanals 13 marlas situated in Tripari Saidan, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4621 of December, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

#### CENTRAL REVENUE BUILDING,

Ludhiana, the 17th August 1979

Ref. No. LDH/155/78-79.--Whereas I. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

10/13 share of Kothi No. 136 I&R, situated in Model Town, Ludhiana situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ludhiana in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trainfor; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, inp ursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

S/Shri

- Sh. Inder Sain Beri,
   Nukal Sain Beri,
   Bal Kishan Beri, (1)

  - Diya Kishan Beri,
  - 5. Kuldip Rai Beri,
  - Shedev Raj Beri,
     Banarasi Lal Beri, 88/o Gurdas Beri,
  - 8. Kumari Leela Devi Beri, d/o Gurdas Beri
  - 9. Shanti Devi w/o Sh. Dharam Paul Malhotra,
    10. Shakuntla Devi, w/o Sh. Madan Lal Malhotra
    r/o 136, I&R Model Town, Ludhiana through
    Sh. Inder Sain Beri, General Attorney,
    136 I&R, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Hari Singh s/o Jangir Singh, Darshan Singh s/o Santokh Singh, r/o 414, Industrial Area 'A', Ludhiana.

(Transferee)

[Person in occupation of the property]

(4) S/Sh. Parmatha Nath Beri, Vidya Rattan Beri, Subash Chand Beri, r/o 136 L&R,

Model Town, Ludhiana.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) hy any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

10/13 Share of kothi No. 136 L&R, situated in Model Town, Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered Deed No. 32 of December, 1978 of the Registering Officer, 3632 of Ludhiana).

R. K. MALHOTRA

Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhlana

Date: 17-8-1979

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

#### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

### CENTRAL REVENUE BUILDING,

Ludhiana, the 18th August 1979

Ref. No. PTA/181/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural Land measuring 20 kanals 4 marlas situated at V. Sanaur, Teh. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908\_(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said iffistrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Ashwni Kumar Singh Marya, s/o Late Col. Raghunath Singh Marya, r/o Raghomaira, Patiala.

(Transferor)

Smt. Gurmit Kaur w/o
 Mukhtiar Singh Gill,
 Addl. District & Session Judge,
 Patlala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 20 kanals 4 marker, situated at Sanaur, Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 4387, of December, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560001, the 4th July 1979

C.R. No. 62/23112/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as

come-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. North Eastern portion of the site No. 277/27, Present No. 277/27-01 situated at Ashoka Pillar road 2nd Block Jayanagar, Bangalore-11,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at

Iayanagar Bangalore. Doc. No. 2801/78-79 on 25-12-78, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Dr. H. G. Vijaya Raghava Reddy s/o Sri H. R. Guru Reddy, "Smruthi" 119, Gunningham road, Bangalore-560052.

(Transferors)

(2) Smt. Padmavathi S.R. w/o Sri S. N. Ramachandra No. 59, Ramaiyengar road V. V. Puram, Bangalore-560004.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2801/78-79, dated 25-12-78] North Eastern portion of the site No. 277/27, present No. 277/27-01, Ashoka Pillar road, 2nd Block, Jayanagar, Bangalore-11. Boundaries:

- E. Ashoka Piller road.
- W. North western portion of site bearing Old No. 277/ 27, and New No. 277/27-02, belonging to Sri H. G. Sundrama Reddy.
- N. Property belonging to Smt. Kalyanamma, bearing No. 276; and
- S. Southern Eastern portion of site bearing No. 277/ 27 and new No. 277/2710, beinging to Sri H. R. Guru Reddy.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-7-79.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 10th July 1979

C.R. No. 62/23109/79-80/Acq/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Site No. 494, 39th Cross, VIII Block, situated at Jayanagar, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore, Doc. No. 2754/78-79 on 20-12-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesated property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri P. A. Nanda Kumar, S/o Pathi Adinaranalah and P. N. Pravin (Minor) represented by his father and natural guardian Sri P. Nanda Kumar. both residing at No. 252, Middle School Road, Bangalore-560004.

(Transferors)

(2) Shri P. B. Partha, S/o Pathi Bhaskaraiah; P. P. Ashok and P. P. Arun (Minor), Children of Shri P. B. Partha, represented by his father and natural guardian Shri P. B. Partha and all are residing at No. 428, Rastreeya Vidyalaya Road, V. V. Puram, Bangalore.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2754/78-79, dated 20-12-1978) Site No. 494, 39th Cross, VIII Block, Jayanagar, Bangalore.

Boundaries :

East: Site No. 493, West: Site No. 495, South: Site No. 499 and

North: Road.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-7-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 11th July 1979

C.R. No. 62/22831/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Building No. 224, Indiranagar situated at Binnamangula, IInd Stage, Indiranagar, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangulore, Document No. 2666/78-79 on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—
21—246GI/79

(1) Sri K. L. Krishanaswamy, No. 224, II Stage, Binnamangala, Indirangar, Bangalore-38.

(Transferors)

(2) Smt. Fatima, No. 94, Salipeth, Chintamani, Kolar

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are denfied in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2666/78-79, dated 26-12-78] Building bearing No. 224, Binnamangala Hnd Stage, Indiranagar, Bangalore.

#### Boundaries:

E: Site No. 215. N: Site No. 223. S: Site No. 225 and

W: Road.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 11-7-1979.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-

#### SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-56000

Bangalore-560001, the 16th July 1979

C.R. No. 62/22806/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Site No. 140 situated at Binnamangala layout, new called Defence Colony Indiranagar, Bangalore-38, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore Doc. No. 2607/78-79 on 19-12-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Major K. Thomas (Retd.) B/102, Spartan Enclave, Deccan College road, Poona-411006.

(Transferors)

(2) Shrimati Mudame Vasantha Devi Ramakrishna Pillai No. 28, Jalan Balan Damansara Heights, Kuala Lumpur, Malaysia. (MALAYSIA).

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2607/78-79, dated 19-12-1978]. Site No. 140, Binnamangala Layout. now called Defence Colony, Indirangar, Bangalore-38.

#### Boundaries:

Fast: Site No. 139, West: Site No. 141, North: Site No. 115, and South: Site No. 30' road

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-7-1979

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-56000

Bangalore-560001, the 19th July 1979

C.R. No. 62/23084/79-80/ACQ/B.-Whereas, I, P. RANGANATHAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing premises No. 17/7, Church Road, situated at Basavanagudi, Bangalore City (Dn. No. 33), (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi Bangalore. Doc. No. 3085/78-79 on 27-12-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shrimati Suriya Jabeen, D/o Late Abdul Khudu Khaleel, No. 12, Dr. Oomer Sherriir Koad, La.u-vanagudi, Bungalore-560004.

(Transferors)

(2) Shrimati Iqbalunissa, W/O Sri Abdul Khaleel, Muslim Block, Kanakapura, Bangalore.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3085/78-791, dated 27-12-1978] Premises No. 17/2, Church Road, Basavanagudi, Bangalore City (Dn. No. 33)

Boundaries:

East: Church Road. West: Private property.

North: Sri Abdul Khudus' property. South: Common Passage.

P. RANGANATHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 19-7-1979

FORM ITNS....

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-56000

Bangalore-560001, the 23rd July 1979

C.R. No. 62/23300/79-80/ACO/B.--Whereas, I. P. RANGANATHAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 389/44, situated at 19th Main Road, I Block, Rajajinagar, Bangalore-560010, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rojajinagar, Bangalore. Doc. No. 4203/78-79 on 24-1-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pertent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transter; and/or

ransfer with the object of :-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri R. Palaniswamy, No. 66, 2nd Cross, Hutchins Road Extn, Bangalore.

(Transferors)

(2) Sri N. Chakrapani, Smt. C. Saroja, W/o Sri N. Chakrapani, No. 389/44, 19th Main Road, 1st Block, Rajajinagar, Bangalore-10.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4203/78-79, dated 24-1-1979] House property bearing No. 389/44, situated at 19th Main Road, 1 Block, Rajajinagar, Bangalore-560010.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 23-7-1979.

 Shri Datla Venkata Narasaraju S/o Padma Raju Ramakrishna Nagar, Madras.

2. Balabadruni Apparao S/o Perraju, Tadankivari St.,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 8th June 1979

Ref. No. Acq. File No. 890.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

23-17-12C situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on 1-12-1978

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the Registering Officer at and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Satyanarayanapuram Vijayawada.

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective pensors, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered Document No. 5439/78 registered before the Sub Registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 15-12-1978.

B. V. SUBBA RAO, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range (In-charge) Kakinada.

Date: 8-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 18th June 1979

Ref. No. Acq. File No. 891.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

TS No. 113 situated at Tenali and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tenali on 27-12-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the preperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1)1. Shri Tangirala Venkata Sivalaxmipati.

 Shri T. Venkatanaga Suryanarayana.
 Shri T. Venkata Nagaprasad, Ramalingeswarapeta, Tenali.

(Transferor)

(2) Chandolu Rangaiah, S/o Pullayya, Ganganammapeta, Tenali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per Registered Document No. 3036/78 registered before the Sub-Registrar, Tenali during the fortnight ended on 31-12-1978.

> B. V. SUBBA RAO, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range (In-charge) Kakinada.

Date . 8-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 2nd July 1979

Ref. No. Acq. File 892.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

situated at Market Ward Block No. 2 VSP (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 14-12-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons. namely:—

 Sri Milapchand Jain, S/o Rameswarlal, Near Manorama, Bowdare Road, Visakhapatnam.

(Transferor)

 Shri Dayalal Patel, S/o Veerjee Patel, Anakapalli, Visakhapatnam District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 7709/78 registered before the S.R.O. Visakhapatnam.

B. V. SUBBA RAO, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range (In-charge) Kakinada.

Date: 2-7-79

(Transferor)

#### FORM I.T.N.S.— --

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# **OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER** OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 2nd July 1979

Ref. No. 894.--Whereas, I, B. V. Subba Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

27-23-55 situated Gopalreddy Rd. Governerpet, VZA (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Vijayawada on 6-12-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) (i) Kumari Valluri Dhanalakshmi, C/o Venkata Subba Rao.
- (ii) Samrajyam, M/G Valluri Venka Subba Rao. (iii) Valluri Venkata Subba Rao, S/o Basavaiah C/o Jyoti Theatre, Patamatalanka, Vijayawada.

(2) (i) Gundapu Srihari Rao, S/o Manikyala Rao.

- (ii) Master Gangadhara Rao, M/G Sri Manikyala Rao Kapsavari Street, Governepet, Vijayawada (Transferee)
- (3) (i) M/s Venkata Kanaka Durga Automobiles.
   (ii) M/s Saibaba Engineering Works.

- (iii) Srilaxmi Turning Works. (iv) Sri Srcenivasa Diesel Works.
  (v) Kumar Engineering Works.
  (vi) The Institute of Bankers.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 5334/78 before the S.R.O. Vijayawada on 6-12-78.

B. V. SUBBA RAO, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range (In-charge) Kakinada.

Date: 2-7-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 6th July 1979

Ref. No. Acq./893.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

12/38 situated at Eluru Road Gudivada (and more fully described in the Sschedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Machilipatnam in Dec., 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely 22-246GI|79

1. Muntha Nageswara Rao, S/o Late Sri Krishna Rao, Gudiwada, 2, Smt. Muntha Kasi Annapurnamma, Gudiyada.

(Transferor)

- 2. i. Shrimati Dr. A. Sharada, Sharadha Nursing Home, Chirala.
  - ii. Mrs. M. Pushpa Balakrishna, Road No. 2, Flat No. 58 Marredpally, Secunderabad-500026,

(Transferce)

- 4. i.Boppana Lakshmi Saraswathi Devi. D/o Ramabrahmaiah, Bellary.
  ii. B. B. N. Brahmeswara Rao.
- iii. B. Devendra Prasad. iv. B. Radhakrishna Murthy,
- v. Maganti Laxmi.
- vi. Parvathaneni Ranga Rao. vii. Parvathaneni Brahmaiah.

Partners in Gowrisankar Talkie Gudivada.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered document No. 4279 registered before the S.R.O. Machilipatnam.

> B. V. SUBBA RAO, Competent Authority, Iropecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range (In-charge) Kakinada.

Date: 6-7-1979

#### FORM ITNS ---

 M/s Vicon Food Products(P) Ltd., Mangalagiri Guntur District.

 M/s Spencer & Co. Ltd., Mangalagiri Regd. Office: 769, Anna Salai, Post Box. No. 301 Madras-2.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

# OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 6th July 1979

Ref. No. 985.—Whereas, I, B. V. SUBBA, RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

7843 situated at Mangalagiri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Mangalagiri on December'78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2312/78 registered before the S.R.O. Machilipatnam for the fortnight ended 31.12.1978.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range (In-charge) Kakinada.

Date: 6-7-79

#### PORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Kolliipara Bama Krishna, S/o Satyanarayana, 14/13 /12, Hanumanpeta, Vijayawada.

(Transferer)

 Smt. Chintapalli Leela, W/o Dr. Ch. Subhakar Rao, Ramachandra Rao Road, Suryaraopet, Vipayawada-I.
 (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th July 1979

Ref. No. 899.—Whereas, I, B. V. SUBBA, RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 32-29-6 situated Eluru Road, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada during Dec.'78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be desclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 5480/78 registered before the S.R.O. Vijayawada during December 1978.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range I/C Kakinada.

Date: 10-7-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th July 1979

Ref. No. 900 .- Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, Authority section the Competent under 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

27-1-24 situated at Eluru Road, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada during Dec.'78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

1. Chalasani Seetharamamma, W/o Seshagiri Rao. Seshagiri Nilayam, Pecsupativari Street, Suryaraopeta. Vijayawada-2.

(Transferor)

- 2. (i) Sri Somayajulu Venkata Seshagiri Rao, S/o Venkatasubramanyam, Audiseshaiah street, Suryanarayanapuram, Vijayawada.
  - (ii) Somayajulu Laxmi Narasimhamurthy S/o Venkatasubramanyam,

(Transferee)

3. Somayajulu Laxmi Narasimhamurthy S/o Venkatasubramanyam

(Person in occupation of the property)

- 4. i. M/s Indian Air Lines Corporation. ii. R. K. Enterprises.

iii. A.P.S.R.T.C.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 5565 & 5566/78 registered before the S.R.O. Vijayawada during Dec., 1978.

B. V. SUBBA RAO, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Kakinada,

Date: 10-7-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th July 1979

Ref. No. 898.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11.35.6/3 situated at Kotamrajuwari St. VJA.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Vijayawada during Dec., 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. i. Kaja Anjaneyulu, S/o Sriramulu,

ii. Kaja Sriramamurthy,

iii. Khaja Balakrishna Rao,

iv. Kaja Rammohana Rao, (Cloth Merchants) 184-B, Vastralatha, Vijayawada-1.

(Transferor)

2. Rameshchandra Dayalal and Manubhai Dayalal Shah, 11-35-6/3, Kotamrajuvari Street, Vijayawada-1.

(Transferee)

3. M/s Shah Ishwarlal Vadilal, Vijayawada.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANASION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 5965/78 Registered before the S. R. O. Vijayawada during December, 1978.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 10-7-79

# FORM ITNS ——— (1) Sm

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1301/79-80.—Whereas, 1, B. L. RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House (Part) situated at Balaghat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908); in the office of the Registering Officer at

Balaghat on 14th December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceedment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Lilavati Bai, Wd o Shri Suraj Prasad Tiwari, Umai, Teh. Warasconi, Distt. Balaghat.

(Transferor)

[PART III— SEC. 1

Smt. Hansa Gauri,
 W/o Shri Maganlal Wegad,
 Umred, Distt. Nagpur (Maharashtra).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of house No. 64, Ward No. 11 situated on Kh. No. 372/A, & 372/2-A at Balaghat.

B. L. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 23-7-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1302/79-80.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-, and bearing No. House (Part) situated at Balaghat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Balaghat on 13th December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :-

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Anuj Tiwari, S/o Shri Suraj Prasad, Tiwari, Teh. Waraseoni, District Balaghat.

(Transferor)

Smt. Hansa Gauri,
 W/o Shri Maganlal Wegad,
 Umred, Distt. Nagpur (Maharashtra).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of house No. 64, Ward No. 11 situated on plot bearing Kh. No. 372/1-A & 372/2-A of P.H. No. 13/2, Balaghat.

B. L. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range. Bhopal.

Date: 23-7-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 23rd July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1303/79-80,---Whereas, I, B. L. RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House situated at Satna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Satna on 12th January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the af resaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Thakurdas, S/o Shri Idandas &
 Santulal, S/o Sh. Sewa Ram,
 Raghuraj Nagar, Satna.

(Transferors)

 Shri Udharam, S/o Shri Alamchand
 Smt. Gopi Bai, W/o Sh. Jhamandas &
 Stat Rukmani Bai, W/o Shri Ishwardas, Raghuraj Nagar, Satna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 180/1247, Ward No. 15; New Ward No. 17 bearing Kh. No. 458/10 at Bhainsa Khana Ward, 'Teh. Raghuraj Nagar, Satna.

B. L. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 23-7-1979

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 23rd July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1304/79-80,—Whereas, I, B. L. RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House (Part) situated at Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipura on 17th February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fafteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—23—246GI/79

Shri Nazirur Rehman,
 S/o Shri Abrullah,
 Radio Merchant and Landlord, Budhapara,
 Raipur.

(Transferor)

(2) S/Shri 1. Badruddin, S/o Habib Velji 2. Fateh Ali, S/o Habib Velji, for Goa-wala Foot Wear Shop, Near Jai Ram Talkies, Sharda Chowk, Raipur. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of house property on Nazul Block No. 77, Plot No. 2/26 Old Police Line, G.E. Road, Near Jai Ram Talkies, Raipur.

B. L. RAO,
Competent Authorky,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 23-7-1979

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACOUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1305/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Cinema House situated at Burhanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on 28th December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair

market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Pushpabai, W/o Shri Ganpatrao Bhuskute,
 Shri Vijay Kumar & 3. Shri Avinash,
 Ss/o Shri Ganpatrao Bhuskute,
 Budhwar Peth, Poona (MS)

(Transferor)

(2) Smt. Pushpabai, W/o Shri Govind Das Bannatwala, Pratap-pura, Burhanpur for 'Bannatwala Family Trust', Bombay.

(Transferee)

(3) 1. Shri Anant Narayana Cadre & Shri Anand Gopaldas Nagar [Person (8) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property known as 'Shankar Chitra Mandir' Block No. 51, Plot No. 138/1, 137/2 and 138/2, Ward No. Manajan Peth, Burhanpur.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 27-7-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1306/79-80.—Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 12th February, 1979 for an apparent Consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Induprakashji, S/o Sh. Khanhaiyalalji Kanungo, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Gulabchand, S/o Sh. Kanhaiyalalji Gupta, Harda (M.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House situated at South Tukoganj Street No. 3, Sub-Division No. 11/1 of H. No. 11, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 27-7-1979

#### FORM LT N S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Shri Madhusudan, S/o Shri Kanhaiyalalji Kanungo, Bhopal.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1307/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sad Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

at Indore on 12th February, 1979

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Indore on 12th February, 1979

for an apperent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Gulabchand, S/o Sh. Kanhiyalalji Gupta, Harda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of tnpublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House at South Tukoganj S. No. 3, Sub-division No. 11/2 of H. No. 11, Indore and land appurtenant thereto consisting plot area of 4542.25 sft.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 27-7-1979

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 31st July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1308/79-80,—Wheeas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on 29-12-1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Asandas
 S/o Shri Natharmal Pusnani
 Jairampur Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Savitribai W/o Shri Kodamalji 94, Nandlalpura, Indore. (Sabji Mandi) Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubcation of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 12 Rakba 1350 Sq. Ft. situated at Jairampur colony, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 31-7-1979

(1) Shri Anil Kumar S/o Shri Krishna Rao Gawade R/o 11/5 South Tuko-Ganj, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Km. Vimla D/o Shri Prem Shankar Pandey R/o 28 Chhota Sarafa, Indore.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 31st July 1979

Fef No. IAC/ACQ/BPL/79-80/1309.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House (Part) situated at Indore

and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on 16-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesnid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if say, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of House No. 129 situated at Jawahar Marg, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 31-7-1979

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 31st July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/79-80/1310.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot situated at Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhopal on 5-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sh. Ravindra Kumar Rishi S/o Sh. Jagdish Chandra Rishi Through his father and attorney Shri Jagdish Chandra Rishi S/o Shri Ganeshdas.
 R/o A-54, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Rishi Economics and housing (Pvt.) Ltd. 35-36, Nehru Place, New Delhi, Through Director Shri J. C. Rishi.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Northern Portion of Plot A-4 area 5000 sq. ft. situated at Vidhya Vihar Banganga, Bhopal.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 31-7-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 31st July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/79-80/1311.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Indore on 19-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Chandrabai w/o Shri Nanakram r/o Flat No. 1, 6th Floor, Ajanta Appartment Near Sasundak, Colaba, Bombay.
 Smt. Shantibai w/o Shri Ghanshyamdas r/o 3-A, Adarsh Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) 1. Shri Shyamlal s/o Shri Jhangalmal
2. Shri Kimatmal s/o Shri Hazarimal
3. Shri Hukum Chand s/o Shri Kimatlal
4. Smt. Mainabai w/o Shri Jaangalmal all r/o 141 Bairathi Colony No. 2 Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 3-A Adarsh Nagar (Manik Bag Road), Indore.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 31-7-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 31st July 1979

Ref No. IAC/ACQ/BPL/79-80/1312.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceed-Rs. 25,000/- and bearing No.

House and Plot situated at Rewa

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rewa on 13-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
24—246GI[79]

(1) Shri Shwamidevkinandan Tiwari s/o Shri Swami Ramsewak Tiwari, Chief conservator of Foret, Bhopal.

(Transferor)

Shri Balramdas Gupta
 Shri Girdhari Gupta
 Shri Bhagwandas Gupta
 Shri Sarju Prasad Gupta
 r/o Govindgarh Tan. Hazur Distt, Rewa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Single storeyed house bearing No. 678/5 and plot No. 68 & 70 bearing khasra No. 323 and 324 at Village Khutchi, Civil line Rewa.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Amritsar,

Date: 31-7-1979

FORM ITNS -- - -

 1. 5/Shr; Shi-hir Kumar; 2. Sharadkumar both sons of Late Shri Sharadchand Dubey, 2, Dubey Colony, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajendra Kumar, S o Shri Hanumant Rao Bhusari, 96. Silavadpura, Indore.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE BHOPAL M. P.

Bhopal, the 7th August 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1313/79-80.—Whereas I, K. K. ROY,

ROY, being the Competent Authority under section 269B of the Picome-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (Part) situated at Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 27th December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Nothern portion of house No. 1 situated at Dubey Colony, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Bhopal

Dated: 7-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL M. P.

Bhopal, the 9th August 1979

Ref. No. IAC, ACQ/BPL/1314/79-80,—Whereas I, K, K, ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House situated at Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed bereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Bhopal on 4th December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) The Central India Engineering Corporation through partners Shui Haji Mulla Mohsin Hussain S/o Sheikh Shakir Hussain and Mulla Asgar Hussain S/o Shui Mohsin Hussain, R/o Baldarpura, Bhopal.

  (Transferor)
- (2) Shri Anandilal Mishrilal Sahu, Police Chowki, Barkhedi, Bhopal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Demolished house near Caltex Petrol Pump, Rakba 4200 sq. ft. at Hamidia Road, Bhopal.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range
Bhopal

Date: 9-8-1979

7454

FORM ITNS-

(1) Smt. Vimladevi, W/o Pt. Bala Pd. Sharma Chowk, Bhopal.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Vimala Rani, W/o Vijay Kumar Sonl Ibrahimpura, Bhopal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL M. P.

Bhopal, the 9th August 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1315.—Whereas I, K. K. ROY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal on 27th December, 1978

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Three storeyed house No. 16 on Rakba 1296 sq. ft. at Gali Noorji Bohra Chowk, Lakherapura, Bhopal.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Bhopsi

Date: 9-8-1979

(1) Shri Pannalal, S/o Shri Bothalalji Bhandari, 9, Nagarchi Bakhal, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sitabai W/o Ramswaroopji Soni 74/1, Neelkanth Colony (at present 9 Nagarchi Bakhal).

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE BHOPAL M. P.

Bhopal, the 9th August 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1316/79-80.—Whereas P, K, K. ROY

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indote on 8th December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said. Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Three storeyed pucca house No. 9 on Rakba 770 sq. ft. situated at Nagarchi Bakhal, Indore.

> K. K. ROY Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bhonai

Date: 9-8-1979

#### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 13th August 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1317/79-80,—Whereas I, K. K. ROY

Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House (Part) situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on 13th December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Shishir Kumar Dubey & 2. Shri Sharad Dubey, sons of late Shri Sharad Chandra Dubey, 2, Dubey Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Ravindra Kumar Bhusari, S/o Hanumant Rao Bhusari, 96, Silawadpura, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

ENPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Western portion of House No. 1 situated at Dubey Colony Indore with open land measuring 4378.75 sft,

K. K. ROY
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Bhopal

Date: 13-8-1979

(1) Shri Chunnilal Sharma, S/o Kedarnath Sharma, Akaltara, Jehsil Janjgir, Distt. Bilaspur.

(2) Shri B. L. Kakreia Power of Attorney for Raymond Coment Works, J. K. Building, Bombay-400032.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAI M. P.

Bhopal, the 13th August 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1318/79-80.--Whereas I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land situated at Akaltara (Bilarpur)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Janjgir on 28th December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land at Mouza GONDADIH, P.H. No. 5, Febsil Janjgir, Vill. Sosari, Block Akaltara, Teh. Janjgir, Distt. Bilaspur (19.83 acres).

> K. K. ROY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bhopai

Date: 13-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shri Gurucharan Singh Chawla, S/o Harjasrai Chawla, Fatehgarh, Bhopal. (Transferor)

(2) Smt. Bhojibai, Wd/o Lekhrajmai, 50B, Idgah Hills, Bhopal.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BHOPAL M. P.

Bhopal, the 13th August 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1319/79-80.—Whereas I, K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 28th December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Mezenine and First Floor constructed on Shop No. 3 on Rakba 958 sq. ft. at Royal Market, Bhopal.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Bhopal

Date: 13-8-1979

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL M. P.

Bhopal, the 13th August 1979

Rcf. No. IAC/ACQ/BPL/1320/79-80.—Whereas I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. PLOT situated at Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal on 27th December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—25—246GI|79

(1) 1. Shri Mubatak Ali, Urf Babushah, S/o Anwar Ali Shah; (2) Smt. Sharifanbi, Wd/o Anwarali Shah, Gurbaksh, Talaiya, Mangalwara, Bhopal.

(Transferors)

Shri Harnamsing, S/o Gopalsingh 2. Shri Lal-Singh, S/o Harnamsingh; 3. Surendrasingh; and
 Shri Yogendrasingh, sons of Harnamsingh, 9, Idgah Hills, Bhopal,

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot on Khasra No. 1234, Rakha 10350 sq. ft. with small houses of khaprel etc. at Natha-Shah-Ka-bada, Gurbux Talaiya, Bhopal.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Bhopal

Date: 13-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

COCHIN-682 016,

Cochin, 4th August 1978

Ref. L.C. 312/79-80.--Whereas I, K. NARAYANA MENON.

being hte Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to so the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Ernakulam on 21-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesai i property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(1) Shri Neelakantan, S/o Malathi Amma, Kizhakke Thottakkattu, Karithala, Ernakulam.

(Transferor)

(2) Shri Joseph Mathew for Joseph Michael & Bros.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms nd expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/16th right over 58.5 cents of land and building as per schedule attached to Doc. No. 3877/78 of SRO, Ernakulam,

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Ernakulam

Date: 4-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE COCHIN-682 016,

Cochin, 4th August 1978

Ref. L.C. 313/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Ernakulam on 27-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Nalini Amma and another, C/o Late Venugopala Menon, Thottakkattu House, Ernakulam.

(Transferor)

(2) M/s Joseph Michael & Bros., Palai (by) Shri Joseph Mathew)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other, person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/6th right over 58.5 cents of land and buildings as per schedule attached to Doc. No. 3924/78 of SHO, Ernakulam.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Ernaquiam

Date: 4-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE COCHIN-682 016,

Cochin, 4th August 1978

Ref. L.C. 312/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Trivandrum

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chalai on 13-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. A. G. Kaveri Amma, Parvathi Vilas, Vazuthakkad, Trivandrum.

(Transferor)

(2) Shri. Daniel, Edamalaveedu, Kumaramperoor, Thekkekara, Vadasserikara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazeete or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

42.5 cents of land in Sy. No. 5 of Changazhassery Village,

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Ernaquiam

Date: 4-8-1979

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

#### OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE COCHIN-682016

Cochin, the 4th August 1979

Ref. L.C. 316/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Muttathara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Trivandrum on 4-12-1978

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomt-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Thankamani, Thekkeveedu, Pallithottam, Quilon.
  - (Transferor)
- (2) Shri S. M. Suthan Pillai, T.C. No. 44/187, Mutthara, Trivandrum, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1 acre 69 cents of land in Sy. No. 472, 473 of Muttathara Village, Trivandrum Dist.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Ernakulam

Date: 4-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR PATNA

Patna, the 28th June 1979

Ref. No. JII-331/Acq/79-80.—Whereas, 1, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Holding No. 183 Circle No. 27, ward No. 16 (New) and 9 (old) M. S. plot No. 1431 and 1432 of Patna Municipal Corporation situated at Annie Berant Road, Patna,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patna on 19-12-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Arun Chandra Mitra (2) Tarun Chandra Mitra (3) Aroop Chandra Mitra (4) Nirup Chandra Mitra All sons of late Sarat Chandra Mitra resident of "Govinda Niwas" Govind Mitra Road Ps, Pirbahore Patna (No. 3 now residing at 11/A old dairy Colony Gorakhpur U.P. and No. 4 now residing at 5/2/A Hem Do lane Calcutta-50).

(Transferor)

(2) Trivedi Ambarcesh Alias Ambarcesh Kumar Trivedi Annie Basant Road Patna-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A piece of land measuring an area of 1 Katha 17½ Dhurs i.e. 2546 Sq. ft. along with building situated at Annie Besant Road Patna bearing Holding No. 183 Circle No. 27 Ward No. 16 (New) and I (old) M.S. Plot No. 1431 and 1432 of Patna Municipal Corporation described in deed No. 7621 dated 19-12-1978 registered with the District sub Registrar Patna.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-lax,
Acquisition Range, Bihar
Patna

Date: 28-6-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna, the 28th July 1979

Ref No. III-332/Acq/79-80.—Whereas I, J. Nath, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

#### (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Holding No 183, Circle No. 27 Ward No. 16(New) 9(Old) M.S. Plot No. 1431 and 1432 of Patna Municipal Corporation situated at Annie Besant Road Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 20-12-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby inltiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following presents, namely:—

(1) Shri Arun Chandra Mitra (2) Tarun Chandra Mitra 3. Aroop Chandra Mitra (4) Nirup Chandra Mitra All sons of late Sarat Chandra Mitra resident of "Govinda Niwas" Govind Mitra Road Ps. Pirbahore Paina (No. 3 now residing at 11/A old dairy Colony Gorakhpur U.P. and No. 4 now residing at 5/2/A Hem De lane Calcutta-50.)

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar Trivedi S/o late Trivedi Parmanand Annie Bisant Road, Patna-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A piece of land measuring an area of 2550 Sq. ft. with building situated at Annie Besant Road Patna bearing Holding No. 183, Circle No. 27 ward No. 16 (New) and 9(old) M.S. Plot No. 1431 and 1432 of Patna Municipal Corporation described in deed No. 76.50 dated 20-12-78 registered with the District sub-registrar Patna.

J NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.
Patna

Date: 28-6-1979

(1) Smt. Mtidula Chandra, W/o Shri Mirmal Chandra, Bakerganj, Patna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR, PATNA

Patna, the 23rd July 1979

Ref. No. II-335/Acq./79.80.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

H. No. 213B, Plot No. 722B(Part) Circle No. 9, Ward No. 2, situated at Exhibition Road, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Patna on 23-1-79.

for an apparent consideration which is less than the fair marmarket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Lalita Devi, W/o. Shri L. P. Sharma, Mohl. Sultanpur, P. S. Danapur, Patna. (Transferee)

(3) (M/s Sharma Brothers, Patna
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land with structures on 1380 Sft land situated at Exhibition Road, Patna bearing H.No. 213B, M.S. Plot No.722B (Part) Circle No 9, Ward No. 2 within Patna Municipal Corporation more fully described in document No. 408 registered with the D.S.R. Patna on 23-1-79.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Bihar, Patna

Date: 23-7-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-411009

Pune-411009, the 25th July 1979

Ref. No. CA.5/SR.Jalgaon/April 79/455.—Whereas, I, Smt. P. LAI WANI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961) (43 of 1961), (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

C.T.S. No. 2679/46 situated at Julgaon.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Jalgaon on 27-4-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the 'said Act.' in
   respect of any income arising from the transfer;
   and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dagdulal Laxamandas Parakh, Balaji Peth, Jalgaon. (Transferor)
- Shri Tukaram Hari Bhole Jilha Peth, Jalgaon.
   Shri Laxaman Hari Bhole, Varangaon. Tal Bhusawal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

C.T.S. No. 2679/46 at Jalgaon. Area 214.9 Sq. Mtrs. (The property is registered with the Sub-Registrar, Jalgaon under D. No. 913, dated 27-4-1979).

Smt. P. LALWANI
Competent Authority,
Inspecting Assett Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 25-7-1979.

Scal .

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDADAD AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DITCHI, 1979